(वार्षिक विवरण लेखन)

(प्रोफेसर आशा रानी एवं श्रीमती प्रियंका चटर्जी)

प्राध्यापक वर्ग की उपलब्धियाँ

मान्यवर,

मेरा यह दृढ़ विश्वास है कि किसी भी संस्था के वर्तमान स्वरूप के पीछे वास्तव में उसके पूर्व पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ सहयोगियों का योगदान और शुभाशीष होती है, जिसके लिए मैं आज कॉलेज के सभी पूर्ववर्ती प्राचार्यों, प्रशासकीय समिति के अध्यक्षों और सदस्यगणों को अत्यंत श्रद्धापूर्वक नमन करता हूँ, जिनके आशीर्वाद से हमारा कॉलेज निरंतर प्रगति कर रहा है और शिक्षा जगत में एक विशेष स्थान बनाने में सफल हुआ है।

मैं कॉलेज के इस वार्षिक समारोह में आपका हार्दिक स्वागत करता हूँ। यह वार्षिक समारोह उस समय आयोजित हो रहा है जब कोरोना काल की विषम परिस्थितियां सामान्य हो चुकी हैं। कोरोना काल एक अत्यंत विषम परिस्थिति थी जो सबके साथ-साथ कॉलेज के लिए भी एक चुनौतीपूर्ण समय था परंतु कॉलेज ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए विद्यार्थियों और समाज के प्रति अपने दायित्वों को बहुत सफलतापूर्वक निभाया। कॉलेज ने अपने जरूरतमंद विद्यार्थियों के साथ-साथ समाज के अनेक वर्गों की आर्थिक रूप मदद की व मूलभूत आवश्यकताओं में भोजन व अन्य पदार्थों को पहुंचाकर राहत का काम किया। यह भी हर्ष का विषय है कि ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थिति में कॉलेज की शिक्षण प्रक्रिया निर्बाध रूप से चलती रही। ऑनलाइन माध्यम के रूप में हमने एक नई तकनीक का समुच्चय प्रयोग करते हुए चुनौतियों को अवसर में बदल दिया। जिससे यह भी सुनिश्चित हो गया कि भविष्य अब ब्लेंडेड मोड का ही रहने वाला है।

पिछले वर्ष की भाँति इस वर्ष भी आप सभी के सहयोग से ऐसे अनेक प्रयास और कार्यक्रम हुए हैं जो कॉलेज में पहली बार हुए हैं। उन कार्यों का विस्तृत विवरण पढ़ने से पहले मैं कुछ प्रयासों और नई सफलताओं का आप के सामने उल्लेख करना जरूरी समझता हूँ।

इस वर्ष कॉलेज द्वारा जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में "संस्कृति शिक्षा उत्थान न्यास" के साथ मिलकर "आत्मनिर्भर भारत: शोध व नवाचार" विषय पर एक दिवसीय वर्कशॉप आयोजित की गयी। जेएनयू में इस प्रकार का कार्यक्रम आयोजित करने वाला हमारा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय का पहला कॉलेज बना। इसी दौरान कॉलेज में हिन्दी में स्नातकोत्तर की कक्षाएं प्रारंभ हुई। इस शैक्षणिक सत्र में "भारतीय चित्र साधना" के सौजन्य से "शार्ट फ़िल्म निर्माण" पर दो दिवसीय फ़िल्म फेस्टिवल का आयोजन किया गया जो भारत ही नहीं विश्व में भी इस प्रकार का होने वाला पहला आयोजन था। कॉलेज के प्रोफेसर हरीश अरोड़ा और श्री जसपाल जी को प्रगति मैदान में होने वाले "पुस्तक मेले" में नयी शिक्षा नीति को विश्लेषित करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया। कॉलेज में पहली बार मुक्त शिक्षा विद्यालय (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग) का केन्द्र खोला गया। इस वर्ष दिल्ली विश्वविद्यालय में योग के आधार पर होने वाले ट्रायल्स हमारे कॉलेज में सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। कॉलेज में पूर्व छात्रों की स्वतंत्र इकाई का गठन किया गया और उसका विधिवत पंजीकरण भी करवाया गया।

पुरस्कारों और सम्मानों की दृष्टि से यह वर्ष कॉलेज के लिए विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। इस वर्ष कॉलेज को "सेवा भारती" द्वारा 'सेवा सम्मान-2022', "आविष्कार राष्ट्रीय पुरस्कार-2022",

"देवशिल मेमोरियल अवार्ड-2023"

इफ्का के द्वारा "गोल्ड अवार्ड-2023" आदि प्रमुख पुरस्कारों से पुरस्कृत किया गया।

❖ अंग्रेजी विभाग

डॉ. अनिल स्वदेशी, का अंतर्राष्ट्रीय बहुभाषी पत्रिका इनसाइट में 'लैंग्वेजेस अंडर थ्रेट इन इंडिया: चैलेंज एंड अपॉर्चुनिटीज' शीर्षक से लेख प्रकाशित हुआ। आपकी Currentia Literaria: Twenty First Century Perspectives on English Literature' शीर्षक से एसीन प्रेस बुक्स से एक संपादित पुस्तक प्रकाशित हुई। आपने "अंग्रेजी भाषा शिक्षण में सरकारी और निजी स्कूलों के सापेक्ष प्रभावी प्रदर्शन: हिमाचल प्रदेश के माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों का एक अध्ययन" Relative Effective Performance of Government and Private Schools in English Language Teaching: A Study of Secondary and Senior Secondary Schools in Himachal Pradesh विषय पर हिमाचल प्रदेश, विश्वविद्यालय से पीएच.डी. का शोधकार्य सम्पन्न किया और डॉक्टरेट की उपाधि अर्जित की।

❖ हिन्दी विभाग

प्रो. आशा रानी, ने दिल्ली विश्वविद्यालय की अकेडमिक काउंसिल के सदस्य के रूप में निष्ठापूर्वक 2 वर्ष तक अपनी सेवाएं दी और कई महत्त्वपूर्ण समितियों के सदस्य के रूप में काम किया, जिसके लिए उन्हें सम्मान पत्र भी मिला। आपने दिल्ली यूनिवर्सिटी के C.I.E. विभाग के पाठ्यक्रम को बनाने में योगदान दिया। 'वार की आबादकारी और बीसवीं सदी की पहली किसान लहर' नाम से अनूदित आलेख "किसान आन्दोलन: लहर भी, संघर्ष भी, जश्न भी" नामो किताब में छपा। इसी वर्ष "कोरोना काल में मज़दूर स्त्री की पीड़ा" व "स्त्री मुक्ति की पुरोधा: सावित्रीबाई फुले" शीर्षक से दो आलेख प्रकाशित हुए। आपने भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और अरुंधति भारतीय ज्ञान परम्परा के तत्वावधान में पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की और भारतीय ज्ञान परम्परा पर अपने विचार रखे। इस वर्ष आपको दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की ओर से दो शोधार्थियों के पीएच. डी. शोधकार्य हेतु निर्देशक के रूप में चयनित किया गया। आपने दिल्ली विश्वविद्यालय के जीसस एंड मैरी कॉलेज, गुरु नानक देव खालसा कॉलेज तथा सत्यवती कॉलेज में कला एवं संस्कृति के कार्यक्रमों में गेस्ट के रूप में भाग लिया। दिल्ली विश्वविद्यालय इस वर्ष अपना शताब्दी वर्ष मना रहा था आपने उसके आयोजनों में लगातार हिस्सा लिया।

प्रो. हरीश अरोड़ा, की इसी वर्ष "कैनवास से बाहर झाँकती लड़की, (कविता संग्रह) "तटस्थ नहीं मैं" (कविता संग्रह) और "पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत (आलोचना)" नाम से 3 पुस्तकें प्रकाशित हुई। "नए

भारत में बदलती सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी का विकास" आलेख विदेश मंत्रालय द्वारा फ़िजी में आयोजित विश्व हिन्दी सम्मेलन की स्मारिका (2023) में प्रकाशित हुआ। भारत सरकार के 'भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण' द्वारा पुस्तकालय दिवस के अवसर पर 'भारत के समग्र विकास में देश के पुस्तकालयों की गौरवशाली यात्रा' विषय पर 12 अगस्त, 2022 को विशेष व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया। आपने माऊंट कार्मेल कॉलेज, बैंगलुरु द्वारा 16 अगस्त, 2022 को 'समकालीन हिन्दी साहित्य और राष्ट्रीयता' विषय पर विशेष व्याख्यान दिया। सुराणा कॉलेज पीण्या, बैंगलुरु द्वारा 16 अगस्त, 2022 को 'हिन्दी साहित्य और भारत बोध' विषय पर विशेष व्याख्यान दिया। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, के 'भारतीय जनसंचार संस्थान' द्वारा 14-28 सितंबर 2022 को हिन्दी पखवाड़े के अन्तर्गरत 28 सितंबर 2022 को 'मीडिया की हिन्दी और हिन्दी का मीडिया' विषय पर आयोजित सेमीनार में विशिष्ट अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया। आपने माता सुंदरी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 3-5 नवंबर 2022 को 'विभाजन पर पुनर्विचार : 75 वर्ष' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया। हरीश जी ने भारत उत्थान न्यास, कानपुर द्वारा 27 नवंबर 2022 को 'विश्व कल्याण और हिन्दू दर्शन' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। संस्कृत भारती, दिल्ली द्वारा 28 नवंबर 2022 को 'भारतीय शस्त्रास्त्र' विषय पर आयोजित व्याख्यानमाला में मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया। सभ्यता अध्ययन केंद्र, भारतीय धरोहर और पी.जी.डी.ए.वी.कॉलेज (सांध्य) द्वारा 8 दिसंबर 2022 को 'भारतवर्ष के बौद्धिक संघर्ष में वैद्य गुरुदत्त का योगदान' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में वक्तव्य दिया। केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा द्वारा 22-23 दिसंबर 2022 'राष्ट्र निर्माण में भारतीय भाषाओं की भूमिका' विषय पर आयोजित 2 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सारस्वात के रूप में भाग लिया। आज एस वी एस बेल्लूबी आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, बेलगावी द्वारा 28 जनवरी 2023 को 'स्वतंत्रता पूर्व तथा पश्चात भारत और विकास की अवधारणा' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। आपने पी.जी. डी. ए. वी. कॉलेज (सांध्य) तथा भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा 10-11 फरवरी 2023 को 'भारतीय भाषाएँ और भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र में अध्यक्षीय भाषण दिया। माउंट कार्मेल कॉलेज, बेंगलुरू और भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा '22-23 फरवरी 2023' को वैश्विक परिदृश्य में भारतीय भाषाएँ और राष्ट्रीय एकता' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में बीज वक्तव्य दिया। भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली और भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा '20-21 मार्च 2023' को 'भारतीय भाषाओं में अंतःसंबंध' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया। सभ्यता अध्ययन केंद्र और पी.जी. डी.ए.वी.कॉलेज (सांध्य) द्वारा 13 अप्रैल 2022 को 'वर्तमान संदर्भ में पारस्परिक सद्भाव व गुरु गोविंद सिंह के विचार' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में वक्तव्य दिया।

प्रो. मीना शर्मा, को सड़क सुरक्षा नियमों की जागरूकता फैलाने में योगदान और सहयोग देने के लिए हीरो मोटोकॉप लिमिटेड की ओर से सराहना का प्रतीक चिन्ह मिला और 6 मार्च 2023 को उन्होंने "महिला अधिकारिता" पर एक व्याख्यान दिया। आपने 8 मार्च, 2023 को 'महिला दिवस समारोह' के अवसर पर इंडिया रेडियो 102 के "वार्ता" कार्यक्रम में भाग लिया। 12 मार्च, 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार राजदूत संगठन द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह में उन्हें "राष्ट्रीय महिला उत्कृष्टता

पुरस्कार " से सम्मानित किया गया। आपने 15 से 17 फरवरी, 2023 के बीच विदेश मंत्रालय (भारत सरकार) और फिज़ी सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लिया और "हिंदी : पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम मेधा तक" शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया। यह लेख "नई धारा" पत्रिका के फरवरी-मार्च 2023 संस्करण में प्रकाशित हुआ। उन्हें 17 मार्च 2023 को राजभवन, गोवा में डॉ. अम्बेडकर फाउंडेशन, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित संविधान समारोह में "संविधान सम्मान पुरस्कार-2023" से सम्मानित किया गया। 25 मार्च, 2023 को विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, रोहिणी में डीसी कंसल्टेंट एंड स्टार्टिफाय कंसल्टेंट द्वारा "नारी शक्ति पुरस्कार-2023" प्राप्त हुआ।

डॉ. अनिरुद्ध कुमार, (एसोसिएट प्रोफेसर) ने 13 मार्च, 2023 को विकिमीडिया फाउंडेशन और गूगल इंडिया के सहयोग से गुरुग्राम में 'हिंदी विकिपीडिया-गूगल सहभागिता बैठक का आयोजन किया। उन्होंने सीआइएस के साथ कोलकाता में 26-27 मार्च को अखिल भारतीय 'हिंदी विकिस्रोत सम्मेलन' का आयोजन किया। आपने 28-30 अप्रैल को हैदराबाद में आयोजित 'विकिकॉन्फ्रेंस इंडिया 2023' में प्रस्तुति दी।

डॉ. डिम्पल गुप्ता, (सहायक प्रोफेसर) का भाषा, साहित्य, संस्कृति, संवेदना और शोध की त्रैमासिक पीयर रिव्यूड शोध-पत्रिका 'सहृदय' में हिंदी साहित्य और दलित चेतना ' शीर्षक से लेख प्रकाशित हुआ। 'सहृदय' में ही "भारतीय संत परंपरा और गुरु नानक देव के साहित्य में मानवीय मूल्य ' शीर्षक लेख प्रकाशित हुआ।

❖ राजनीति विज्ञान विभाग

प्रो. शुभेन्दु रंजन राज, ने सीडेल फाउंडेशन-एचसीयू, दिल्ली द्वारा Federalism in Times of Crises: Governance Challenges & Democratic Innovations विषय पर 6 सितंबर, 2022 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "The State of Preparedness of India's Economy & Health sector in the Era of Global pandemic"शीर्षक से अपना प्रपत्र प्रस्तुत किया। आपने 10 दिसंबर, 2022 को तुलनात्मक संघवादी अनुसंधान समूह, राजनीति विज्ञान विभाग (दिल्ली विश्वविद्यालय)द्वारा Trends in Federalism: Expanding Horizon, Exploring New Terrains विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "Article 356 and its Dysfunctions" पर पेपर प्रस्तुत किया।

❖ संस्कृत विभाग

डॉ. योगेश शर्मा, ने 16-17 मई 2022 को वैश्विक संस्कृत मंच द्वारा 'वाल्मीकि रामायण में सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक संचेतना' विषय पर आयोजित वैश्विक संस्कृत सम्मेलन में कार्यकारिणी सदस्य के रूप में कार्य किया व एक सत्र के संचालक भी रहे। 6-7 जून, 2022 को कॉलेज एवं महात्मा हंसराज फैकल्टी डवलपमेन्ट सेन्टर, हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और सेन्टर ऑफ एमओई, गवर्नमेन्ट ऑफ इंडिया अण्डर पण्डित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑफ टीचर्स एण्ड टीचिंग (PMMMNMTT)

द्वारा 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) "अ पैराडिम शिफ्ट इन एजुकेशन सैक्टर" विषय पर दो दिवसीय ऑनलाइन वर्कशॉप में भाग लिया। आपने 6-12 सितंबर, 2022 को 'महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज' गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय एवं कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में "पेडागोजीकल ट्रेनिंग ऑन आईसीटी टूल्स फॉर इफेक्टिव टीचिंग लर्निंग" विषय पर साप्ताहिक अंतर्राष्ट्रीय एफडीपी में भाग लिया। संस्कृत भारती, दिल्ली प्रांत की ओर से आयोजित अमृत महोत्सव व्याख्यानमाला के अंतर्गत अखंड व्याख्यानमाला के 81वें पुष्प (व्याख्यान) में 3 नवंबर 2022 को 'समानता की वैदिक अवधारणा एवं आधुनिक विश्व' विषय पर मुख्यवक्ता (विषय विशेषज्ञ) के रूप में व्याख्यान दिया । आपने संस्कृत भारती, दिल्ली प्रांत की ओर से आयोजित अमृत महोत्सव व्याख्यानमाला के अंतर्गत अखंड व्याख्यानमाला के 91वें पुष्प (व्याख्यान) में 13 नवंबर 2022 को 'शिव संकल्प सूक्तानुसार मन का वैशिष्ट्य' विषय पर मुख्यवक्ता (विषय विशेषज्ञ) के रूप में व्याख्यान दिया। वाइडर एसोसिएशन फॉर वैदिक स्टडीज (वेव्स) के 15 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'वर्तमान विश्व में वैदिक ज्ञान का नवप्रवर्तनीय उपयोग' विषय पर 23 से 25 दिसंबर 2022 को आयोजित 12 वें अकेडमिक सेशन के सत्र का संचालन किया। 30 जनवरी 2023 से 2025 तक (वेव्स) वाइडर एसोसिएशन फॉर वैदिक स्टडीज के तरुण तरंग (यूथ विंग) में कोषाध्यक्ष का कार्यभार संभाला। 22 फरवरी, 2023 को भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज व अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, दिल्ली द्वारा 'तोमर एवं चौहान राजवंश के अंतर्गत गौरवशाली दिल्ली' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता की।

❖ अर्थ शास्त्र विभाग

डॉ. दीपिका शर्मा, (सहायक प्रोफेसर), ने पी.जी.डी.ए.वी.कॉलेज (सांध्य) तथा महाराजा अग्रसेन इंस्टिट्यूट के तत्वावधान में "प्रभावी शिक्षण सीखने के लिए आईसीटी उपकरणों पर शैक्षणिक प्रशिक्षण"विषय पर 6 सितम्बर, *2022 से 12सितम्बर, 2022 तक होने वाले संकाय संवर्धन कार्यक्रम में भाग लिया। आपने पी.जी.डी.ए.वी.(सांध्य) तथा MAIMS द्वारा 17 जनवरी, 2023 से 23जनवरी, 2023 तक होने वाले एफडीपी "डेटा एनालिसिस यूजिंग आर सॉफ्टवेयर" में भी भाग लिया। उन्हें जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज में एसईसी बेसिक आईटी टूल्स के प्रैक्टिकल पेपर के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया।

❖ इतिहास विभ

डॉ. श्रुति विप, (सहायक प्रोफेसर), ने यूजीसी, सीईसी की ऑनलाइन व्याख्यान शृंखला भाग एक के रूप में अगस्त 2022 से अप्रैल 2023 तक "भारतीय उपमहाद्वीप में कला का परिचय" (24 व्याख्यान) विषयों में "समकालीन भारत का निर्माण" (6 व्याख्यान) की शृंखला प्रस्तुत की । उन्होंने इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर, यूजीसी, सीईसी डिस्टेंस के तत्वाधान में 25 जनवरी, 2023 को गणतंत्र दिवस पर एक विशेष व्याख्यान दिया। आपने 'कलात्मक अभिव्यक्ति और भारतीय राष्ट्रवाद' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया। भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और अरुंधति भारतीय ज्ञान परम्परा, कॉलेज

के तत्वावधान में 10 फरवरी से 11 फरवरी तक आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में अवनिंद्रनाथ टैगोर पर अपने विचार रखे।

❖ वाणिज्य विभाग

श्री रमेश कुमार, (एसोसिएट प्रोफेसर) के इस वर्ष कई शोधपत्र पत्रिकाओं और पुस्तकों में प्रकाशित हुए। Assessing the Marketing Strategies of Crypto Currencies and Blockchain Technology-A Study आलेख जर्नल ऑफ पॉजिटिव स्कूल साइकोलॉजी में छपा। Types of Consumer Buying Behaviour" आलेख Contemporary Issues in Business and Government जर्नल में प्रकाशित हुआ। Enhancing Employee Performance Through Monetary Incentives-A Thematic Analysis, आलेख Positive School Psychology जर्नल में प्रकाशित हुआ। Factors that drive E-Commerce growth in India, Journal of the Oriental Institute (UGC care group) एम्.एस यूनिवर्सिटी ऑफ़ बडौदा से प्रकाशित हुआ। आपका आलेख "म्युचुअल फंड निवेश निर्णय लेने पर निवेशकों की धारणा और जागरूकता पोस्ट कोविड-19' "कोरिया अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन की समीक्षा" नामक पत्रिका में छपा। 'विश्व स्तर पर उद्यमी महिलाओं की सफलता के कारकों की मॉडलिंग' आलेख 'Oeconomia Copernicana, के Volume-13 में प्रकाशित हुआ। 'ग्रामीण ग्राहक के परिप्रेक्ष्य के संबंध में आधुनिक भुगतान प्रणाली-एक अनुभवजन्य अध्ययन' आलेख यूजीसी केयर लिस्टेड पत्रिका "द एशियाटिक सोसाइटी ऑफ मुंबई" से प्रकाशित हुआ। 'ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक भुगतान प्रणालियों को अपनाने का एक अध्ययन'-नाम से पत्र "जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप"में प्रकाशित हुआ।

'डिजिटल बैंकिंग ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण-एक पोस्ट महामारी परिदृश्य अनुभवजन्य अनुसंधान अध्ययन', लेख "वाणिज्य और प्रबंधन में हालिया प्रगति " पुस्तक में पुणे से प्रकाशित हुआ। "A Review on Challenges of Digital Payment System in India" आलेख A Handbook on Commerce & Management Applications, Concepts and Technologies, पुस्तक के दूसरे खंड में प्रकाशित हुआ। "Investors Awareness and Perception on Crypto-Currency Volatility-Security-Usability and Behavior: Indian Perspective", चैप्टर Green IoT: Sustainable Design and E-Commerce Technologies किताब में छपा। "Brand Equity and Purchase Intention of Consumers-Review of Literature" चैप्टर Glimpses of Innovative Research in Commerce, Management, Economics and Social Sciences (Peer Reviewed & Refereed), पुस्तक के चौथे खंड में छपा। इसके आलावा आपने निम्न आलेखों पर भारतीय पेंटेंट भी प्राप्त किये जो इस प्रकार हैं –'भारत में स्टॉक मार्केट पर खुदरा निवेश : एक आकलन मॉडल' (No. 2023411012502) ' आरंभिक सार्वजनिक पेशकशऔर रिटर्न-बाजार विकास' (No.202241071283). 'भारत में ऑनलाइन धोखाधड़ी ऋण ऐप के प्रति डिजिटल जागरूकता कार्यक्रम का प्रभाव' (No.202211065323) 'शेयर बाजार में निवेश और शेयर बाजार के विकास को सुविधाजनक बनाने वाले कारकों के बीच निवेशकों की जागरूकता और कथित जोखिम की मध्यस्थ

भूमिका' (No.20224105548) 'खुदरा उत्पाद में उपभोक्ता खरीद निर्णय को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारक' (No. 202221030956) 'सूक्ष्म और लघु उद्योगों के लिए ग्रामीण डिजिटल मार्केटिंग रणनीतियाँ और चुनौतियाँ : कोविड-19 के बाद का परिदृश्य' (No.20224103659), 'मशीन लर्निंग स्ट्रक्चरल इक्वेशन मॉडलिंग एल्गोरिद्म ऑन द आईसीटी इम्पैक्ट ऑन द आईसीटी इम्पैक्ट ऑन हायर एजुकेशन यूजिंग आर-प्रोग्रामिंग' (No. 202241035682. 'धार्मिक पर्यटन का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव : पुष्टि कारक विश्लेषण का उपयोग करना' (No. 202241033860), 'औद्योगिक स्मार्ट निविदा आपूर्ति शृंखला प्रबंधन प्रणाली ब्लॉक शृंखला का उपयोग' (No. 202241030963 ए), 'संगठन के विकास के लिए प्रभावी वित्तीय प्रबंधन तकनीकें' (No. 2021411059184) आदि।

डॉ. सोनिका नागपाल, (सहायक प्रोफेसर), का आईआईटीएम जर्नल ऑफ बिजनेस स्टडीज, 2022 में 'शैक्षिक सेवाओं के लिए चैटबॉट: गुणवत्ता आयामों की पुष्टि और आकलन' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित हुआ। आपने महात्मा हंसराज फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर द्वारा 6-7 जून, 2022 को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: शिक्षा क्षेत्र में एक आदर्श बदलाव" विषय पर आयोजित दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया। आपने 28 नवंबर से 4 दिसंबर, 2022 तक महात्मा हंसराज फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर द्वारा आयोजित "इनक्यूबेशन, एंटरप्रेन्योरशिप एंड इनोवेशन" पर एक सप्ताह की एफडीपी में भाग लिया और ए+ ग्रेड प्राप्त किया। जून 2022 में 'डिजिटल लर्निंग एनवायरनमेंट में चैटबॉट एप्लिकेशन: ए क्वांटिटेटिव असेसमेंट ऑफ एट्रिब्यूट्स एंड आउटकम्स' शीर्षक से इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, सह-पीआई दिल्ली विश्वविद्यालय के रूप में एक लघु शोध परियोजना प्रस्तुत की।

डॉ. नीतीश बागड़ी, (सहायक प्रोफेसर), को दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय से "भारतीय पर्यटन क्षेत्र के संबंध में ग्राहकों का डिजिटल अधिग्रहण : चुनिंदा भारतीय टूर एंड ट्रैवल पोर्टल्स एक अध्ययन" विषय पर पीएच.डी.की उपाधि प्राप्त हुई। आपने पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) और दिल्ली कानूनी सेवा प्राधिकरण के संयुक्त रूप में 14 दिसंबर, 2022 को 'कानूनी जागरूकता कार्यक्रम' के 12वें बैच का आयोजन किया। आपका Analysis of factors influencing the adoption of e-teaching methodology of learning by students: An empirical study amidst the present pandemic crisis" लेख एशियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बैंकिंग की पत्रिका एमाल्र्ड इनसाइट में छपा।

❖ गणित विभाग

श्री हरिप्रताप, (एसोसिएट प्रोफेसर) ने "Analytical Aspects of Some Fractional Derivatives and Their Applications" विषय पर नवम्बर, 2022 को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, नॉएडा से पीएच.डी. की उपाधि अर्जित की। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका De Gruyter (एससीआई) में "Deformable Laplace Transform and its Applications" शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित हुआ। इनका "Hilbert Transformer Designing Approach of Arbitrary Order for DST" लेख इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग जर्नल (यूजीसी लिस्टेड) में दिसंबर, 2022 में प्रकाशित हुआ। इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग जर्नल (यूजीसी लिस्टेड), में "हिल्बर्ट ट्रांसफॉर्मर डिजाइनिंग एप्रोच ऑफ आर्बिट्री ऑर्डर फॉर डीएसटी"

शीर्षक पर पेपर प्रकाशित किया। गणित विभाग, एस.वी.आर. एम. कॉलेज, नगरम द्वारा 29 अगस्त, 2022 को"Fractional Derivatives and Their Shortcomings." विषय पर आयोजित वेबिनार के लिए मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। आपने अपने महाविद्यालय और महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा संयुक्त रूप से 17 जनवरी, 2022 से 23 जनवरी, 2023 तक आयोजित "आर सॉफ्टवेयर का उपयोग करके डेटा विश्लेषण" विषय पर एक सप्ताह के ऑनलाइन एफडीपी में भाग लिया। कॉलेज और महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के संयुक्त तत्वाधान में 6 सितंबर, 2022-12 सितंबर, 2022 के बीच "पैडागॉजिकल ट्रेनिंग ऑन आईसीटी टूल्स फॉर इफेक्टिव टीचिंग लर्निंग" विषय पर आयोजित एक सप्ताह के ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में रिसोर्स पर्सन के रूप में योगदान दिया। आपने कॉलेज व महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा संयुक्त रूप से 17 जनवरी, 2023-23 जनवरी, 2023 के बीच "डेटा विश्लेषण यूजिंग आर सॉफ्टवेयर" विषय पर आयोजित एक सप्ताह के ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में भाग लिया। आप 3 पी.जी.डी.ए.वी. कंपनी में सहायक राष्ट्रीय कैडेट कोर अधिकारी के रूप में कार्यरत है।

श्री आदित्य प्रताप सिंह, (सहायक प्रोफेसर) ने कॉलेज और महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के संयुक्त तत्वाधान में 6-12 सितंबर, 2022 के बीच "पैडागॉजिकल ट्रेनिंग ऑन आईसीटी टूल्स फॉर इफेक्टिव टीचिंग लर्निंग" विषय पर आयोजित एक सप्ताह के ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में रिसोर्स पर्सन के रूप में योगदान दिया। कॉलेज और महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा संयुक्त रूप से 17-23 जनवरी, 2023 के बीच "डेटा विश्लेषण यूजिंग आर सॉफ्टवेयर" विषय पर आयोजित एक सप्ताह के ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में भाग लिया। इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग जर्नल (यूजीसी लिस्टेड), में "हिल्बर्ट ट्रांसफॉर्मर डिजाइनिंग एप्रोच ऑफ आर्बिट्री ऑर्डर फॉर डीएसटी" शीर्षक पर पेपर प्रकाशित किया।

डॉ. उदय शर्मा, (सहायक प्रोफेसर) ने कॉलेज और महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के संयुक्त तत्वाधान में 17-23 जनवरी, 2023 के बीच "डेटा विश्लेषण यूजिंग आर सॉफ्टवेयर" विषय पर आयोजित एक सप्ताह के ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में रिसोर्स पर्सन एवं संचालक के रूप में योगदान दिया। शिक्षा मंत्रालय के पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (PMMMNMTT) के तहत हमारे कॉलेज और गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग सेंटर, एसजीटीबी खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से "पायथन: एसेंशियलस, प्रोग्रामिंग एंड एनालिटिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स विथ 'आर', फाइनेंशियल डेटाबेस एंड एनालिसिस सॉफ्टवेयर" विषय पर आयोजित पंद्रह दिनों के ऑनलाइन नेशरिफ्रेशर कोर्स को सफलतापूर्वक संपन्न किया।

डॉ. कामिनी रावत, (सहायक प्रोफेसर) ने ऐड ऑन पाठ्क्रम "लीगल अवेयरनेस (बारहवां बैच)" 30 अगस्त से 14 दिसंबर 2022 तक पी. जी. डी. ए. वी. सांध्य विद्यालय में किया गया। 17 जनवरी से 23 जनवरी, 2023 के बीच "डेटा विश्लेषण यूजिंग आर सॉफ्टवेयर" विषय पर कॉलेज और महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सप्ताह के ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में भाग लिया।

❖ पर्यावरण अध्ययन विभाग:

डॉ. मयंक पाण्डेय, असिस्टेंट प्रोफेसर, और सह-शोधार्थियों का अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक जर्नल Mapan में Assessment of air quality before and during COVID-19 induced lockdown in Jaipur, India शीर्षक पर एक शोधपत्र प्रकाशित हुआ । डॉ. मयंक पाण्डेय और सह-शोधार्थियों का 'Environmental Science and Pollution Research' में Concepts of circular economy for sustainable management of electronic wastes: challenges and management options शीर्षक से अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक जर्नल में शोधपत्र प्रकाशित किया। Energy: Present and Future Demands शोधपत्र Advanced Nanocatalysts for Biodiesel Production संपादित पुस्तक में प्रकाशित हुआ जिसे CRC Press (Taylor & Francis Group) ने प्रकाशित किया। डॉ. मयंक पाण्डेय, डॉ. दीपक गोसाईं और साकेत शर्मा द्वारा लिखा गया चैप्टर Role of Renewable Energy in attaining Sustainable Development संपादित पुस्तक 'Artificial Intelligence for Renewable Energy System' में छपा जिसे Elsevier ने प्रकाशित किया। मयंक पाण्डेय ने 'Pedagogical Training on ICT Tools for Effective Teaching Learning' विषय पर पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) और महाराजा अग्रसेन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सप्ताह (06 से 12 सितम्बर, 2022) के ऑनलाइन संकाय संवर्धन कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

मान्यवर, महाविद्यालय में इस समय **10** विभागीय समितियां, लगभग **26** स्टाफ काउंसिल द्वारा पारित समितियाँ, 20 के करीब प्रकोष्ठ और क्लब बनाये गये हैं। कॉलेज में **3** एड ऑन कोर्स चलाये जाते है और कई सारी योजनाएँ शुरू की गयी हैं जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है और महाविद्यालय को ऊँचा उठाना है। कॉलेज हर नई योजना का दिल से स्वागत करता है। अब मैं आपके सामने वर्ष भर की गयी विभिन्न शैक्षणिक और गैरशैक्षणिक गतिविधियों का संक्षिप्त ब्यौरा देना चाहता हूँ।

विभागीय समितियों द्वारा वर्ष भर अकादमिक गतिविधियाँ करवाई जाती हैं जिनका संक्षिप्त ब्यौरा इस प्रकार है।

हिन्दी साहित्य सभा

संयोजक: डॉ. ओंकार लाल **छात्र प्रतिनिधि:आदेश यादव**

पी.जी.डी.ए.वी.महाविद्यालय (सांध्य) की हिन्दी साहित्य सभा द्वारा 24 सितंबर 2022 को 'हिंदी साहित्य सभा' और 'समर्थ' के संयुक्त तत्वावधान में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के प्रथम चरण से 6 प्रतिभागी द्वितीय चरण में गए। वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को प्राचार्य जी ने बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा भविष्य में ऐसे कार्यक्रम होते रहने चाहिए। प्राचार्य जी के वक्तव्य के पश्चात राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का अंत हुआ। 21 अप्रैल, 2023 को साहित्योत्सव एवं विदाई समारोह 'अन्विति' का आयोजन किया गया। साहित्योत्सव का शुभारंभ हिंदी साहित्य सभा के प्रभारी डॉ.अनिरुद्ध कुमार जी के संबोधन से हुआ। सर्वप्रथम रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका विषय छात्र जीवन रखा गया। प्रतिभागियों ने छात्र जीवन पर कविता, कहानी एवं निबंध लिखे। बी.ए. राजनीति विज्ञान विशेष द्वितीय वर्ष की छात्रा

रिया पांडे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय प्रतियोगिता आशुभाषण था जिसका विषय मुक्त बाज़ार था। बी० ए० हिंदी विशेष तृतीय वर्ष के छात्र शिवम सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्वरचित कविता पाठ में बी० ए० राजनीतिक विज्ञान विशेष द्वितीय वर्ष की छात्रा नेहा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। साहित्योत्सव के समापन के बाद विदाई समारोह का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की परंपरा के अनुसार दीप प्रज्ज्वलित कर ज्ञान की देवी माँ सरस्वती का पाठ किया गया। प्रथम और द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने गायन एवं नृत्य की प्रस्तुतियों से अपने अग्रजों को विदा किया। तत्पश्चात तृतीय वर्ष के विद्यार्थी एवं हिंदी विभाग के शिक्षकों ने अपने-अपने अनुभवों को साँझा किया। कार्यक्रम हिन्दी साहित्य सभा के संयोजक डॉ. ओंकार लाल मीणा के वक्तव्य से संपन्न हुआ।

संस्कृत परिषद्

संयोजक : डॉ. योगेश शर्मा **छात्र प्रतिनिधि : महेश तिवारी**

21 अगस्त 2022 को भारत संस्कृत परिषद्, राष्ट्रोक्ति वेबपोर्टल, अशोक सिंघल फाउंडेशन और संस्कृत परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय संस्कृत संगोष्ठी एवं संस्कृत विद्वत् सम्मान समारोह में मुख्यातिथि के रूप में विश्व हिंदू परिषद् के मार्गदर्शक माननीय श्री दिनेश चंद्र जी, अतिविशिष्ट अतिथि प्रो. बृजकिशोर कुठियाला (अध्यक्ष) हरियाणा उच्चतर शिक्षा परिषद्, प्रोफेसर रमेश पांडेय (पूर्व कुलपति) श्री लालबहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, प्रो. रवीन्द्र कुमार गुप्ता (प्राचार्य), अध्यक्ष के रूप में प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी संस्कृत आयाम प्रमुख व (कुलपति) उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय व डॉ. दिनेश शास्त्री (निदेशक) हरियाणा संस्कृत अकादमी आदि की गरिमामय उपस्थिति में राष्ट्रीय संस्कृत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 8-9 अक्टूबर 2022 को संस्कृत भारती व संस्कृत प्राच्य विद्याध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, संस्कृत भारती व भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रभाग, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में “संस्कृत और आंतरिक विकास” विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. योगेश शर्मा के निर्देशन में छात्रा आकांक्षा व याशिका ने नृत्य की सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। 'हम संस्कृत क्यों पढ़ें' विषय पर 23 जनवरी 2023 को आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमान् विवेक कौशिक जी (संगठन मंत्री, दिल्ली) संस्कृत भारती के द्वारा सभी छात्रों को उद्बोधन दिया गया। 1 फरवरी, 2023 को संस्कृत भारती के सहयोग से संस्कृत संभाषण शिविर के उद्घाटन समारोह में श्री लालबहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के शोध विभागाध्यक्ष प्रो. शिवशंकर मिश्र का मुख्यातिथि के रूप में आगमन हुआ।

15 फरवरी, 2023 को महर्षि दयानंद सरस्वती जी के 200 वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में संस्कृत भारती के सहयोग से आयोजित संस्कृत संभाषण शिविर के समापन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में संस्कृत भारती, दिल्ली प्रांत मंत्री डॉ. देवकीनंदन शर्मा उपस्थित हुए। इसमें सनातन वेद गुरुकुल व जयराम आश्रम के छात्रों ने भी भाग लिया व संस्कृत में अनेक मनमोहक सुंदर प्रस्तुतियाँ दीं। यह कार्यक्रम युवा, एनएसएस, एनसीसी, आइक्यूएसी व सांस्कृतिक एवं नैतिक प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। 22 मार्च 2023 को प्रतिवर्ष की भांति संस्कृत परिषद् के सहयोग से वार्षिक सांस्कृतिक समारोह (प्रवाह) में भारतीय नववर्ष विक्रमी संवत्-2080 को मनाया गया। 18 अगस्त, 2022 को हंसराज महाविद्यालय व संस्कृत भारती के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृत सप्ताह समारोह में छात्रा आकांक्षा पंवार ने संस्कृत गीत गायन प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया। 12 अप्रैल, 2023 को वार्षिक संस्कृत प्रतियोगिता में श्लोकोच्चारण व प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार दिए गये। 29 अप्रैल 2023 को पुरस्कार वितरण एवं आशीर्वाद समारोह का आयोजन प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र कुमार गुप्ता महोदय की उपस्थिति में किया गया।

राजनीति विज्ञान विभाग (संप्रभु सोसाइटी)

संयोजक : प्रो. बासुकी नाथ चौधरी **छात्र प्रतिनिधि : अतुल कुमार सिंह**

राजनीति विज्ञान विभाग की 'संप्रभु सोसाइटी' अपनी परंपरा को जारी रखे हुए हैं। समिति विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बुद्धिजीवियों को संगठित कर, छात्र समुदाय को एक सकारात्मक वातावरण प्रदान करती है। संप्रभु, राजनीति विज्ञान की समिति विभिन्न शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करके छात्रों के बहुमुखी विकास के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। प्रारंभ में, संप्रभु ने कॉलेज के गाँधी स्टडी सर्कल और गाँधी भवन (दिल्ली विश्वविद्यालय) के सहयोग से 6 सितंबर, 2022 को कॉलेज के सभागार में "गाँधी और शिक्षा" विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया। गाँधी भवन (दिल्ली विश्वविद्यालय) के निदेशक प्रो. के पी सिंह ने सामान्य रूप से शिक्षा के महत्व व शिक्षा और भारत पर गाँधी की धारणा पर एक व्याख्यान दिया। तत्पश्चात 20 जनवरी, 2023 को प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए विभाग और उसकी विभिन्न गतिविधियों की मूलभूत जानकारी देने के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। 21 फरवरी, 2023 को अभिव्यक्ति-यूथ पार्लियामेंट सोसाइटी और इंटरनल क्वालिटी एंड एश्योरेंस सेल (IQAC) के सहयोग से कॉलेज के सभागार में "भारत की 20 प्रेसीडेंसी: बदलती दुनिया में नेतृत्व" विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस आयोजन के मुख्य अतिथि श्री अमित कुमार शर्मा, उपायुक्त, एमसीडी मध्य क्षेत्र, नई दिल्ली थे, सुश्री सुष्मिता बख्शी, ब्रांड एंबेसडर, एमसीडी के साथ, जिसमें उन्होंने पर्यावरण संबंधी चिंताओं पर विशेष जोर देने के साथ G20 के लिए भारत के लक्ष्यों को परिभाषित किया और बताया कि कैसे इसमें भारत विश्व का नेतृत्व कर सकता है। मुख्य वक्ता, प्रो. उम्मू सलवा बावा, सेंटर फॉर यूरोपियन स्टडीज, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि नेतृत्व अवसर और चुनौतियां दोनों प्रदान करता है। चूंकि G20 विकसित दुनिया के साथ बातचीत करने का एक मंच है, उसने तर्क दिया कि यूक्रेनी युद्ध का भारत और विश्व पर किस प्रकार से प्रभाव पड़ रहा है। अंतिम वर्ष के निवर्तमान छात्रों के लिए 26 अप्रैल, 2023 को कॉलेज के सभागार में 'विदाई समारोह'-सफर 2023-का आयोजन किया गया और अंत में विद्यार्थियों के लिए रात्रिभोज का आयोजन किया गया।

बी. ए. प्रोग्राम समिति

संयोजिका : प्रो. आशा रानी **छात्र प्रतिनिधि : कर्ण कात्यायन**

महाविद्यालय के छात्रों में एक बहुत बड़ा वर्ग कला में स्नातकों का होता है जिनके लिए अलग से कुछ गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। बी. ए. प्रोग्राम की 'फीनिक्स' सोसाइटी ने 27 अक्टूबर, 2022 को कोरोना के प्रोटोकाल को मानते हुए चुनिन्दा विद्यार्थियों के साथ नये पदाधिकारियों के लिए "बैज समारोह" और पूर्व पदाधिकारियों के लिए "आभार समारोह" का आयोजन किया। समिति ने 18 जनवरी, 2023 को करियर गाइडेंस कमेटी के साथ मिलकर " How to crack tough exams" विषय पर सेमिनार करवाया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में CA सुश्री श्रुति गुप्ता ने CA बनने की महत्त्वपूर्ण जानकारी दी। दूसरे वक्ता के रूप में भारत सरकार के वित्त मंत्रालय से आये श्री समदीश डी शर्मा जी ने यूपीएससी में इकोनॉमिक्स सर्विसेज के लिए विद्यार्थियों मार्गदर्शन किया। समिति ने कई समितियों के साथ मिलकर एमबीए में सफलता पाने के विषय पर एक ज्ञानवर्धक वक्तव्य का आयोजन किया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में श्री सिद्धार्थ सक्सेना जी उपस्थित रहे। फिनिक्स समिति ने 16 अप्रैल, 2023 को ऑनलाइन 3 प्रतियोगिताओं फिल्म फ्रेंज़ी", " ग्रिड-ओ-वर्ड" और " लेट्स अनकवर" का

आयोजन किया, जिसमें लगभग 100 छात्रों ने भाग लिया। विजेताओं को ई प्रमाणपत्र दिए गये। सोसाइटी ने 29 अप्रैल को तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के सम्मान में “विहान” नाम से कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें विदाई के साथ-साथ फिनिक्स के नये पदाधिकारियों का बैज समारोह भी किया। नये पदाधिकारियों को आने वाले समय में दायित्व निभाने के लिए बिल्ले पहनाये गए। इस कार्यक्रम में कई तरह की प्रतियोगिताओं के साथ-साथ गीत, संगीत और नृत्य का पुट भी सम्मिलित किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य जी के साथ-साथ समिति के सभी सदस्यों और अन्य शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

वाणिज्य विभाग कॉमर्स एसोसिएशन

संयोजक : डॉ. जय शंकर शर्मा **छात्र प्रतिनिधि : मो. ज़ैद इशरत**

वाणिज्य परिषद् (कॉमर्स एसोसिएशन) कॉलेज की एक सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की प्रमुख सोसाइटी है, जो वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों में पढ़ाई के अलावा अन्य क्षेत्रों में नवीन विचारों, सूचनाओं और महत्त्वपूर्ण जानकारियों को प्रदान करती है। कॉमर्स एसोसिएशन ने पूरे वर्ष विभिन्न कार्यक्रमों, सेमिनारों, वेबिनार, अनुभवात्मक यात्राओं और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इस सत्र की शुरुआत ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता INSQUIZ 2.0 से हुई, जो 14/15/16 सितंबर 2022 को इंस्टाग्राम पर आयोजित की गई। इस तीन दिवसीय प्रश्नोत्तरी का आयोजन छात्रों को प्रोत्साहित करने और उनके ज्ञान को बढ़ाने के लिए किया गया था। जिसमें स्टॉक मार्केट, सोशल मीडिया और स्टार्टअप्स के बुनियादी ज्ञान को शामिल किया गया था। इसी कड़ी में कॉमर्स एसोसिएशन ने अपनी पहल कॉर्पोरेट शाला के तहत एलिवेटर पिच पर एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया, जो 19 सितंबर 2022 को एम एस टीम्स पर आयोजित किया गया था, जिसमें आमंत्रित वक्ता सुश्री तोशिका अग्रवाल थी। हमारे एलीवेटर पिच को कैसे बनाया जाए, इसके बारे में वक्ता ने बहुमूल्य जानकारी दी। इसके बाद, वाणिज्य विभाग ने फॉर्च्यून इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस के सहयोग से 21 सितंबर, 2022 को “इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड 2016” विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया। इसका नेतृत्व एक कुशल, अनुभवी शिक्षक, कॉर्पोरेट ट्रेनर के साथ-साथ सलाहकार डॉ. सुधी शर्मा ने किया। वक्ता ने विषय पर अपने गहन ज्ञान को प्रतिबिंबित किया और श्रोताओं के मन में दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 के महत्व, कार्यों और उद्देश्यों को विकसित करने की कोशिश पर छात्रों को कुछ स्लाइड दिखाई। इसके अलावा, सीवी बिल्डिंग, लिंक्डइन प्रोफाइल बिल्डिंग, कोल्ड-ई-मेलिंग और नेटवर्किंग पर हमारी पहल कॉर्पोरेट शाला के तहत एक सत्र 25 सितंबर, 2022 को गूगल मीट पर आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता श्री बरनाली बनर्जी ने संरचना, रिज्यूमे के घटक, सीवी और रिज्यूमे के बीच अंतर, एटीएस प्रणाली, स्थिति/भूमिकाएं जो प्रासंगिक नेतृत्व दिखाती हैं, सीवी/रिज्यूमे में अंतराल की बाधाओं पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि और इनपुट दिए। इंडस्ट्री इंस्टीट्यूशनल सेल, विद्या विस्तार स्कीम और फिनशाला के साथ कॉमर्स एसोसिएशन: द फाइनेंस क्लब, बी.ए.(प्रो.) और बोर्ड ऑफ इंडस्ट्री-एकेडेमिया पार्टनरशिप (बीआईएपी) ने संयुक्त रूप से 17 अक्टूबर, 2022 को ज़ूम मीट पर वित्तीय साक्षरता और जागरूकता पर एक वेबिनार का आयोजन किया जिसमें आमंत्रित वक्ता प्रो. अतुल साठे थे। अध्यक्ष ने प्रतिभागियों को उद्योग-शिक्षा मंडल (बीआईएपी) की भूमिका के बारे में बताया।

इसके अलावा, कॉमर्स एसोसिएशन ने 'द प्लेसमेंट एंड इंटर्नशिप सेल' के सहयोग सेCAT: लेट्स क्रैक इट पर एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन 6 नवंबर को Microsoft Teams पर अपनी पहल ACE THE RACE

के तहत किया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को KNOW HOW के बारे में बताना था। इस पहल के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की बुनियादी संरचना को समझा जा सकता है। कॉमर्स एसोसिएशन ने 6 दिसंबर, 2022 को Google मीट पर स्टॉक ट्रेडिंग: पाठशाला पर एक वेबिनार भी आयोजित किया। "स्टॉक मार्केट बाय-फिनएक्स क्यों सीखें" स्टॉक मार्केट विश्लेषण पर एक इंटरैक्टिव सत्र था, जो छात्र-छात्राओं को शेयर बाजार में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करेगा। आमंत्रित वक्ता श्री विजय कौशिक ने बहुत महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की। 7 जनवरी, 2023 को गूगल मीट पर एक और वेबिनार चालूनिवेश और निक्षेपागार सेवाएँ पर आयोजित किया गया था। आमंत्रित वक्ता डॉ. शिखा गुप्ता और करिश्मा मक्कड़ थीं। अध्यक्ष, डॉ. शिखा गुप्ता ने सत्र की शुरुआत में प्रतिभागियों को सीडीएसएल के बारे में बताया कि कैसे यह इलेक्ट्रॉनिक रूप में प्रतिभूतियों को रखने और लेनदेन करने की सुविधा प्रदान करता है। फ़िनशाला के सहयोग से एसोसिएशन ने 8 जनवरी, 2023 को Google मीट पर वित्तीय जागरूकता पर एक इंटरैक्टिव कार्यशाला का आयोजन किया। कॉमर्स एसोसिएशन ने 10 जनवरी, 2023 को IIT दिल्ली के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर के लिए एक अनुभवी शिक्षण यात्रा का भी आयोजन किया। इस यात्रा ने हमारे छात्रों के लिए विशेष नेटवर्किंग अवसर प्रदान किया जिसमें उन्हें दो स्टार्ट-अप के संस्थापकों के साथ जुड़ने का मौका मिला-

अनंत शर्मा ("टवीक लैब्स" के सह-संस्थापक, शार्क टैंक इंडिया सीज़न 1 में प्रदर्शित हुए)

मुकुल छाबड़ा ("स्क्रैप अंकल" के संस्थापक शार्क टैंक इंडिया सीज़न 2 में प्रदर्शित हुए)

समिति

एसोसिएशन द्वारा 18 जनवरी को 'फिनिक्स' एंड 'करियर गाइडेंस' के सहयोग से एक सेमिनार आयोजित किया गया था, जिसमें उनकी पहल "ऐस द रेस" के तहत उन्हें "कठिन प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं को कैसे क्रैक करें" पर अंतर्दृष्टि दी गई थी। आमंत्रित वक्ता थे-सीए श्रुति गुप्ता और श्री समदीश डी शर्मा। कॉमर्स एसोसिएशन ने IIIC (इंडस्ट्री इंस्टीट्यूशनल इंटरएक्टिव सेल) के सहयोग से 1 फरवरी, 2023 को सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक-IIT दिल्ली के इन्क्यूबेशन सेंटर की यात्रा का आयोजन किया, जिसने छात्रों को नेटवर्क बनाने और वास्तविक जीवन सीखने के अवसरों की शिक्षा प्रदान की। आईक्यूएसी समिति, बी.ए.(प्रोग.) कमेटी के सहयोग से वाणिज्य संघ समिति ने विद्या विस्तार और टैक्सो अकादमी ने 27 फरवरी, 2023 को ज़ूम पर "जीएसटी के मूल सिद्धांतों" पर एक वेबिनार का आयोजन किया। 1 अप्रैल 2023 को, कॉमर्स एसोसिएशन ने कॉलेज परिसर में अपने वार्षिक वाणिज्य उत्सव "COMANTRA 23" का आयोजन किया। COMMANTRA एक ऐसा मंच है जो छात्रों को उनकी प्रतिभा दिखाने और उनकी क्षमता का पता लगाने में मदद करता है, और विभिन्न गतिविधियों में उन्हें अपने कौशल, ज्ञान और आत्मविश्वास को विकसित करने में मदद करता है।

इतिहास विभाग विरासत-सोसाइटी

संयोजिका : डॉ. मृदुला अरोड़ा **छात्र प्रतिनिधि : अनुज पाण्डेय**

समिति द्वारा Heritage and Tourism के विद्यार्थियों के लाभार्थ 29 दिसम्बर, 2022 को क़ुतुब काम्प्लेक्स, हुमायूँ का मक़बरा और राष्ट्रीय संग्रहालय का दौरा करवाया गया। लगभग 17 विद्यार्थियों ने इस Heritage walk में भाग लिया। चूंकि जेम्स बॉन्ड की फिल्में शीत युद्ध के संदर्भ में इतिहास के पाठ्यक्रम में हैं, 2 फ़रवरी 2023 को Issues in World History: The 20 century के विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम में शामिल जेम्स बॉण्ड की फ़िल्म दिखाई गयी। दिखाई गई फिल्में थी 'द स्पाई हू लव्ड मी' और 'द गोल्डन आई'। हालांकि 1963 में

बनी यह फ़िल्म बहुत पुरानी है पर यह दर्शाती है कि जेम्स बॉण्ड की फ़िल्में किस तरह से शीत युद्ध के दौरान अमेरिका द्वारा एक हथियार के रूप में इस्तेमाल की जाती थी। समिति ने 11 अप्रैल, 2023 को विद्यार्थियों के लिए एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य विषय popular Movements था। इस क्विज़ में दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद आंदोलन, अमेरिका में सिविल राइट्स मूवमेंट, 1968 का पेरिस का छात्र आंदोलन, चिपको तथा अमेजन संघर्ष, विशाखा गाइडलाइन्स के विशेष संदर्भ में नारीवादी आंदोलन विषयों को शामिल किया गया। प्रारंभ में 10 छात्रों की तीन टीमों ने हिस्सा लिया और एक टीम विजेता रही। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में अवनिष शुक्ला का सबसे सराहनीय प्रयास रहा।

गणित परिषद् (FRACTALS)

संयोजक : श्री आदित्य प्रताप सिंह **छात्र प्रतिनिधि : अमन**

प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी फ्रैक्टल्स, गणित सोसायटी, ने 2022-23 में विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया। सबसे पहले 27 जनवरी 2023 को गणित विभाग और वाणिज्य एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से "मैनेजमेंट एप्टीट्यूड टेस्ट (MAT) गेटवे टू अ सक्सेसफुल करियर इन मैनेजमेंट (MBA/PGDM)" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए) के उप निदेशक श्री सिद्धार्थ सक्सेना मुख्य वक्ता थे। फ्रैक्टल्स ने एआईएमए और कॉमर्स एसोसिएशन के सहयोग से एमबीए/पीजीडीएम उम्मीदवारों के लिए एप्टीट्यूड टेस्ट आयोजित किया। यह टेस्ट MAT (मैनेजमेंट एप्टीट्यूड टेस्ट) के पाठ्यक्रम के आधार पर आयोजित किया गया था, जो कि भारत के प्रतिष्ठित B स्कूलों में प्रवेश पाने के इच्छुक छात्रों के लिए एआईएमए द्वारा आयोजित एक प्रवेश परीक्षा है। फ्रैक्टल्स ने 5 अप्रैल 2023 को अपने वार्षिक गणितीय उत्सव FUNDAMENTA-2k23 का भी आयोजन किया। FUNDAMENTA में विभिन्न इंटर-कॉलेज प्रतियोगिताओं जैसे गणितीय प्रश्नोत्तरी, वैदिक ज्ञान, गणितीय प्रस्तुतियाँ, पोस्टर मेकिंग, गणितीय रिले आदि का आयोजन किया गया। गणित विभाग के इस बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने भाग लिया। 'फ्रेक्टल्स' संस्था के अंतर्गत अकादमिक वर्ष 2022-23 का अंतिम कार्यक्रम तृतीय वर्ष के छात्रों का आशीर्वाद समारोह 'शुभेच्छा' था, जिसका आयोजन 5 मई, 2023 को किया गया।

अर्थ शास्त्र विभाग कौटिल्य परिषद्

संयोजिका : डॉ. दीपिका शर्मा **छात्र प्रतिनिधि : अभिषेक चटर्जी**

अर्थशास्त्र विभाग ने 19 जनवरी, 2023 को अर्थशास्त्र की बुनियादी अवधारणाओं पर चर्चा करने के लिए "इको फंडास" पर एक वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें अतिथि वक्ता के रूप में सुश्री तरन्नुम रज़ा, संकाय टी.आई.एम.ई. ने भाग लिया।

पर्यावरण विभाग सृष्टि समिति

संयोजक : डॉ. मयंक पाण्डेय **छात्र प्रतिनिधि : अमन**

कॉलेज में मनोनीत पर्यावरण परिषद् एक ऐसा सक्रिय समूह है, जो कॉलेज परिवार के सहयोग से प्रत्येक व्यक्ति, विशेषकर विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता एवं संवेदना पैदा करने के लिए निरंतर विविध प्रकार के

कार्यक्रमों का आयोजन करता है। पर्यावरण कमेटी वर्ष भर बहुत ही अहम कार्य करती है। सृष्टि समिति ने 'विद्या विस्तार योजना' के अंतर्गत 'आईक्यूएसी' और 'आज़ादी का अमृत महोत्सव सेल' के सहयोग से 1 जुलाई, 2022 को वर्षा जल संचयन पर एक वेबिनार का आयोजन किया। डॉ. अवनीश कुमार वर्मा, सेफ वाटर नेटवर्क इंडिया इस कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की प्रतिनिधि सुश्री संचिता पंडिता ने 8 जुलाई, 2022 को कॉलेज का दौरा किया और पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता के लिए कॉलेज द्वारा की गई विभिन्न पहलों का अवलोकन किया। समिति ने 10अगस्त, 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण किया। इस कार्यक्रम में एनएसएस व एनसीसी के छात्र, कॉलेज प्राचार्य एवं अनेक संकाय सदस्य उपस्थित रहे। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर14 अगस्त, 2022 को सृष्टि ने यमुना मिशन के सहयोग से यमुना नदी के तट पर सामूहिक एवं सघन वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया। श्री अशोक उपाध्याय, यमुना मिशन सहित बड़ी संख्या में लोग वृक्षारोपण अभियान के दौरान उपस्थित थे। परिवेशीय वायु गुणवत्ता अनुश्रवण केंद्र छात्रों के एक समूह (लगभग 40) को 24 अगस्त, 2022 को कॉलेज परिसर में स्थित परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन पर ले जाया गया। छात्रों ने प्रमुख वायु प्रदूषकों की सांद्रता की निगरानी के लिए स्थापित विभिन्न उपकरणों और सेंसर के कार्य सिद्धांत के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। सृष्टि के 6 सदस्यों ने भारतीय प्रदूषण नियंत्रण संघ (आईपीसीए) के साथ अपना इंटर्नशिप असाइनमेंट सफलतापूर्वक सम्पन्न किया। इंटर्नशिप की अवधि 5 सितंबर, 2022 से 5 नवंबर, 2022 (दो माह) की थी। छात्रों को प्रति माह 3000 रुपये का वजीफ़ा भी दिया गया। सृष्टि के प्रयासों से स्वर्ण लता मदरसन ट्रस्ट द्वारा सीएसआर फंड के तहत आईपीसीए द्वारा प्रदान किए गए दो 'एरोबिन' कंपोस्टर कॉलेज परिसर के भीतर स्थापित किए गए। कॉलेज में कंपोस्टरों का उद्घाटन 7 सितंबर, 2022 को संयुक्त रूप से प्रो.आर.के. गुप्ता (प्राचार्य), श्री शैलेंद्र कुमार सिंह, (एडीएम दक्षिण-पूर्वी दिल्ली), डॉ.राधा गोयल (उप निदेशक) आईपीसीए ने किया। इन कंपोस्टरों का इस्तेमाल खाने के कचरे को खाद में बदलने के लिए किया जा रहा है। टीम आईपीसीए ने छात्रों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए एक नाटक का मंचन भी किया। हाउस कीपिंग स्टाफ को ठोस कचरा प्रबंधन के बारे में जागरूक करने के लिए एक कार्यशाला भी आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन पर्यावरण समिति और कचरा प्रबंधन समिति द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। सृष्टि का वार्षिक समारोह "श्रवश्यम" 7 सितंबर, 2022 को आयोजित किया गया, जिसमें पूर्व पदाधिकारियों को ट्रॉफी से सम्मानित किया गया और वर्तमान पदाधिकारियों को बैज दिए गए। इंडियन पोल्यूशन कण्ट्रोल एसोसिएशन (आईपीसीए) के ग्रेटर नोएडा (पश्चिम) स्थित प्लास्टिक रीसाइक्लिंग प्लांट का औद्योगिक दौरा संयुक्त रूप से पर्यावरण समिति, अपशिष्ट प्रबंधन समिति, स्टूडेंट्स एसोसिएशन फॉर वर्बल इंटरेक्शन (SAVI), उद्यमिता और कौशल विकास सेल, ENACTUS, उद्योग संस्थान इंटरैक्शन सेल (IIIC) और राष्ट्रीय नवाचार और स्टार्टअप नीति (NISP) द्वारा 16 सितंबर, 2022 को आयोजित किया गया। दौरे के दौरान कॉलेज के प्राचार्य, संकाय सदस्य और उपर्युक्त प्रकोष्ठों/समितियों के 56 छात्र उपस्थित रहे।

विहंग-बर्ड वाचिंग क्लब द्वारा 'ओखला पक्षी अभयारण्य' का एक फील्ड भ्रमण 15 अक्टूबर, 2022 को आयोजित किया गया। विहंग के 14 छात्र इस फील्ड विजिट में उपस्थित थे। सृष्टि और संकल्प समितियों के लगभग 50 छात्रों ने स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन (एनएमसीजी), जल शक्ति मंत्रालय, सरकार द्वारा आयोजित गंगा उत्सव में 4 नवंबर, 2022 को भाग लिया। सृष्टि और संकल्प के छात्रों और जलाधिकार फाउंडेशन के अनेक सदस्यों ने 6 नवंबर, 2022 को ग्रेटर नोएडा पश्चिम में जलाधिकार द्वारा बनाए गए तालाबों के पास सामूहिक

वृक्षारोपण अभियान चलाने के लिए एक साथ काम किया। 'पानी के व्यावसायीकरण के बारे में जागरूकता' पर सृष्टि और जलाधिकार फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से 14 जनवरी, 2023 को एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम में प्रख्यात विचारक श्री के.एन. गोविंदाचार्य मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने प्रदूषण, पानी के व्यावसायीकरण और ग्लोबल वार्मिंग-जलवायु परिवर्तन के कारण आम लोगों के सामने आने वाले मुद्दों और चुनौतियों के बारे में बताया। पर्यावरण समिति, एसआईईसी और एनआईएसपी ने सेफ वाटर नेटवर्क इंडिया और यूएसएआईडी के साथ संयुक्त रूप से मिलकर 16 जनवरी से 9 फरवरी, 2023 तक 'जल उद्यमिता' पर 42 घंटे का प्रथम सर्टिफिकेट कोर्स आयोजित किया। इस कोर्स में 60 से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया और पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया। यह सर्टिफिकेट कोर्स निःशुल्क था और सेफ वाटर नेटवर्क इंडिया ने कोर्स के सभी खर्चों को वहन किया। सृष्टि, इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (IIC), स्किल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल (SIEC) और ENACTUS के सहयोग से पर्यावरण सोसायटी ने 24 फरवरी, 2023 को 'सतत विकास के लिए नवाचार का महत्व' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में श्री अरविंद देशमुख, (कॉरपोरेट ट्रेनर) जी रहे जिन्होंने अकादमिक, पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में नवीन प्रथाओं और दृष्टिकोणों के महत्व के विषय पर रौशनी डाली। पर्यावरण समिति, एसआईईसी और एनआईएसपी ने सेफ वाटर नेटवर्क इंडिया और यूएसएआईडी के साथ संयुक्त रूप से मिलकर 3 अप्रैल, से 17 अप्रैल, 2023 तक 42 घंटे का द्वितीय 'जल उद्यमिता' सर्टिफिकेट कोर्स आयोजित किया। 60 से अधिक छात्रों ने इसके लिए पंजीकरण कराया और पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। यह सर्टिफिकेट कोर्स निःशुल्क था और सेफ वाटर नेटवर्क इंडिया ने कोर्स के सभी खर्चों को पूरी तरह से प्रायोजित किया। सर्टिफिकेट कोर्स के दौरान प्रैक्टिकल सत्र/ वर्कशॉप और दो फील्ड भ्रमण भी आयोजित किए गए। लाइट, वाटर एंड सेनिटेशन कमेटी, डब्ल्यूयूएस और आईक्यूएसी ने सृष्टि के सहयोग से 15 अप्रैल, 2023 को एक द्विभाषी (हिंदी/अंग्रेजी) इंट्रा-कॉलेज 'नारा लेखन प्रतियोगिता' का आयोजन किया, जिसका विषय "बिजली बचाओ, जल बचाओ और स्वच्छता" था। इस प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। कॉलेज के छात्र श्री आदेश यादव और सुश्री सीमा ढाका ने क्रमशः प्रथम और द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। कॉलेज के एनसीसी विंग और सृष्टि ने संयुक्त रूप से कॉलेज परिसर में 18 अप्रैल, 2023 को वृक्षारोपण अभियान चलाया। पौधारोपण अभियान के दौरान कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आर.के. गुप्ता, सीओ एलटी कर्नल गगनदीप सिंह, एएनओ श्री हरि प्रताप और डॉ. मयंक पांडे, संयोजक-सृष्टि, एनसीसी कैडेट और कॉलेज के छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विज्ञान विभाग

संयोजक : डॉ. प्रमोद सेठी

महाविद्यालय का शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विज्ञान विभाग दो प्रकार के कार्यों में संलग्न है। बी.ए.प्रोग्राम में सभी सत्र में DSE विषय 'शारीरिक शिक्षा' पढ़ाने के अतिरिक्त शारीरिक शिक्षा विभाग महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए सभी प्रकार के खेल प्रशिक्षण संबंधी सुविधाओं को व्यवस्थित रूप से उपलब्ध कराना, खेलों से जुड़ी स्कॉलरशिप और खेल संबंधी सभी गतिविधियों के क्रियान्वयन और निरीक्षण आदि कार्य देखता है। सत्र 22-23 में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने आमंत्रित एवं ओपन प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त कई अंतर महाविद्यालय, अंतर विश्वविद्यालय, जोनल, राजकीय (स्टेट) और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लिया और पुरुस्कार भी प्राप्त किये। द्वितीय वर्ष के दो विद्यार्थियों जयवीर धीमान और अर्जुन ने मध्य प्रदेश में आयोजित 25वीं युवा ओपन राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप में दिल्ली राज्य प्रतिनिधित्व किया। बी. ए. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष के छात्र नासिर

हुसैन ने दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से अंतर विश्वविद्यालय वॉलीबॉल चैंपियनशिप में भाग लिया। इस वर्ष हमारे कॉलेज की पुरुष वॉलीबॉल टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालयव युवा और सीनियर दिल्ली राज्य चैंपियनशिप में भाग लिया और बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। वॉलीबॉल टीम ने ही LSR कॉलेज द्वारा आयोजित ओपन इंटर कॉलेज वॉलीबॉल चैंपियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कॉलेज की क्रिकेट टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर महाविद्यालय क्रिकेट टूर्नामेंट में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और कई अच्छी टीमों को परास्त करते हुए एक अच्छे स्थान तक पहुंची।

कॉलेज से फुटबॉल, क्रॉस कंट्री, एथेलेटिक्स, जूडो, ताइक्वांडो, कबड्डी के खिलाड़ियों नें दिल्ली विश्वविद्यालय टीम के सिलेक्शन ट्रायल्स में भाग लिया जो हमारे विभिन्न खेलों के उच्च स्तर का द्योतक है। इस वर्ष से खेलकूद में विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन के लिए एक स्कॉलरशिप आरंभ की गई है जिसमें स्तरीय प्रदर्शन के आधार पर तीन खिलाड़ियों को धनराशि के साथ ट्रॉफी, स्पोर्ट्स किट ट्रैक सूट इत्यादि दिए जाएंगे। सत्र 2022-23 में 18 विद्यार्थियों ने स्पोर्टस कोटा के अंतर्गत कॉलेज में प्रवेश लिया। इस सत्र का वार्षिक खेल दिवस 29 मार्च 2023 को आयोजित हुआ। इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर की शूटिंग की खिलाड़ी सुश्री अनु तोमर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस दिवस पर होने वाली सभी प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों, शिक्षकों और गैर शिक्षक कर्मचारियों सभी बड़े ने उत्साह से भाग लिया। इस सत्र में फिजिकल एजुकेशन विभाग द्वारा एक व्याख्यान “Sports-A Perspective of Journey from 1947 to 2020 NEP” पर एक वेबिनार “Millets for Health and Sports” और एक सेमिनार “NEP 2020 : Prospects and Perspectives of Sports and Health in Higher Education” आयोजित किये गए।

कॉलेज में स्वामी दयानंद हाई परफॉर्मेंस स्पोर्ट्स ट्रेनिंग अकादमी शुरू करने के लिए दिल्ली स्टेट वॉलीबॉल एसोसिएशन और दिल्ली स्टेट ताइक्वांडो एसोसिएशन के साथ एक समझौता ज्ञापन (M.O.U.) पर हस्ताक्षर किए गए। कॉलेज में 19 छात्रों ने जूडो, वॉलीबॉल, बास्केट बॉल, क्रिकेट और भारोत्तोलन खेल और खेल में स्पोर्ट्स कोटा के माध्यम से प्रवेश लिया है। बी.ए. (प्रोग्राम) द्वितीय वर्ष के अर्जुन शर्मा ने दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व किया और भुवनेश्वर, ओडिशा में राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैम्पियनशिप 2021-2022 में भाग लिया व दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया तथा चंडीगढ़ में अखिंल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में भाग लिया। बी.ए. (प्रोग्राम) द्वितीय वर्ष के दीपक यदुवंशी ने दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया और केरल विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में भाग लिया। वॉलीबॉल टीम (एम) ने दिल्ली राज्य यूथ वॉलीबॉल चैंपियनशिप में तीसरा स्थान हासिल किया।

स्टाफ काउंसिल द्वारा पारित महत्त्वपूर्ण समितियां और प्रकोष्ठ

कॉलेज को सुचारू रूप से चलाने और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक समितियों का गठन किया जाता है जो वर्ष भर वीविथ तरह की अकादमिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करती है।

टाईमटेबल कमेटी — संयोजक : श्री जसपाल सिंह

किसी भी संस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए समय सारिणी बहुत आवश्यक अंग होती है। श्री जसपाल जी पिछले कई वर्षों से इस कार्य को बड़ी निपुणता से समय पर करते आये हैं। वे विश्वविद्यालय के बदलते

नियमानुसार शिक्षकों को समय-समय पर उचित समयसारणी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहते हैं। वर्षभर यह काम चलता रहता है।

कलांजलि-सांस्कृतिक परिषद्

संयोजिका : श्रीमति उदिता अग्रवाल **छात्र प्रतिनिधि : सक्षम जैन, रणवीर एवं साक्षी**

यह समिति किसी भी संस्था की एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण समिति होती है जिसमें बच्चों का पढाई के अलावा विभिन्न कलाओं के माध्यम से सर्वांगीण विकास होता है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाविद्यालय की सांस्कृतिक परिषद् ने वर्षभर अनेक कार्यक्रमों का अत्यंत उल्लास एवं जोश से सफलतापूर्वक आयोजन किया। "कलांजलि सांस्कृतिक समिति" ने दीपावली के अवसर पर 21 अक्टूबर, 2022 को 'दीप से दीप जले' दीपोत्सव का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत दीया सजाने और रंगोली की प्रतियोगिताएँ की गई। पूरे कॉलेज को दीयों से सजाया गया और इस कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण भाग संध्या के समय सांस्कृतिक कार्यक्रम का होना था। अन्य कार्यक्रमों के साथ संगीत परिषद द्वारा रामचरितमानस की चौपाइयों का मधुर गायन और भारतीय नृत्य परिषद द्वारा प्रस्तुत रामायण पर आधारित नृत्य नाटिका ने उपस्थित समूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम में 400 से अधिक विद्यार्थी एवं शिक्षक, गैर-शिक्षक कर्मचारी दर्शक के रूप में उपस्थित रहे। NSS और NCC के वॉलिंटियर्स की सहायता से पूरा कॉलेज दीयों की रोशनी से जगमगा उठा। यह कार्यक्रम पूरे दिल्ली विश्वविद्यालय में केवल हमारे कॉलेज में मनाया जाने वाला एक अनूठा कार्यक्रम था। प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभाओं को ढूंढने के लिए किया जाने वाला कार्यक्रम 'TALENT HUNT' इस वर्ष 13 जनवरी, 2023 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आरंभ सांस्कृतिक समिति कलांजलि के पदाधिकारियों के परिचय के साथ उन्हें बिल्ले (Badges) देकर किया गया और उसके बाद समानांतर रूप से 17 प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई, जिसमें प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। उसी संध्या को आयोजित ओरियंटेशन प्रोग्राम में तृतीय वर्ष के अंकित द्वारा मधुर गायन और द्वितीय वर्ष की बरनाली द्वारा ओडीसी नृत्य प्रस्तुत किया गया जिस ने सबका मन मोह लिया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर 30 जनवरी, 2023 को सांस्कृतिक समिति की साहित्यिक समिति एथेना द्वारा भारत ज्ञान पर आधारित एक अंतः महाविद्यालय प्रश्नोत्तरी (QUIZ) का आयोजन किया गया जिसका थीम 'आइए अपने देश को जाने'रखा गया। तीन चरणों में हुई इस प्रश्नोत्तरी में विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

7 फरवरी 2023 को सांस्कृतिक समिति ने राष्ट्रीय कवि संगम के तत्वाधान में एक 'काव्य गोष्ठी' का आयोजन किया जिसमें हमारे महाविद्यालय व दिल्ली विश्वविद्यालय के 15 से अधिक युवा कवियों ने काव्य-पाठ किया। अधिकांश कविताएँ देश भक्ति और राष्ट्र जागरण से ओतप्रोत थी। 21 और 22 मार्च 2023 को "कलांजलि" द्वारा महाविद्यालय का वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव एक नए नाम "प्रवाह" के साथ आयोजित किया गया जिसका थीम 'विवेकशील युवा-विश्व गुरु भारत रखा गया। उत्सव में 26 अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिनमें से कुछ केवल हमारे महाविद्यालय में आयोजित की जाती हैं। प्रतियोगिताओं के नाम माटी की थाप, झंकार, युगल ताल, स्तुति आदि सभी के द्वारा बहुत पसंद किए गए। 'प्रवाह 2023' के उद्घाटन सत्र में माननीय लोकसभा सांसद श्री मनोज तिवारी जी मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहे और प्रसिद्ध बांसुरी वादक पंडित चेतन जोशी जी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। माननीय मनोज तिवारी जी ने कहा कि युवा ही देश का भविष्य हैं और थीम बिल्कुल प्रासंगिक है। पंडित चेतन जोशी जी ने कहा कि कला हमने विरासत में पाई है और इसे संजोकर रखना

युवाओं का काम है। अपने ओजस्वी वक्तव्य के साथ मधुर स्वर में लोकगीत और गीत गाकर माननीय मनोज तिवारी जी ने सबको मंत्र मुग्ध कर दिया। 22 मार्च को अन्य प्रतियोगिताओं के साथ वर्ष प्रतिपदा कार्यक्रम 'शुभम' का आयोजन किया गया। भारतीय नववर्ष 2080 का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व मंत्रोच्चार के साथ किया गया। साथ ही संस्कृत परिषद द्वारा संस्कृत गायन तथा कलांजलि के विद्यार्थियों द्वारा शास्त्रीय एवं लोक नृत्य के मिश्रण की भव्य प्रस्तुति दी गई और योगा क्लब 'शाश्वत' के द्वारा शिव स्तुति पर आधारित रिदमिक योगा की प्रस्तुति ने तो सबको अचंभित कर दिया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना जया प्रियदर्शनी जी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रही। प्राचार्य रवीन्द्र कुमार गुप्ता जी ने भारतीय नव वर्ष का वैज्ञानिक महत्व बताते हुए सब को नववर्ष की शुभकामनाएँ दीं। दो दिवसीय कार्यक्रम की सफलता से उत्साहित सभी के द्वारा गानों पर झूमते हुए कार्यक्रम का विधिवत समापन हुआ। 16 अप्रैल, 2023 को पूर्व विद्यार्थी मिलन 'संस्मृति' में कलांजलि के विद्यार्थियों द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसे पूर्व विद्यार्थियों द्वारा बहुत सराहा गया। कलांजलि की इंद्रधनुष सोसायटी के विद्यार्थियों द्वारा बनाई गयी भव्य रंगोली भी आकर्षण का केंद्र रही। हमें बताते हुए गर्व हो रहा है कि कलांजलि के सदस्य लगातार दिल्ली विश्वविद्यालय और अन्य विश्वविद्यालय एवं संस्थानों में आयोजित अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं और पुरुस्कार जीत कर कॉलेज के नाम को गौरांवित कर रहे हैं। अभी तक विद्यार्थी 35 से अधिक पुरस्कार जीत चुके हैं। इस प्रकार कलांजलि समिति वर्ष भर सांस्कृतिक गतिविधियों में संलग्न रहती है।

नाट्य समिति 'नेपथ्य'

संयोजिका : डॉ. कृष्णा शुक्ला | **छात्र प्रतिनिधि : ऋषि एवं नवनीत मासा**

थियेटर एक बड़ा ही जीवंत और शक्तिशाली जन माध्यम है जो दर्शकों के साथ सीधा संवाद करता है व जिसका प्रभाव चिरस्थाई होता है। इसीलिए तो रंगकर्मी सामाजिक प्रतिबद्धता महसूस करते हुए थियेटर को सामाजिक परिवर्तन के लिए एक कारगर औजार की तरह इस्तेमाल करते हैं। अपने नाटकों के माध्यम से विशाल जनसमूह को आनंद से आप्लावित करते हुए वे सामाजिक को रूढ़ियों और कुसंस्कारों से मुक्त करने में सार्थक हस्तक्षेप करते हैं। कॉलेज की नाट्य संस्था " नेपथ्य" ने बदलते परिवेश में अपनी जड़ों से जोड़ने की कोशिश में 15 अप्रैल, 2023 को "चलो, चलें गाँव की ओर" टैगलाइन को आधार बनाकर लगभग 4 वर्षों के बाद अपना थियेटर फेस्ट "उमंग-23" बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया, जिसमें दिल्ली यूनिवर्सिटी के विभिन्न महाविद्यालयों व अन्य शैक्षणिक संस्थाओं की नाट्य मंडलियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। उमंग की शुरुआत सुबह 10 बजे से चौपाल-द स्ट्रीट प्ले प्रतियोगिता, मेरी आवाज़-मोनोलॉग प्रतियोगिता और सब बिकता है-एड-मैड जैसी 3 प्रतियोगिताओं के साथ हुई। उमंग के उद्घाटन समारोह में थियेटर को अपना जीवन समर्पित करने वाले श्री अवतार साहनी जी व उनकी समाज सेविका व आर्टिस्ट पत्नी मिस खुलना लमुयम ने मुख्यातिथि के रूप में भागीदारी की। प्रतियोगिता में बाहर से आये निर्णायक श्री हिम्मत सिंह नेगी जी, यामीन और इमरान खान के साथ कॉलेज के इंटरनल निर्णायकों की भूमिका भी सराहनीय रही। उमंग के उद्घाटन समारोह में मुख्यातिथियों के साथ प्राचार्य प्रो. आर.के. गुप्ता, निर्णायक मंडल और नाट्य संस्था के सभी शिक्षक साथी उपस्थित रहे। प्राचार्य प्रो.आर.के. गुप्ता ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत व सम्मान किया और अपने वक्तव्य में कार्यक्रम की सफलता व शुभकामनाएं दीं। मुख्यातिथि श्री अवतार साहनी ने अपने जीवन में रंगमंच की भूमिका का उल्लेख करते हुए बताया कि किस तरह उन्होंने अपने

जीवन में कलाओं और मूल्यों को आत्मसात किया है और थिएटर ने किस तरह उन्हें संवारा है। श्रीमती खुलना लाइमयुम ने महिला सशक्तिकरण के महत्व के बारे में बात की और समाज को लड़कियों को काम करने के सभी क्षेत्रों में समान अवसर प्रदान करने की अपील की। मुख्य अतिथि द्वारा समिति के पदाधिकारियों को पुरस्कार वितरित किये गए। कुल 250 से अधिक पंजीकरण के साथ यह कार्यक्रम सफल रहा। छात्रों ने अपने उम्दा अभिनय के लिए पुरस्कार जीते और उत्सव के लिए अत्यधिक उत्साह दिखाया। नेपथ्य की पूरी टीम ने एक पूरा दिन नाटकों को समर्पित करते हुए भरी दोपहरी में बड़े ही सहज रूप से इस कार्यक्रम को सफल बनाया। नुक्कड़ नाटकों के अदाकारों की इस बात के लिए भी तारीफ़ की जानी चाहिए कि वे ख़ुद गाते-बजाते, अभिनय करते हर मौसम की ताब को झेल जाते हैं। सारा दिन कड़ी धूप में बैठकर इन नुक्कड़ नाटकों को देखने के लिए शिक्षकों और छात्रों के रूप में जो दर्शकों की भूमिका में बने रहे, उनके धैर्य और रुचि को भी प्रणाम। समसामयिक मुद्दों पर हुई इन प्रस्तुतियों को देखकर एक संतुष्टि का भाव आया कि इस देश में नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से परिवर्तन की जो आग जल रही है उसे और प्रज्वलित करने की जरूरत है। इस अवसर पर समसामयिक मुद्दों पर रंगकर्मियों की रचनात्मकता को देखकर दुष्यंत की पंक्तियाँ याद आती रहीं ....

सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं,
मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए।

करियर गाइडेंस समिति

संयोजिका : प्रो.आशा रानी

करियर गाइडेंस समिति ने निर्धारित कार्यक्रमों की शुरुआत करते हुए अक्टूबर माह में 'कॉमन इंटरेक्शन कार्यक्रम' का आयोजन किया जिसमें कॉलेज के वाणिज्य विभाग से डॉ. जय शंकर शर्मा व अन्य शिक्षकों ने विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों मार्गदर्शन किया और परामर्श दिया। कॉलेज के सभी अनुशासनों से विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी शंकाओं का समाधान पाया। लगभग 3 घंटे का चला यह सत्र बहुत ही रोचक और ज्ञानवर्द्धक रहा। समिति ने 14 जनवरी, 2023 को युवा दिवस व् स्टार्टअप दिवस के उपलक्ष्य में " स्टार्ट अप के संस्थापक की प्रेरक कहानी" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में YUGO की संस्थापिका सुश्री वंदना सिंह जे ने विद्यार्थियों को अपनी प्रेरक कहानी से अवगत करवाया। यह सत्र बहुत ही रोचक रहा और विद्यार्थियों ने प्रेरित होते हुए मांग की, कि इस प्रकार के सत्र ज्यादा से ज्यादा आयोजित किये जाएँ। समिति ने 18 जनवरी, 2023 को बी.ए. प्रोग्राम कमेटी के साथ मिलकर " How to crack tough exams" विषय पर सेमिनार करवाया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में चार्टेड एकाउंटेंट सुश्री श्रुति गुप्ता ने CA बनने की महत्त्वपूर्ण जानकारी दी। दूसरे वक्ता के रूप में भारत सरकार के वित्त मंत्रालय से आये श्री समदीश डी शर्मा जी ने यूपीएससी में इकोनॉमिक्स सर्विसेज के लिए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उनके द्वारा दी गयी जानकारी बच्चों के लिए एकदम नई थी। करियर गाइडेंस समिति ने 27 मार्च, 2023 को वाणिज्य परिषद, IQAC और समर्थ समिति के साथ मिलकर A Pathway to Success विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में श्री अरुण भाटिया जी ने भाग लिया। यह सत्र बच्चों के लिए बहुत ही लाभदायक रहा। समिति ने कई समितियों के साथ मिलकर एमबीए में सफलता पाने के विषय पर एक और ज्ञानवर्धक वक्तव्य का आयोजन किया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में श्री सिद्धार्थ सक्सेना जी उपस्थित रहे। करियर गाइडेंस समिति ने 2 मई, 2023 को IQAC, गणित विभाग

तथा समर्थ के साथ मिलकर Data Science & Machine Learning तथा A Step towards Saving पर ऑनलाइन क्रमशः दो सत्र रखे जिसमें वक्ताओं के रूप में प्रो.कृष्ण कान्त सिंह (अमिटी यूनिवेर्सिटी) तथा श्री सौरभ जैन (विजिनरी वौइस् फाउंडेशन के संस्थापक) ने अपने महत्त्वपूर्ण वक्तव्य दिए। विद्यार्थियों में स्कूल, कॉलेज के समय से ही बचत की आदतों को डालने की जानकारियों से भरपूर यह सत्र काफी रोचक रहा।

कंप्यूटराइजेशन एवं ऑटोमेशन समिति **संयोजक : डॉ. अजय कुमार गर्ग**

यह समिति सूचना एवं प्रौद्योगिकी से सम्बंधित समस्त आवश्यकताओं के सफल संचालन और संरक्षण की दिशा में महत्त्वपूर्ण कार्य करती है। यह एक सतत प्रक्रिया है जिसे कॉलेज में वार्षिक स्तर पर पूर्ण रूप से संपन्न किया जाता है। यह कॉलेज के लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि समिति द्वारा ई-प्रमाण-पत्र के संबंध में एक नवीन पहल की गयी। ई-प्रमाण-पत्र वितरण की दिशा में उठाया गया यह प्रयास विगत व्यवस्था को परिवर्तित करके एक नए आयाम स्थापित करता है। इस ई-व्यवस्था से विद्यार्थी अपने सभी महत्त्वपूर्ण प्रमाण-पत्रों को अपनी आवश्यकता के अनुरूप विभिन्न प्रयोग में ला सकते हैं। यह प्रयास संसाधनों के सक्षम एवं समुचित उपयोग की दिशा में वह सराहनीय प्रयास है, जिससे समय की बचत के साथ-साथ स्वयं को वर्तमान के संसाधनों और ई-सुशासन की ओर कॉलेज द्वारा बढ़ाया गया सार्थक क़दम है। कॉलेज वेबसाइट को निरंतर अद्यतन किया जाता है। समिति मौजूदा वेबसाइट को लगातार नवीन, आकर्षक, अव्यवस्था मुक्त और उपयोगी बनाने की दिशा में भी कार्य करती है। इस अवधि के दौरान समिति द्वारा पुस्तकालय में कोहा साफ्टवेयर संस्थापित किया गया तथा पुस्तकालय कर्मचारियों का नए साफ्टवेयर से संबंधित प्रशिक्षण पूरा किया गया। टीचिंग स्टाफ के लिए यूजर आईडी और पासवर्ड जेनरेट किया गया, जिसे ई-मेल के जरिए फॉरवर्ड किया गया। डेटा का बैकअप व्यवस्थापक, खातों और पुस्तकालय द्वारा लिया जाता है और संबंधित लोग इसकी पुष्टि करते हैं। प्रशासन विभाग द्वारा ऑनलाइन उपस्थिति और असाइनमेंट मार्क्स का बैकअप लिया जा रहा है। वेबसाइट का अद्यतन साप्ताहिक आधार पर किया जाता है। महाविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों, वार्ता, सेमिनार, वेबिनार आदि की समस्त सूचनाओं को समय पर वेबसाइट पर रिकार्ड करने एवं अद्यतन करने के लिए गूगल फॉर्म बनाया गया है। कॉलेज ने पाठ्येतर गतिविधियों के विजेताओं और प्रतिभागियों व वेबिनार आदि के प्रतिभागियों और वक्ताओं के लिए ई-प्रमाण पत्र जारी करना शुरू कर दिया है। यह कम्प्यूटरीकरण और स्वचालन समिति के प्रमुख कार्यों में से एक है। समिति गूगल ड्राइव के साथ-साथ बाहरी हार्ड ड्राइव में ई-प्रमाणपत्र से संबंधित सभी अभिलेखों का बैकअप लेती है। समिति द्वारा वर्ष भर अत्यंत सजगता से इसके नवीनीकरण और रखरखाव की ज़िम्मेदारी निभायी जाती है। समिति को सौंपी गई जिम्मेदारी में यह सुनिश्चित किया गया है कि कॉलेज में उपयोग किए गए विभिन्न सॉफ्टवेयर के माध्यम से उत्पन्न विभिन्न डेटा की आवधिक बैकअप की निगरानी रखी जाए। अत: यह सराहनीय प्रयास वर्ष भर अत्यंत ज़िम्मेदारी के साथ कुशलतापूर्वक नियंत्रित और संचालित किया जाता है। कॉलेज की 'कम्प्यूटरीकरण और स्वचालन समिति' ने पूरे वर्ष विभिन्न कार्यक्रमों और आयोजनों के लिए कुल 338 ई-प्रमाण पत्र जारी किए। महाविद्यालय की वेबसाइट को समय-समय पर आवश्यकताओं के अनुसार नियमित रूप से अपडेट और संशोधित किया गया था। समिति ने कॉलेज पुस्तकालय के स्वचालन के लिए काम किया। समिति ने कॉलेज में प्रमुख कंप्यूटरों का बैकअप भी सुनिश्चित किया है। फिलहाल कमेटी कॉलेज की वेबसाइट को अपडेट और रीस्ट्रक्चर करने का काम कर रही है।

अर्था (Eartha) समिति

संयोजिका : डॉ. डिम्पल गुप्ता **छात्र प्रतिनिधि : प्रतिज्ञा शर्मा, पुनरल गुप्ता**

अर्था सोसाइटी एक गैर लाभकारी संगठन है, जिसका उद्देश्य समाज में विविध महत्वपूर्ण विषयों एवं समस्याओं पर चर्चा करते हुए समाज में जागरूकता फैलाना है, साथ साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भी विद्यार्थियों को विविध विषयों से संबंधित विषयों के बारे में शिक्षित करना है। इस शृंखला में महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति और अर्था सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में 21 अक्टूबर 2022 को दीपोत्सव के अंतर्गत 'दीप से दीप जले ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें दिया सज्जा प्रतियोगिता, रंगोली एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक आयोजित की गई। "अर्था" सोसाइटी के विद्यार्थियों द्वारा 5 नवंबर 2022 महाविद्यालय के निकट लाजपत नगर बस्ती में जाकर महिलाओं एवं लड़कियों को मासिक धर्म के दौरान स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी दी गई और कपड़े के स्थान पर सेनेटरी पैड्स प्रयोग संबंधित बातें बताई गई, इसके साथ साथ महिलाओं एवं लड़कियों को पैड्स भी वितरित किए गए। इस जागरूकता अभियान में कुल 18 विद्यार्थी सम्मिलित थे। हर्ष का विषय यह था कि छात्राओं के साथ-साथ छात्रों ने भी इस अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया, इस प्रकार यह जागरूकता अभियान पूर्णतः सफल रहा।

फिल्म एप्रिसिएशन समिति

संयोजिका : डॉ. श्रुति रंजना मिश्रा

इस समिति का उद्देश्य कॉलेज के विद्यार्थियों में श्रेष्ठ फिल्मों के माध्यम से राष्ट्र प्रेम, कर्तव्यपरायणता, संवेदनशीलता, परोपकारिता की भावना विकसित करने के साथ-साथ उन्हें देश का एक अच्छा नागरिक बनाना है। फिल्मों द्वारा छात्र-छात्राओं में रचनात्मकता के गुण का विकास भी किया जा सकता है। फिल्म एप्रिसिएशन समिति की भूमिका विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए केवल मंच प्रदान करना ही नहीं है, बल्कि उनकी बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए एक स्रोत के रूप में भी काम करना है। यह समिति समसामयिक मुद्दों से संबन्धित फिल्मों और वृत्तचित्रों के माध्यम से छात्रों के बीच सिनेमा में रुचि को प्रोत्साहित करने की कोशिश करती है। समिति ने इसी क्रम में साक्षात्कार के माध्यम से फिल्म एप्रिसिएशन समिति के प्रतिनिधियों पदिंकर में ऑफ़िस बेयरर पोस्ट्स का गठन किया गया जिसमें समन्वयक, सह समन्वयक आदि पद दिए गए हैं। समिति ने विद्यार्थियों को एनिमेशन फिल्मों के तकनीकी पक्ष की जानकारी देने के लिए "एनिमेशन की दुनिया से एक मुलाक़ात" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। फिल्म एप्रिसिएशन समिति के द्वारा दिल्ली फ़िल्म सोसायटी (सम्बद्ध-भारतीय चित्र साधना) के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय "लघु फिल्म प्रदर्शनी समारोह" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष, स्वाधीन भारत के 75 वर्ष, वोकल फ़ॉर लोकल, भारतीय संस्कृति और मूल्य, इनोवेशन (नवाचार), परिवार, पर्यावरण, ऊर्जा, शिक्षा एवं कौशल विकास आदि विषयों पर लघु फिल्में प्रदर्शित की गयीं।

राष्ट्रीय सेवा योजना

प्रोग्राम ऑफिसर : श्री बलवंत सिंह **छात्र प्रतिनिधि : यशोदा शर्मा**

कॉलेज की एन.एस.एस. इकाई (2022-23) द्वारा इस सत्र में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। भारतीय संस्कृति में 'निर्जला एकादशी' के दिन सेवा-भाव का विशेष महत्व है। इसी परंपरा के अंतर्गत दिनांक 28

जून को मीठा शरबत पिलाने का प्रयास कॉलेज के बाहर वालंटियर्स द्वारा किया गया। एन.एस.एस. इकाई (2022-23) द्वारा 26 जुलाई, 2022 को 'कारगिल युद्ध' के शहीदों की स्थली 'राष्ट्रीय युद्ध स्मारक' पर पहुँचकर उनकी कुर्बानियों का स्मरण किया गया । 6 अगस्त को 'आजादी का अमृत महोत्सव' व 'हर घर तिरंगा' के अवसर पर महाविद्यालय-प्रांगण व निकट के क्षेत्र में तिरंगा वितरित किया गया व एक निबंध-लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई । एनएसएस के कैडरों ने पंजाबी बाग (पश्चिम) में 'हीरो-मोटोकॉर्प' द्वारा आयोजित 'यातायात जागरूकता कार्यक्रम' में भाग लिया । 'हर घर तिरंगा' सप्ताह (20 अगस्त) के अंतर्गत नेहरू नगर में तिरंगा-रैली व स्वच्छता-अभियान के साथ-साथ सराय काले खां के प्राथमिक विद्यालय में वृक्षारोपण अभियान चलाया । दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'तिरंगा रैली 'में भाग लिया । 'हुमायूँ मकबरे' में 13 अगस्त, 2022 स्वच्छता-अभियान-सप्ताह का समापन किया गया। 14 अगस्त को खेल-मंत्रालय द्वारा आयोजित 'युवा संवाद' में भाग लिया। 28 अगस्त को खेल-दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताएं करवायी गयीं और छात्रों को प्रमाण-पत्रों से सम्मानित किया गया । स्वयंसेवकों ने 1 सितंबर को 'स्वच्छता-प्रतिज्ञा' ली । संगठन ने 10 सितंबर को एंटी ड्रग समिति के साथ मिलकर 'नशा मुक्त भारत अभियान' पर व्याख्यान आयोजित किया । डॉ.अनुपम वर्मा एवं कु. साबिका अहमद ने कई महत्वपूर्ण बिंदु स्वयंसेवकों के साथ साझा किए। स्वयंसेवकों द्वारा 12 सितंबर को कुलपति कार्यालय में शहीद भगत सिंह जी के 'हिरासत कक्ष' का दौरा किया गया। इसी दिन नेहरू नगर की झुग्गी-बस्ती में रैली भी निकाली गयी । 25 सितंबर को महाविद्यालय में झुग्गी के बच्चों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। 29 सितंबर को मयूर विहार फेज-1 की झुग्गी बस्तियों के निवासियों के रहन-सहन पर एक सर्वेक्षण किया गया। कॉलेज में 2 अक्तूबर को "स्वच्छता पखवाड़ा' व 'स्वतंत्रता दौड़' का आयोजन किया गया। 'दीप से दीप जले' दिवाली पर्व 24 अक्टूबर को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महाविद्यालय के यूनिट ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया तथा केंद्रीय मंत्री श्री अनुराग ठाकुर द्वारा चलाए गए स्वच्छता अभियान में अपनी भागीदारी की । स्वयंसेवकों और प्रोजेक्ट-पाठशाला के विद्यार्थियों ने 'राष्ट्रीय एकता दिवस' 31अक्टूबर पर 'एकता शपथ' के माध्यम से अपने राष्ट्र की दृढ़ता का वचन लिया। 6 नवंबर को विद्यार्थियों व पाठशाला के बच्चों के साथ 'राष्ट्रीय एकता दिवस' को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। 'इंडियन ऑयल' के सहयोग से 10 नवंबर को 'सतर्कता सप्ताह' के अंतर्गत वर्चुअल माध्यम से वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजयी विद्यार्थियों को 'सतर्कता अधिकारियों' द्वारा सर्टिफिकेट एवं पुरस्कार राशि प्रदान की गई। 'बाल दिवस' 14 नवंबर के अवसर पर स्वयंसेवकों ने वंचित बच्चों को बिस्कुट, टॉफी, कलर्स, आदि वस्तुएं भेंट की तथा कॉलेज के नजदीक झुग्गी में रहने वाले बच्चों में वितरित करके 'बाल दिवस' मनाया । 24 दिसंबर को सोसायटी आफ इंटरनेशनल लॉ सभागार में अटल फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य, गीत और कविताओं के माध्यम से पाठशाला के बच्चों द्वारा कलात्मक प्रदर्शन किया गया। विद्यार्थियों द्वारा 28 जनवरी को 'राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय' का दौरा किया गया । 16-17-18 फरवरी को प्रोजेक्ट-खुशी के अंतर्गत स्वयंसेवकों ने अपने घरों से वस्त्र-भोजन लाकर लाजपत नगर में जरूरतमंदों में वितरित किए। 25 फरवरी को आइक्यूएसी, मातृभाषा प्रकोष्ठ, युवा, डब्ल्यू यू एस के संयुक्त तत्वावधान में "भाषाई विविधता में एकता हमारी पहचान" विषय पर पाठशाला के बच्चों और स्वयंसेवकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रो. रवींद्र कुमार गुप्ता सर व मुख्य अतिथि डॉ. लोकेश गुप्त जी ने विद्यार्थियों के समक्ष अपने विचार प्रकट किए । ज्ञानवर्धक यात्रा के अंतर्गत 'प्रधानमंत्री संग्रहालय' 26 मार्च, 2023 को दौरा किया गया। इस दौरान प्रशासनिक दस्तावेज, दुर्लभ फोटोग्राफ एवं महत्वपूर्ण आयामों को स्वयंसेवकों ने जाना। वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री के साथ एक सेल्फी भी ली गई।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (N.C.C.)

ए. एन. ओ. लेफ्टिनेंट हरि प्रताप सिंह **एस.यू.ओ. : अक्षत द्विवेदी और रिया मिश्रा**

लेफ्टिनेंट हरि प्रताप के मार्गदर्शन में 3 PGDAV COY. द्वारा कॉलेज में एकता और अनुशासन का प्रतीक झंडा ऊंचा रखा गया। एसयूओ अभिषेक चौहान के नेतृत्व में कैडेटों ने एनसीसी की विभिन्न गतिविधियों और शिविरों में भाग लिया। सभी कैडेटों ने 21 जून, 2021 को "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" के अवसर पर योग और विभिन्न आसनों को करते हुए वीडियो बनाकर इसके लाभों के बारे में जागरूकता फैलायी व स्वास्थ्य के लिए योग (Yoga for wellness) के संदेश को प्रसारित किया। 3 PGDAV COY के एस.डी. और एस. डब्ल्यू. के द्वारा जुलाई माह में NCC डिजिटल फोरम के लिए लेख, कविताएँ और वीडियो बनाए गए। 1 अगस्त से 15 अगस्त 2022 के बीच 3 PGDAV COY के 12 कैडेट्स ने CM रैली कैंप में भाग लिया, साथ ही प्राचार्य के मार्गदर्शन में 13 अगस्त से 15 अगस्त 2022 के बीच महाविद्यालय और आस पास हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाया। इसके साथ-साथ कॉलेज प्राचार्य और कैडेट्स ने तिरंगा कलेक्शन मूवमेंट में भी भाग लिया। एक कैडेट ने 12 सितंबर से 20 सितम्बर 2022 तक एन सी सी मुख्यालय दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय थल सैनिक शिविर में भी भाग लिया। इसके आलावा 25 अक्टूबर से 5 नवम्बर 2022 को होने वाले आर्मी अटैचमेंट कैंप में 28 कैडेट्स ने भाग लिया। 10 एस डी कैडेट्स ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' शिविरों के आयोजन में भी हिस्सा लिया और पोस्टर मेकिंग जैसी गतिविधियों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

ईबीएसबी	दिल्ली	3 अगस्त-15 अगस्त, 2022	कैडेट हरि ओम
ईबीएसबी	दिल्ली	7 अक्टूबर से14 अक्टूबर, 2022	6 कैडेट्स
ईबीएसबी	जे एण्ड के	11 अक्टूबर-20 अक्टूबर, 2022	4 कैडेट्स

ट्रेकिंग कैम्पों के अंतर्गत 29 मई से 5 जून, 2022 को AMARKANT ट्रेकिंग कैंप, यू पी ट्रेकिंग कैंप, 7 नवंबर से 14 नवम्बर, 2022, शिवाजी ट्रेकिंग कैंप 18नवंबर से 25 नवम्बर2022 का आयोजन किया और कैडेट्स ने उनमें सक्रिय भाग लिया। 2 कैडेट्स ने ADVANCE LEADERSHIP CAMP में भाग लिया। 18 दिसंबर से 27 दिसंबर, 2022 के बीच एक कैडेट ने INDIAN MILITARY ACADEMY ATTACHMENT CAMP में भाग लिया, 10 जनवरी से 26 जनवरी के बीच 2 कैडेट्स ने CM RALLY CAMP में भाग लिया।

1 दिसंबर से 29 जनवरी के बीच से 3 कैडेट्स ने PRIME MINISTER RALLY CAMP में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और 5 कैडेट्स ने इसमें भाग लिया। कम्पनी द्वारा 7 अक्टूबर, 2022 को Plantation Drive Organize की गई, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल पी. एम. सिंह जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। 14 मार्च 2022 को 3 PGDAV COY ने राजधानी कॉलेज में SQUAD DRILL COMPETITION IN GREEN BERETS में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। Earth Day Awareness Week के अंतर्गत18 अप्रैल, 2023 को लेफ्टिनेंट कर्नल गगनदीप सिंह ने कैडेट्स की ट्रेनिंग को देखने के लिए 3 PGDAV COY का निरीक्षण किया और उन्हें प्रोत्साहित किया। इसी अवसर पर प्राचार्य जी, हरि प्रताप जी और डॉ.मयंक पाण्डेय ने महाविद्यालय की वाटिका में वृक्षारोपण किया। शैक्षणिक सत्र 2022-23 से महाविद्यालय में नई शिक्षा नीति के तहत N.C.C को Value Added Courses में विषय के रूप में शामिल किया गया है।

हर घर तिरंगा अभियान के सफल आयोजन के पश्चात कॉलेज में तिरंगा कलेक्शन ड्राइव के तहत राष्ट्रीय झंडे को इकट्ठा किया गया और उसे कॉलेज में सम्मानपूर्वक सहेजा गया।

कॉलेज कैडेट कोर 'संकल्प' SANKALP (सी. सी. सी.)

संयोजक : श्री मनोज कुमार **छात्र प्रतिनिधि : ऋषभ शर्मा एवं उर्वशी यादव**

कॉलेज संस्था 'संकल्प'-College Cadet Corps आन्तरिक निकाय के रूप में छात्रों को राष्ट्रीय कैडेट कोर के अनुरूप शारीरिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह उन छात्रों के लिए है जो NCC में शामिल नहीं हो पाते। इस वर्ष, संकल्प-कॉलेज कैडेट कोर की गतिविधियाँ केवल राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) के समकक्ष पारंपरिक शारीरिक प्रशिक्षण तक ही सीमित नहीं थीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक शिक्षण की प्रक्रियाओं में सक्रिय थी। समिति ने औद्योगिक संयंत्र का दौरा किया और सामूहिक वृक्षारोपण अभियान चलाया। संकल्प ने 21 जून, 2022 को कॉलेज ग्राउंड में सुबह 8 बजे 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' मनाने के लिए एनसीसी, एनएसएस और गांधी स्टडी के साथ सहयोग किया। संकल्प और SAVI ने संयुक्त रूप से 4 अगस्त, 2022 को कॉलेज सभागार में फिजिकल मोड में वार्षिक समारोह 'पहल 2022' का आयोजन किया। 16 सितंबर 2022 को, संकल्प भारतीय प्रदूषण नियंत्रण संघ (IPCA) के प्लास्टिक रीसाइक्लिंग प्लांट, प्लॉट नंबर 66, इको टेक 12, ग्रेटर नोएडा (पश्चिम) (यूपी) के औद्योगिक दौरे में शामिल हुआ, जिसे पर्यावरण समिति, अपशिष्ट प्रबंधन समिति ने संयुक्त रूप से आयोजित किया था। SAVI, एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्किल डेवलपमेंट सेल, ENACTUS, इंडस्ट्री इंस्टीट्यूशन इंटरेक्शन सेल (IIIC) और नेशनल इनोवेशन एंड स्टार्टअप पॉलिसी (NISP) व संकल्प ने 6 नवंबर 2022 को ग्रेटर नोएडा (पश्चिम) में सुबह 9 : 30 बजे से सामूहिक वृक्षारोपण अभियान चलाने के लिए सृष्टि और जलाधिकार फाउंडेशन के साथ सहयोग किया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022 के अवसर पर संकल्प ने एसएवीआई, आईक्यूएसी और एथेना ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के साथ मिलकर कॉलेज परिसर में दो स्तरीय इंटर कॉलेज क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया। अंत में, एनसीसी के साथ सभी शारीरिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए।

सेवी

(SAVI Student Association for Verbal Interaction) **संयोजक : डॉ. मयंक पांडेय**

इस विद्यार्थी समूह की शुरुआत प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता (संरक्षक) और डॉ. एस. सी. शर्मा (संयोजक) के संयुक्त निर्देशन में दो विद्यार्थियों के द्वारा 2016 में की गयी थी। सवी (SAVI) कॉलेज की एक महत्त्वपूर्ण पहल है जिसमें विद्यार्थी अपनी शब्दावली, व्यक्तित्व विकास और समसामयिक मुद्दों को आधार बनाकर अपनी कक्षाओं का संचालन करता है। इस समय SAVI से जुड़े विद्यार्थियों की संख्या लगभग 30-35 के बीच है। इसके सदस्यों की चयन प्रक्रिया व्यक्तिगत साक्षात्कार पर आधारित होती है, जो वरिष्ठ छात्रों द्वारा आयोजित की जाती है। SAVI के द्वारा विभिन्न अंत : महाविद्यालय और अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। पहल 2022 SAVI और संकल्प ने संयुक्त रूप से 4 अगस्त, 2022 को दोपहर 12 : 00 बजे से कॉलेज के सभागार में फिजिकल मोड में वार्षिक समारोह का आयोजन किया। प्रो.आर.के. गुप्ता, डॉ. एस. सी. शर्मा (संस्थापक संयोजक, SAVI और संकल्प) और प्रो. हरीश अरोड़ा (पूर्व संयोजक, संकल्प) ने श्रोताओं को संबोधित किया। बाद में, SAVI और संकल्प के छात्र प्रतिनिधियों ने अपनी गतिविधियों और उपलब्धियों को

प्रस्तुत किया। शहीद-ए-आज़म भगत सिंह को दिल्ली विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर कार्यालय वाइस-रीगल लॉज में एक भूमिगत कमरे में रखा गया था। 14 सितंबर, 2022 को SAVI, सृष्टि, एनसीसी और एनएसएस के छात्रों ने डॉ. मयंक पांडे, संयोजक, एसएवीआई और सृष्टि श्री बलवंत सिंह कार्यक्रम अधिकारी, एनएसएस और श्री हरि प्रताप, एनसीसी के मार्गदर्शन में भगत सिंह सेल और विश्वविद्यालय के संग्रहालय का भी भ्रमण किया। इंडियन पोल्यूशन कण्ट्रोल एसोसिएशन (आईपीसीए) के ग्रेटर नोएडा (पश्चिम) स्थित प्लास्टिक रीसाइक्लिंग प्लांट का औद्योगिक दौरा संयुक्त रूप से पर्यावरण समिति, अपशिष्ट प्रबंधन समिति, स्टूडेंट्स एसोसिएशन फॉर वर्बल इंटरेक्शन (SAVI), उद्यमिता और कौशल विकास सेल, ENACTUS, उद्योग संस्थान इंटरैक्शन सेल (IIIC) और राष्ट्रीय नवाचार और स्टार्टअप नीति (NISP) द्वारा 16 सितंबर, 2022 को आयोजित किया गया। SAVI ने आईक्यूएसी, संकल्प, एथेना और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से सतर्कता व जागरूकता सप्ताह 2022 के अवसर पर दो स्तरीय इंटर कॉलेज क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रो. आर.के. गुप्ता, प्राचार्य और श्री भरत जैन, सतर्कता अधिकारी, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने छात्रों को संबोधित किया। शीर्ष तीन विजेताओं को सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया द्वारा पुरस्कार राशि दी गई तथा स्वयंसेवकों, प्रतिभागियों और विजेताओं के लिए कॉलेज द्वारा ई-प्रमाण पत्र जारी किए गए।

कोविड-19 टास्क फोर्स कमेटी **संयोजक : प्रो. बासुकी नाथ चौधरी**

कोविड-19 वैश्विक महामारी के प्रभावों को देखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा निर्गत आदेशानुसार पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) ने "कोविड-19 टास्क फोर्स कमेटी" का गठन वर्ष 2020 में किया। इस कमेटी का गठन प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में किया गया। प्रो. बी. एन. चौधरी को कमेटी का संयोजक एवं महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकों को कमेटी का सदस्य बनाया गया। "कोविड-19 टास्क फोर्स कमेटी" ने कोरोना महामारी के कारण उपजी प्रशासनिक, शैक्षणिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का अध्ययन किया एवं उनसे निपटने के लिए उचित कदम उठाए। महाविद्यालय में फिर से फिजिकल मोड में पाठ्यक्रम की शिक्षा शुरू होने से पहले "कोविड-19 टास्क फोर्स कमेटी" के द्वारा कोरोना वायरस के प्रभाव से बचाव एवं कोविड प्रोटोकॉल की जानकारी एवं सूचना प्रदान करने के लिए एक ओरियंटेशन प्रोग्राम रखा गया। इस प्रोग्राम में लगभग 150 लोग (विद्यार्थी, शिक्षक एवं गैर शिक्षण सदस्य) उपस्थित हुए। कमेटी के संयोजक प्रो. बी. एन. चौधरी ने वहाँ उपस्थित सभी लोगों को कोविड-19 से संबंधित सभी सूचनाएँ एवं कोरोना वायरस से बचाव के लिए दिशा-निर्देश देते हुए टीकाकरण अभियान के बारे में भी जानकारी दी। "कोविड-19 टास्क फोर्स कमेटी" ने गृह मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, यू. जी. सी., दिल्ली सरकार और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर जारी की गई कोरोना से संबंधित एडवाइजरी को महाविद्यालय में लागू किया और शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्रों को भी ई-मेल के माध्यम से सूचित किया गया। कोरोना महामारी के दौरान कोई भी विद्यार्थी प्रतिकूल परिस्थिति के कारण अपनी पढ़ाई बीच में नहीं छोड़े, इसके लिए "कोविड-19 टास्क फोर्स कमेटी" ने कई प्रयास किए। इसी क्रम में जिन विद्यार्थियों ने कोरोना महामारी के कारण अपने माता-पिता को खो दिया, उन विधार्थियों को कमेटी ने महाविद्यालय के सहयोग से कई प्रकार की सुविधाएं प्रदान की जैसे-वैश्विक महामारी COVID-19 की त्रासद परिस्थितियों एवं प्रकोप का सामना करने एवं उस समय की विषम परिस्थितियों से निपटने के लिए PGDAV कॉलेज सांध्य ने वर्ष 2020 में एक "Covid-19 टास्क फोर्स" का गठन किया था ताकि शैक्षणिक गतिविधियों को बनाए रखा जा सके। इसका मुख्य उद्देश्य था कि छात्रों, शिक्षक सदस्यों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए उन्हें सुरक्षा प्रदान की जाए

और कोविड 19 प्रोटोकॉल के बारे में उन्हें जागरूक भी किया जा सके। इसके साथ-साथ महामारी के कारण छात्र ड्रॉपआउट को कम किया जा सके। इस संबंध में प्राचार्य प्रो. रवींद्र कुमार गुप्ता जी और कोविड19 टास्क के संयोजक प्रो.बासुकी नाथ चौधरी जी ने इन विषम परिस्थितियों से जूझने के लिए अनेक प्रकार के कार्य एवं उपाय किए। जैसे जिन छात्रों ने इस महामारी के कारण अपने माता-पिता को खो दिया, उन्हें लैपटॉप वितरित किए गए। उन्हें मासिक रूप से 3000 रु की राशि के साथ-साथ निःशुल्क मेट्रो/बस पास की सुविधा, मुफ्त स्टेशनरी, शुल्क में छूट और पूरे सेमेस्टर के लिए पुस्तकें प्रदान की गई। सभी आयु वर्ग के लिए मुफ्त कोविड 19 टीकाकरण किया और बूस्टर डोज की सुविधा भी प्रदान की गई। समिति ने पूरे परिसर का समय-समय पर सैनिटाइजेशन भी करवाया। कमेटी के द्वारा सफलतापूर्वक किए गए सभी कार्यक्रम एवं योजनाओं का श्रेय हमारे प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र कुमार गुप्ता जी को जाता है, जिनके मार्गदर्शन एवं सुझावों के कारण ही यह सब संभव हो पाया। हम आभारी है महाविद्यालय के गैर-शिक्षण सदस्यों के प्रति जिन्होंने कमेटी के प्रत्येक कार्यक्रम में योगदान दिया।

एनपीएस समिति — संयोजक : डॉ. हरि प्रताप

एनपीएस समिति ने इस योजना के तहत कर्मचारियों की शिकायतों और प्रश्नों को संबोधित करने के लिए साल भर काम किया। 18 फरवरी, 2023 को एनपीएस समिति ने शिक्षक कल्याण समिति और आईक्यूएसी के सहयोग से "धन निर्माण के लिए सभी निवेशों का संपीड़न" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार का आयोजन वेतनभोगी व्यक्तियों के लिए सर्वोत्तम निवेश विकल्पों के साथ-साथ सेवानिवृत्ति समाधानों को ध्यान में रखते हुए किया गया था। वेबिनार में श्री विजय कौशिक विषय विशेषज्ञ थे। वेबिनार में कॉलेज के टीचिंग और नॉन-टीचिंग सदस्यों ने भाग लिया। एनपीएस समिति के संयोजक डॉ. हरि प्रताप ने वक्ता का दर्शकों से परिचय कराया। श्री कौशिक ने पूरे सत्र के दौरान दर्शकों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की और बाद में कॉलेज परिसर में ऑफ़लाइन बातचीत का वादा किया। सत्र का संचालन शिक्षक कल्याण समिति के संयोजक डॉ. नीतीश बागड़ी ने किया और सुश्री प्रियंका चटर्जी, सदस्य, एनपीएस समिति द्वारा औपचारिक धन्यवाद के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

अपशिष्ट प्रबंधन समिति — संयोजक : डॉ. मयंक पांडेय

अपशिष्ट प्रबंधन समिति कॉलेज परिसर में उत्पन्न अपशिष्ट कागज़, प्लास्टिक, खाद्य और जैविक तथा ई-कचरा का प्रबंधन एवं निस्तारण करती है। कॉलेज ने प्रभावी अपशिष्ट कागज़ के प्रबंधन के लिए 'जागृति' अपशिष्ट पेपर रीसाइक्लिंग से करार किया है। स्वर्ण लता मदरसन ट्रस्ट द्वारा सीएसआर फंड के तहत आईपीसीए द्वारा प्रदान किए गए दो 'एरोबिन' कंपोस्टर कॉलेज परिसर के भीतर स्थापित किए गए हैं। कंपोस्टरों का उद्घाटन 7 सितंबर, 2022 को प्रो. आर.के. गुप्ता (प्राचार्य) श्री शैलेंद्र कुमार सिंह, (एडीएम दक्षिण-पूर्वी दिल्ली), डॉ. राधा गोयल, (उप निदेशक, आईपीसीए) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इन कंपोस्टरों का इस्तेमाल खाने के कचरे को खाद में बदलने के लिए किया जाएगा। टीम आईपीसीए ने छात्रों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए एक नाटक का मंचन भी किया। हाउस कीपिंग स्टाफ को ठोस कचरा प्रबंधन के बारे में जागरूक करने के लिए एक कार्यशाला भी आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन पर्यावरण समिति और कचरा प्रबंधन समिति द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। इंडियन पोल्यूशन कण्ट्रोल एसोसिएशन (आईपीसीए) के ग्रेटर नोएडा (पश्चिम) स्थित प्लास्टिक रीसाइक्लिंग प्लांट का औद्योगिक दौरा संयुक्त रूप से पर्यावरण समिति, अपशिष्ट प्रबंधन समिति, स्टूडेंट्स एसोसिएशन फॉर वर्बल इंटरेक्शन (SAVI), उद्यमिता और कौशल विकास सेल, ENACTUS, उद्योग संस्थान

इंटरैक्शन सेल (IIIC) और राष्ट्रीय नवाचार और स्टार्टअप नीति (NISP) द्वारा 16 सितंबर, 2022 को आयोजित किया गया। कॉलेज ने इंडियन पोल्यूशन कण्ट्रोल एसोसिएशन (आईपीसीए) के साथ मिलकर कॉलेज परिसर में जैविक खेती का कार्य भी शुरू किया है। जैविक खेती के लिए एरोबिन और पिट कंपोस्टिंग द्वारा उत्पादित खाद का उपयोग किया जा रहा है।

कॉलेज में बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट (रसोई का कचरा, बचा हुआ भोजन, बागवानी अपशिष्ट आदि) को कम्पोस्ट पिट और एरोबिन का उपयोग करके खाद में परिवर्तित किया जाता है। वर्तमान में 350-400 किग्रा (लगभग) कम्पोस्ट बन चुकी है, जिसका उपयोग बागवानी में खाद के रूप में किया जाता है। साथ ही, WMC और ENACTUS ने संयुक्त रूप से खाद के गड्ढों में बने खाद के पैकेट (5 किलो प्रत्येक) बनाने के लिए एक साथ आए और पैकेट को शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों, छात्रों और बाहरी लोगों को अत्यधिक रियायती दर (30 रुपये प्रति किलो) पर बेचा गया। एक बड़ा उपभोक्ता होने के कारण कॉलेज नियमित रूप से दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के साथ वार्षिक ई-कचरा रिटर्न दाखिल करता है। कॉलेज ने मई 2022 में भी वर्ष 2021-22 के लिए ई-कचरा रिटर्न दाखिल किया। पेपर वेस्ट रिसाइक्लिंग सर्विसेज ने कॉलेज कैंपस से 440 किलोग्राम पेपर वेस्ट को रिसाइकिल करने के लिए एकत्र किया और कॉलेज को ए 4 शीट रीम्स और रिसाइक्लिंग सर्टिफिकेट प्रदान किया। सृष्टि-पर्यावरण सोसायटी के छह छात्र सदस्यों ने भारतीय प्रदूषण नियंत्रण संघ (आईपीसीए) के साथ अपना इंटर्नशिप असाइनमेंट सफलतापूर्वक पूरा किया। इंटर्नशिप की अवधि 5 सितंबर, 2022 से 5 नवंबर, 2022 (दो माह) थी। छात्रों को प्रति माह 3000 रुपये का वजीफा भी दिया जाता था।

अनुशासन समिति — संयोजक : डॉ. हरि प्रताप

अनुशासन समिति महाविद्यालय की सभी गतिविधियों के सुचारू संचालन से संबंधित एक महत्वपूर्ण घटक होती है। महाविद्यालय किसी भी छात्र के जीवन में अनुशासन को सर्वोच्च स्थान देता है। महाविद्यालय की प्रसिद्धि मुख्य रूप से छात्रों के व्यवहार पर निर्भर करती है। प्रत्येक पंजीकृत छात्र को कॉलेज के आंतरिक नियमों और विनियमों का पालन करना होता है, उनकी निगरानी के लिए ही इस समिति का गठन किया जाता है। डॉ. हरि प्रताप के समन्वय में अनुशासन समिति ने परिसर में सभी छात्रों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखी। नियमित रूप से बैठक कर अनुशासन भंग से संबंधित मामलों पर चर्चा की और तदनुसार त्वरित कार्रवाई भी की। इसके अलावा, अनुशासन समिति ने इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान आयोजित कॉलेज के सभी कार्यक्रमों के दौरान समग्र अनुशासन बनाए रखा जिससे कार्यक्रमों की सफलता निसंदेह रही।

बिजली, पानी और स्वच्छता समिति (लाइट, वाटर एंड सेनिटेशन) — संयोजिका : डॉ. राजकुमारी पाण्डेय

लाइट, वाटर एंड सेनिटेशन समिति का गठन विद्यार्थियों को जल, विद्युत और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए किया गया है। वर्ष 2022-23 में समिति के सदस्यों ने समय-समय पर कॉलेज परिसर का निरीक्षण किया और अपनी रिपोर्ट जमा की। समिति ने 28-29 मार्च 2023 को विद्यार्थियों द्वारा कॉलेज परिसर में जागरूकता अभियान चलाया। कई समितियों के साथ मिलकर 15 अप्रैल, 2023 को समिति द्वारा स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग समिति **संयोजिका : डॉ. ईशा वर्मा**

ईडब्ल्यूएस समिति का उद्देश्य छात्रों को वित्तीय सहायता देना है ताकि वे अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को पूरा करने में सक्षम हो सकें। 31 जनवरी, 2023 की अंतिम समय सीमा के साथ शुल्क रियायत के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे। शुल्क रियायत के लिए विद्यार्थियों की पात्रता के मानदंड उपस्थिति, अकादमिक रिकॉर्ड, एवं पाठ्येतर गतिविधियाँ रखी जाती हैं। छात्रों को निम्नलिखित विषयों के आधार पर तीन अलग-अलग साक्षात्कार बोर्डों में विभाजित किया जाता है। क) वाणिज्य (ऑनर्स और प्रोग्राम), बी) बीए (ऑनर्स); ग) बीए (प्रोग)। इस वर्ष 92 छात्र साक्षात्कार के लिए उपस्थित हुए और शुल्क रियायत के लिए उनकी सिफारिश की गई। सशस्त्र सेना के व्यक्तिगत वार्डों के कुल 10 छात्रों का साक्षात्कार लिया गया और उन्हें शुल्क में सौ प्रतिशत रियायत दी गई।

समर्थ-प्रतियोगी परीक्षा समिति **संयोजक : डॉ. परमीत सिंह**

सोसाइटी 'समर्थ' के सदस्यों ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्रों की मदद व सहयोग करने के लिए वर्ष भर अनेक गतिविधियों का आयोजन किया, जिसमें वाद-विवाद, समूह चर्चा, और प्रस्तुतियां शामिल हैं। समिति के सदस्यों ने विभिन्न विषयों पर सामूहिक चर्चाओं का आयोजन किया जिनमें 17 सितंबर करंट अफेयर्स पर चर्चा, 20 सितंबर पर्वत शृंखलाओं का परिचय, 24 सितंबर भारत में विभिन्न नदियाँ, 26 सितंबर हिंदी साहित्य सभा के सहयोग से कार्यक्रम, 28 सितंबर एक बहस प्रतियोगिता इंट्रा-कॉलेज-घर से काम करना भविष्य के लिए एक स्वागत योग्य कदम मुख्य रहीं। आगे चलकर समिति ने 5 अक्टूबर बैंकों पर चर्चा, 14 अक्टूबर लोकतंत्र के चौथा स्तंभ के रूप में भारतीय मीडिया की भूमिका पर बहस, 17 अक्टूबर समाचार पत्र और वर्तमान मामलों की चर्चा, 21 अक्टूबर ईडब्ल्यूएस आरक्षण के बारे में चर्चा, 25 अक्टूबर महिला प्रतिनिधित्व विधेयक पर चर्चा, 29 अक्टूबर समाचार पत्र चर्चा की। नवंबर माह में 1 नवंबर वैश्विक राजनीति पर सामान्य चर्चा, 10 नवंबर सीनियर फैकल्टी आईएएस चाणक्य इंस्टीट्यूट के साथ ऑनलाइन मोड में कार्यक्रम आयोजित किया। वर्ष 2023 के शुरू में 2 जनवरी से 10 जनवरी तक प्रथम वर्ष के छात्रों की भर्ती प्रक्रिया आयोजित की तथा 14 जनवरी को नए छात्रों के लिए स्वागत समारोह किया। चर्चाओं की इस शृंखला को जारी रखते हुए समिति ने 17 जनवरी: संविधान और इसका महत्व, 21 जनवरी मौलिक अधिकार वर्ग, 24 जनवरी एफआर और डीपीएसपी पर चर्चा, 28 जनवरी भारत में एफएचईआई के परिसरों की स्थापना पर बहस, 30 जनवरी भारत में कार्यकारी और संसदीय कार्यकारी प्रणाली पर चर्चाएं की। फरवरी माह में बजट पेश होने पर 4 फरवरी 'बजट एक नजर में ' पर चर्चा की और 6 फरवरी कॉलेज में "मॉक जी 20 शिखर सम्मेलन" कार्यक्रम का आयोजन किया। 9 फरवरी करंट अफेयर्स पर चर्च, 11 फरवरी 'संसदीय सत्र' पर चर्चा की।

24 सितम्बर, 2022 को हिंदी साहित्य सभा तथा समर्थ समितियों ने क्विज एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। 12 नवंबर, 2022 को "सिविल सेवा परीक्षा को क्रैक करने के लिए रणनीतियाँ" पर वेबिनार करवाया जिसमें चांदनी मूचंदानी(चाणक्य आईएएस अकादमी)वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। समिति ने 27 मार्च, 2023 को कॉमर्स एसोसिएशन, वाणिज्य विभाग, आईक्यूएसी, करियर गाइडेंस कमेटी और जंबूरी (Jamboree) के सहयोग से 'ए पाथवे टू सक्सेस' विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया। "समर्थ" का वार्षिक कार्यक्रम 'लक्ष्य 20 अप्रैल, 2023 को दृष्टि आईएएस के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दो सत्र रखे गये। प्रतियोगिताओं का आयोजन पहले सत्र में किया गया और 'प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मास्टरिंग स्ट्रेटेजीज' पर दूसरा सेमिनार हुआ। इस कार्यक्रम में 260 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

फीडबैक रिपोर्ट समिति

संयोजक : श्रीमती उदिता, श्री आदित्य प्रताप सिंह

पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) 2015-2016 सत्र से दोनों सेमेस्टर (Odd और Even) के लिए विद्यार्थियों से फीडबैक ले रहा है। एक सेमेस्टर में लिखित रूप से फीडबैक लेने के बाद पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया गया है। सेमेस्टर जनवरी-मई, 2016 के लिए पहली बार ऑनलाइन फीडबैक लिया गया था, तब से यह प्रक्रिया जारी है। प्रत्येक सेमेस्टर में कम से कम 50% उपस्थिति वाले विद्यार्थियों के फीडबैक का ही विश्लेषण किया जाता है। कॉलेज ने गत वर्ष अभिभावकों एवं नियोक्ताओं से फीडबैक लेना प्रारंभ किया था और इस वर्ष से पूर्व विद्यार्थियों से भी फीडबैक लेना प्रारंभ कर दिया है। इनके विश्लेषण का कार्य भी अंतिम पड़ाव पर है। जुलाई-नवंबर 2021 तक के सभी फीडबैक का विश्लेषण किया जा चुका है एवं इसका विवरण IQAC तथा संबंधित शिक्षकों के साथ साझा भी किया जा चुका है। जनवरी 2022 से दिसंबर 2022 तक के सभी फीडबैक छात्रों से एकत्रित किये जा चुके हैं। जनवरी 2022 के बाद प्राप्त हुए फीडबैक विश्लेषण का कार्य प्रक्रियाधीन है और बहुत जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

ई-वॉल -मैगज़ीन समिति

संयोजिका: डॉ. कामिनी रावत

ई-वॉल-मैगज़ीन समिति एक विभागीय समिति है। इस समिति के सदस्यों ने मासिक रूप से वॉल-मैगज़ीन को फिजिकल रूप में और ई-वॉल-मैगज़ीन को ऑनलाइन मोड में अपडेट किया। प्रत्येक विभाग के विद्यार्थी वालंटियर्स ने उस विभाग से संबधित सामग्री चित्रों, लेखों, नवीनतम समाचारों के माध्यम से उपलब्ध करवाई, जिन्हे विभागीय होम-पेज के E-Wall Magazine टैब पर और वॉल-मैगज़ीन पर डाला जाता है।

शिक्षक कल्याण समिति

संयोजक : डॉ. नीतीश बागड़ी

10 दिसंबर, 2021 को IQAC, कॉमर्स एसोसिएशन और विद्या विस्तार योजना के सहयोग से "आयकर रिटर्न की ई-फाइलिंग" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। 12 मार्च, 2022 को कॉलेज स्टाफ रूम में वास्तविक पौधे लगाए गए। 10 जून, 2022 को स्टाफ रूम में नोटिस बोर्ड लगाया गया। 21 जून, 2022 को शिक्षक कल्याण समिति ने योग क्लब के साथ मिलकर वार्षिक उत्सव "शास्वत" का आयोजन किया। 8 अगस्त, 2022 को फैकल्टी वॉशरूम से सटे स्टाफरूम में एक सीनरी लगाई गई। शिक्षक कल्याण समिति ने 5 सितंबर, 2022 को कॉलेज के छात्रों द्वारा सभी शिक्षकों के चंदन तिलक समारोह के साथ "शिक्षक दिवस" मनाया। एनपीएस समिति और आई क्यू ए सी के सहयोग से शिक्षक कल्याण समिति ने 18 फरवरी, 2023 को "धन निर्माण के लिए सभी निवेशों का संपीड़न" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। 7 अप्रैल, 2023 को शिक्षक कल्याण समिति ने स्टाफ रूम के प्रवेश द्वार पर कृत्रिम पौधे लगाए। शिक्षक कल्याण समिति ने 19 अप्रैल 2023 को एक कार्यक्रम (सहज योग) के आयोजन में योग क्लब के साथ सहयोग किया।

कैंटीन समिति

संयोजक : आदित्य प्रताप सिंह

कॉलेज की कैंटीन कमेटी के सदस्य महीने में दो बार कैंटीन में जाकर प्रबंधन, साफ-सफाई और वेस्ट फूड मैनेजमेंट की जांच करते हैं। कैंटीन प्रबंधक के साथ यह सुनिश्चित किया गया कि कैंटीन धूम्रपान मुक्त होनी चाहिए। कैंटीन केवल स्वस्थ, पौष्टिक और ताजा भोजन ही छात्रों एवं शिक्षकों को उपलब्ध कराएगी। कॉलेज कैंटीन में धूम्रपान और शराब पीना सख्त वर्जित हो। कैंटीन का खाना बनाने वाला स्थान साफ-सुथरा होना चाहिए। कैंटीन में कुर्सियों की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।

मेंटर-मेंटी समिति
संयोजिका : श्रीमती उदिता अग्रवाल

हमारा महाविद्यालय अपने विद्यार्थियों को एक आदर्श, तनावमुक्त वातावरण और उचित मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। इस क्रम में महाविद्यालय पिछले कई वर्षों से मेंटर-मेंटी व्यवस्था का अनुसरण कर रहा है, जिसमें छात्रों को अकादमिक के साथ-साथ गैर-शैक्षणिक समस्यायों के सन्दर्भ में भी परामर्श दिया जाता है। कॉलेज के विद्यार्थियों को छोटे-छोटे समूहों में बाँटा जाता है और प्रत्येक समूह को शिक्षण संकाय से मेंटर के रूप में एक सदस्य आवंटित किया जाता है। इस व्यवस्था के तहत, मेंटर-मेंटी सूची की जानकारी कॉलेज की वेबसाइट पर दो नोटिस के माध्यम से प्रदर्शित की जाती है, एक नोटिस शिक्षकों के लिए जिसमें विभागानुसार शिक्षक सूची में मेंटर्स के नाम के सामने उनके मेंटियों के कक्षा और रोल नंबर दिए जाते हैं और विद्यार्थियों के लिए नोटिस के साथ कक्षावार सूची के अनुसार मेंटर का नाम संलग्न किया जाता है। यह पूरी सूचना मेल द्वारा भी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को भेजी जाती है। विद्यर्थियों को मेंटर की mail ids की सूची भी भेजी जाती है। मेंटी का नाम, फोन नंबर, मेल आदि की सूची कॉलेज पोर्टल पर मेंटर के लिये उपलब्ध है। मेंटी के पोर्टल पर भी मेंटर की जानकारी उपलब्ध है। छात्राओं को किसी भी समस्या के लिये बिना संकोच किसी भी महिला शिक्षिका से संपर्क करने का परामर्श भी दिया जाता है। सत्र 2022-23 के लिए MENTOR-MENTEE अनुपात 38 है।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
संयोजिका : डॉ. अनीता बजाज

अकादमिक दृष्टि से वर्ष 2021-2022 कॉलेज के लिए पदोन्नति का वर्ष रहा। दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिकारियों को साधुवाद है कि उन्होंने वर्षों से पदोन्नति के लंबित मामलों को हल किया। हमारे कॉलेज में भी 23 शिक्षकों की लंबित पदोन्नति हुई, जिसमें हमारे प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता द्वारा निभाई गई भूमिका बेहद सराहनीय है। वर्ष 2021-2022 के दौरान सभी पदोन्नतियों के पीछे उनकी कर्मठता थी। 9 सहायक प्रोफेसरों को CAS-2018 के तहत स्टेज I से स्टेज II में पदोन्नत किया गया। 18 सहायक प्रोफेसरों को CAS-2018 के नियमानुसार II स्केल से III स्केल तक पदोन्नत किया गया। 14 सहायक प्रोफेसरों को एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया। हमारे 6 सहयोगियों को एक वर्ष के भीतर लगातार तीन प्रमोशन मिली। यह दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है कि पहली बार कॉलेज में प्रोफेसरशिप दी गई और इस प्रावधान के तहत कॉलेज के II एसोसिएट प्रोफेसरों को चयन समिति द्वारा प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया। प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत होने वाले शिक्षकों में क्रमशः 4 हिंदी विभाग से, 3 राजनीति विज्ञान से और 3 इतिहास शावखि शिक्षा विभाग से हैं।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (IQAC) राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा बनाया एक अनिवार्य वैधानिक निकाय है। IQAC साल भर कॉलेज समितियों की मदद से डेटा एकत्रित और विश्लेषण करके कॉलेज में होने वाली सभी गतिविधियों पर नज़र रखता है। सेल ने नियमित वार्षिक गतिविधियों के अलावा, इस वर्ष छात्रों, संकाय सदस्यों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए कई गतिविधियों का भी आयोजन किया। 25 जुलाई, 2022 को प्रकोष्ठ ने 'अभिव्यक्ति' और अन्य समितियों के सहयोग से 'युवा संसद बैठक 2022' का आयोजन किया। 14 सितंबर 2022 को रेड रिबन क्लब के सहयोग से "एचआईवी/एड्स को कम करने में युवाओं की भूमिका" पर एक वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम के बाद उसी विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी। 14.11.2022 को "सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022" के अवसर पर इंटर-कॉलेज क्विज प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए SAVI, संकल्प और एथेना के साथ सहयोग किया। सेल ने "शारीरिक शिक्षा

एवं खेल विभाग" एवं अन्य समितियों के सहयोग से दिनांक 28.11.2022 को "मिलेट्स फॉर हेल्थ एंड स्पोर्ट्स" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

शिक्षक कल्याण समिति के साथ मिलकर IQAC ने 18.02.2023 को "धन निर्माण के लिए सभी निवेशों का संपीड़न" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में श्री विजय कौशिक उपस्थित रहे। सेल ने 20.02.2023 को "देहदान है महादान" विषय पर एक बहुत ही प्रासंगिक वार्ता के लिए 'युवा' समिति को सहयोग किया, जिसमें मृत्यु के बाद शरीर दान करने के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। 'अभिव्यक्ति' (सम्प्रभु) और 'आईक्यूएसी' ने संयुक्त रूप से 21.02.2023 को "भारत की जी-20 प्रेसीडेंसी-बदलती दुनिया में नेतृत्व" पर एक वार्ता का आयोजन किया, जिसमें शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया। 27.2.2023 को 'वाणिज्य संघ', 'विद्या विस्तार योजना' और "बी.ए.(प्रोग्राम) समिति" द्वारा संयुक्त रूप से "जीएसटी के मूल सिद्धांतों" पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था। MOTHER TONGUE CELL, IQAC, YUVA, WUS और NSS ने 'अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' के उपलक्ष्य में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया। सेल ने प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए 27 मार्च से 1 अप्रैल, 2023 तक ब्लैंडेड मोड में एक सप्ताह का 'फ्री कंप्यूटर अवेयरनेस कोर्स' आयोजित किया। सेल द्वारा कॉलेज के गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए 27 मार्च, 2023 से 10 अप्रैल, 2023 तक 'प्रभावी संस्थागत प्रबंधन के लिए आईसीटी उपकरण' पर बयालीस घंटे (7 दिन) का प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) आयोजित किया गया। कॉलेज से स्नातक करने वाले हमारे छात्रों को सम्मानित करने के लिए, एक पूर्व छात्र मिलन, 'संस्मृति' का आयोजन 16.4.2023 को किया गया। "प्रकाश, जल और स्वच्छता समिति", "डब्ल्यूयूएस", "सृष्टि" और "आईक्यूएसी" ने संयुक्त रूप से 15.4.2023 को 'स्लोगन लेखन' प्रतियोगिता का आयोजन किया। "शाश्वत" के साथ, "द योग क्लब", "कल्चर एंड एथिक्स सेल" और "आईक्यूएसी" ने 19.4.2023 को "सहज योग" पर एक सत्र आयोजित किया जिसमें तनाव पर काबू पाने के लिए इस तकनीक के लाभों के बारे में बताया गया। ऑनलाइन मोड में 26.4.2023 से बौद्धिक संपदा अधिकारों पर कार्यशालाओं की एक श्रृंखला आयोजित की गई। "खेल समिति", "चिकित्सा समिति" और "आईक्यूएसी" ने 25 अप्रैल, 2023 को "एनईपी-2020: उच्च शिक्षा में खेल और स्वास्थ्य की संभावनाएँ और परिप्रेक्ष्य" विषय पर एक वार्ता आयोजित करने में सयोग किया। कॉलेज के आतंरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ तथा विद्या विस्तार योजना के संयुक्त तत्वाधान में बौद्धिक सम्पदा अधिकार के विविध आयामों पर 6 विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। 26 अप्रैल से 16 मई, 2023 के मध्य आयोजित इस कार्यशाला श्रृंखला में विशेषज्ञ के रूप में डॉ. अजय कुमार गर्ग, असिस्टेंट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) ने बौद्धिक सम्पदा अधिकार के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला व इस कार्यशाला श्रृंखला में कुल 27 प्रतिभागियों ने अपना पंजीकरण करवाया।

संस्कृति और नैतिकता प्रकोष्ठ **संयोजिका: श्रीमती रेणुका धर बजाज**

कॉलेज में संस्कृति और नैतिकता प्रकोष्ठ के गठन का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों के जीवन में अपने समाज व राष्ट्र के लिए सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों के लिए दायित्व-बोध विकसित करना है। इस प्रकोष्ठ के द्वारा यह भी प्रयास किया जाता है कि विद्यार्थी अपने देश की संपन्न संस्कृति और परंपरा के प्रति सचेत रहें। इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखकर इस वर्ष भी सेल ने कई आयोजन किए, जो जानकारी से भरपूर, अपनी जड़ों से जुड़ें और बहुत ही

मनोरम थे, जो हमारे सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देते हैं। 'संस्कृति और नैतिकता' प्रकोष्ठ ने 22 जुलाई, 2022 से 23 अप्रैल, 2023 तक कई कार्यक्रम आयोजित किए। सेल ने "श्री भगवद गीता के माध्यम से मन प्रबंधन" पर बारह सत्रों का अतिरिक्त पाठ्यक्रम शुरू किया। अप्रैल 2022 में इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली के सहयोग से पाठ्यक्रम 10वां सत्र 26 जुलाई, 2022 को “वासना से निपटना” 11वां सत्र 2 अगस्त, 2022 को “डर पर काबू” पाना, 12वां सत्र 16 अगस्त, 2022 को “आर्ट ऑफ प्रैक्टिसिंग फोर्गिवेनेस ” विषय पर हुआ। एड-ऑन कोर्स सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सभी छात्रों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

3 अक्टूबर, 2023 को पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) और ब्रह्मा कुमारी, डिफेंस कॉलोनी सेंटर, नई दिल्ली के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। 18 अक्टूबर, 2022 को Turning Crisis into Opportunity Through Seven Billion Acts of Goodness” विषय पर एक वार्ता आयोजित की गई। मुख्य अतिथि बी.के. राम सिंघल (इंजीनियरिंग कंसल्टिंग फर्म के मालिक) ने '7 बिलियन एक्ट्स ऑफ गुडनेस' नाम के एक वैश्विक अभियान के साथ छात्रों को परिचित कराने के साथ बातचीत शुरू की और बताया कि जमीनी स्तर पर आम लोगों को जोड़ने लिए यह एक अंतर-विश्वसनीय पहल है। छात्रों को ज्ञान के स्रोतों से जोड़ने और आध्यात्मिक उत्थान की संभावना का विस्तार करने और उनके समग्र विकास में मूल्य जोड़ने के लिए, इस्कॉन, नई दिल्ली के सहयोग से सेल ने कॉलेज परिसर में भगवद गीता सहित प्राचीन वैदिक पुस्तकों का 3 दिन तक स्टाल भी लगाया गया।

20 जनवरी, 2023 को इस्कॉन, नई दिल्ली के सहयोग से सेल ने Destiny: Do we make it or does it make us?” "नियति: क्या हम इसे बनाते हैं या यह हमें बनाती है?" विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में इस्कॉन के एक वरिष्ठ भक्त पद्मलोचन दास जी शामिल हुए। प्रकोष्ठ ने इस्कॉन, नई दिल्ली के सहयोग से 27 जनवरी, 2023 को इस्कॉन मंदिर परिसर (ईस्ट ऑफ कैलाश) का दौरा आयोजित किया, ताकि छात्रों को ज्ञान के स्रोतों से जोड़ा जा सके और आध्यात्मिक उत्थान की संभावना का विस्तार किया जा सके। इसके बाद दुनिया की सबसे बड़ी भगवद गीता की यात्रा की गई। 800 किलो वजन की गीता में 670 पृष्ठ हैं और इस्कॉन भक्तों द्वारा इसकी सटीक व्याख्या शामिल है। बाद में, छात्रों ने भगवद गीता की शिक्षाओं पर आधारित एक घंटे के मंत्रमुग्ध कर देने वाले लाइट एंड साउंड शो को देखा, जिसके बाद आध्यात्मिक गीतों का नृत्य और गायन हुआ।

प्रकोष्ठ द्वारा "विवेकशील युवा : विश्वगुरु भारत" विषय पर आधारित एक एड-ऑन कोर्स का आयोजन किया गया। एड-ऑन कोर्स में चार सत्र "नशे की लत और धूम्रपान जैसी बुरी आदतों को कैसे दूर करें" शामिल थे जिन पर एच.जी. विजय उपेंद्र व्याख्यान दिया गया। "अच्छे सहयोग और आदतों की सकारात्मक शक्ति" विषय पर एच.जी. मोहन श्याम दास जी द्वारा बोला गया। कॉलेज का यह “सांस्कृतिक और नैतिकता प्रकोष्ठ” लगातार प्रयास कर रहा है कि वह विशेष रूप से छात्रों की व्यक्तिगत बेहतरी व समाज के लिए लगातार काम करता रहे।

महिला विकास प्रकोष्ठ WDC **संयोजिका : प्रो. मीना शर्मा**

“एक पहल-महिला विकास प्रकोष्ठ' स्त्रियों के जीवन में जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का संचालन कर महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य करता है। महिला विकास सेल ने 24

अगस्त, 2022 को ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क, पंजाबी बाग में हीरो मोटो कॉर्प के सहयोग से सड़क सुरक्षा और वाहन चलाने के निर्देश पर एक सत्र आयोजित किया। इस सत्र में विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने भाग लिया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को बाइक, कार आदि चलाने के नियमों की जानकारी दी। महिला विकास सेल (WDC) ने लर्निंग लिंक्स फाउंडेशन के सहयोग से 12-19 सितंबर, 2022 तक कॉलेज में 'स्किल डेवलपमेंट एंड डेटा एनालिटिक्स' पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। लर्निंग लिंक्स फाउंडेशन (एलएलएफ), एक गैर-लाभकारी संगठन है जो सीखने के माध्यम से जीवन को समृद्ध बनाने के लिए समर्पित है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को डेटा और एनालिटिक्स की उच्च मांग वाली प्रौद्योगिकी/एसटीईएम करियर पथ में अपनी रुचि, ज्ञान और विशेषज्ञता का निर्माण करने के लिए प्रोत्साहित करना है। कार्यशाला ऑनलाइन जूम प्लेटफॉर्म पर आयोजित की गई थी। सेल ने 3 फरवरी, 2023 को दिल्ली कानूनी सेवा प्राधिकरण, साकेत कोर्ट के सहयोग से एसिड हिंसा पर जागरूकता सत्र आयोजित किया। पटियाला हाउस कोर्ट के अतिथि वक्ता एडवोकेट शकील अहमद ने दर्शकों को एसिड अटैक पीड़ितों को डीएलएसए द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता के बारे में बताया। सत्र के बाद नेपथ्य नाट्य संस्था के सदस्यों द्वारा नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया।

मातृभाषा प्रकोष्ठ

संयोजक : डॉ. अनिल स्वदेशी

भारतीय भाषा दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में मातृभाषा प्रकोष्ठ के द्वारा भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. शशांक तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस प्रोग्राम में 18 विद्यार्थियों ने, अपनी भिन्न-भिन्न भाषाओं में जैसे तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, कश्मीरी, संस्कृत एवं ब्रजभाषा आदि में "मेरा देश, मेरी शान" विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। श्रीमती प्रियंका चटर्जी ने बांग्ला और डॉ.ईशा ने पंजाबी भाषा के विकास पर प्रकाश डाला। कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर रवींद्र गुप्ता ने भारतीय भाषा दिवस मनाने की प्रासंगिकता पर बल दिया और विद्यार्थियों को अधिक से अधिक अपनी भाषाओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राध्यापक प्रो. शशांक तिवारी ने तमिल साहित्य में सुब्रमण्यम स्वामी के योगदान को इंगित करते हुए उन्होंने बताया कि प्रो. सुब्रमण्यम भारती ने वंदे मातरम को तमिल में रूपांतरित करके राष्ट्रीयता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।इसके साथ ही फरवरी माह में एक लोकगीत गायन प्रतियोगिता व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी-अपनी मातृभाषा में मधुर प्रस्तुतियां दी। प्रकोष्ठ द्वारा किये गए कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को उनकी मातृभाषा के अलावा भारत की अन्य भाषाओं से परिचित कराना होता है।

इंटर्नशिप और प्लेसमेंट सेल

संयोजिका : डॉ. मृदुला अरोड़ा

छात्र संयोजक : अनुज पाण्डे, वैभव सिंह

इस वर्ष प्लेसमेंट एंड इंटर्नशिप सेल ने इंटर्नशाला में अपनी रैंकिंग को बेहतर किया। इंटर्नशाला एक अग्रणी नियुक्ति तथा प्रशिक्षण हेतु मंच है। यह रोज़गार अभ्यार्थियों को स्टार्ट अप्स, कॉर्पोरेट जगत तथा लघु और मध्यम व्यवसायियों को एक मंच पर लाने का काम करता है। हमारे कॉलेज की अखिल भारतीय रैंकिंग 21बीं रही जिसने 500 से भी अधिक कॉलेजो की हिस्सेदारी रही। क्षेत्रीय स्तर पर उत्तरी हिस्से में 18 कॉलेज में हमारे कॉलेज की रैंकिंग 12 रही। सृष्टि, जो कि कॉलेज की पर्यवारण society है उसके साथ साझीदारी करते हुए Indian

pollution Control Association(IPCA) द्वारा प्रायोजित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 6 विद्यार्थीयों को 2 माह तक ₹ 3000 प्राप्त हुआ। मॉर्केटिंग तथा कंज्यूमर क्लब, कॉमर्स एसोसिएशन के साथ साझेदारी करते हुए 31मार्च, 2023 को Money Mileage द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में 5 विद्यार्थियों का चयन हुआ। पिरामल, जो कि एक कॉर्पोरेट घराना है उसकी टीम 5 अप्रैल, 2023 को चयन हेतु कॉलेज में आयी जिसमें कुल 26 विद्यार्थियों को चयनित किया गया और उनको प्रस्ताव पत्र प्रदान किया गया।

गांधी स्टडी सर्किल

संयोजिका : सुश्री संगीता शर्मा

"अपने को खोजने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप खुद को दूसरों की सेवा में खो दें।" 2022-2023 के दौरान, गांधी स्टडी सर्कल (पी.जी.डी.ए.वी. सांध्य) ने गाँधी सदन, डीयू और गांधी स्मृति द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसमें कुलपति, डीयू, राज्यपाल, प्रोफेसर के.पी. सिंह, प्रोफेसर बलराम पाणि और कई गणमान्य शामिल थे। कार्यक्रमों में आदरणीय प्राचार्य प्रोफेसर आर.के.गुप्ता, प्रोफेसर बी.एन. चौधरी, सुश्री संगीता शर्मा, डॉ. सना परवीन तथा कॉलेज के छात्र शामिल हुए। 6 सितंबर, 2022 को SAMPRABHU ने कॉलेज और गाँधी भवन (दिल्ली विश्वविद्यालय) के गांधी स्टडी सर्कल के साथ मिलकर कॉलेज में 'गाँधी और शिक्षा' नामक एक सेमिनार का आयोजन किया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. के.पी. सिंह, (निदेशक, गांधी भवन) ने उपस्थिति दर्ज की। प्राचार्य प्रो.रवीन्द्र कुमार गुप्ता जी ने मुख्य अतिथि का आत्मीय स्वागत किया और शिक्षा पर एक प्रेरक भाषण दिया, जिससे छात्रों में उत्साह भर गया। हमारे प्रख्यात शिक्षाविद् प्रो. के.पी. सिंह द्वारा एक विशेष व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने सामान्य रूप से शिक्षा के महत्व शिक्षा और भारत पर गाँधी की धारणा का उल्लेख किया। उन्होंने छात्रों के साथ बातचीत की जिससे यह एक विचारोत्तेजक और सूचनात्मक सत्र रहा। अक्टूबर 2022 को "बापू और शास्त्री जी का स्मरण" विषय पर ऑनलाइन कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत भाषण के साथ हुई, इसके बाद गायत्री मंत्र और मंगलाचरण श्लोक के बाद पी.जी.डी.ए.वी.सांध्य गीत बजाया गया। इसके बाद प्राचार्य जी ने सभी का तहेदिल से स्वागत किया, तत्पश्चात वरिष्ठत प्रोफेसर डॉ. बी.एन. चौधरी ने क्रमश महात्मा गाँधी और लाल बहादुर शास्त्री पर महत्त्वपूर्ण जानकारी साझा की। श्री परमीत सिंह ने एक सुंदर भजन "तू है राम तू ही रहीम" गाया। उसके बाद महात्मा गाँधी के जीवन पर एक लघु वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया। बी.कॉम, तृतीय वर्ष की छात्रा अंशु ने "वैष्णव जनता तेने कहिए" का सस्वर गान किया। तत्पश्चात शास्त्री जी के जीवन पर एक डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गयी। 30 जनवरी को पूरा देश "FATHER OF THE NATION-MAHATMA GANDHI" की मौत से पीड़ित होता है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनकी शिक्षाएँ और योगदान अतुलनीय हैं जो हमें प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर ऑनलाइन "REMEMBERING BAPU-(MARTYRS DAY) दिवस मनाया गया। गांधी जी के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, गैर-संकाय सदस्यों और छात्रों ने समान रूप से भाग लिया।

रिसर्च एंड कंसल्टेंसी सेल

संयोजिका : डॉ. रुचिरा पाठक

पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सहयोग से 17 जनवरी से 23 जनवरी 2023 तक "डेटा एनालिटिक्स यूजिंग आर सॉफ्टवेयर" पर एक सप्ताह का संकाय संवर्धन कार्यक्रम आयोजित किया गया। एफडीपी

में पूरे भारत से 99 पंजीकरण प्राप्त हुए। उद्घाटन सत्र में, FDP समन्वयक, डॉ. उदय शर्मा द्वारा सभी प्रतिभागियों का तहेदिल से स्वागत किया गया, इसके बाद सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों प्रो. (डॉ.) रजनी मल्होत्रा ढींगरा, निदेशक, MAIMS और प्रो. (डॉ.) आर.के. गुप्ता, प्राचार्य, पीजीडीएवी कॉलेज (सांध्य) डॉ. रुचिरा पाठक, उपस्थित रहे। कुल 10 सत्र प्रत्येक 90 मिनट के थे। 10 सत्रों में से 7 सत्र डॉ. गुंजन खुराना, एसोसिएट प्रोफेसर, (आई.पी. महिला कॉलेज) दिल्ली विश्वविद्यालय और 2 सत्र डॉ. उदय शर्मा, सहायक प्रोफेसर, पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) द्वारा लिए गए। पिछले सत्र में एफडीपी पाठ्यक्रम के आधार पर एक परीक्षा ली गई थी। सभी सत्र जूम प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित किए गए और यू-ट्यूब पर लाइव स्ट्रीम भी किए गए। सभी सत्र कॉलेज और मैम्स के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध हैं। प्रत्येक सत्र के बाद प्रतिभागियों के साथ एक फीडबैक फॉर्म साझा किया गया। अंत में ई-एफडीपी को सुचारू रूप से सम्पन्न करने पर प्राचार्य प्रो. आर.के. गुप्ता ने आयोजकों को बधाई दी। प्रो. एस.के. गर्ग, महानिदेशक, एमएआईएमएस ने सत्र की शोभा बढ़ाई और प्रतिभागियों को एफडीपी के सफल समापन पर बधाई दी।

राजभाषा प्रकोष्ठ **नोडल अधिकारी-डॉ.डिम्पल गुप्ता**

वर्ष 2022 के मई माह में पी. जी. डी. ए. वी. महाविद्यालय (सांध्य) में दिल्ली विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार राजभाषा प्रकोष्ठ की स्थापना की गई, जिसका उद्देश्य यह है कि भारत सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन करते हुए संबंधित सभी बिंदुओं पर द्विभाषी रूप में प्रथम भाषा के रूप में पहले हिंदी का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाए तथा दूसरी भाषा के रूप में अंग्रेजी का। इस दृष्टि से महाविद्यालय में संबंधित विषयों में अधिकांशतः द्विभाषा का प्रयोग किया जा रहा है, और इसी शृंखला में राजभाषा प्रकोष्ठ के अंतर्गत महाविद्यालय का सर्वे किया गया है, समिति के निर्देशानुसार महाविद्यालय में इस विषय पर लगातार कार्य चल रहा है। इस शृंखला में 30-8 -2022 को अधिकांशतः रबड़ की मोहरें हिंदी में बनवाई गई। इसके साथ-साथ पत्र शीर्ष, फ़ाइल कवर, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के पहचान पत्र एवं लिफाफों पर पते इत्यादि में द्विभाषी रूप में (पहली भाषा के रूप में हिंदी तथा दूसरी भाषा के रूप में अंग्रेजी) मुद्रित किए जा रहे हैं।इसके साथ-साथ कुछ नाम पट्टिकाएं भी हिंदी, अंग्रेजी एवं द्विभाषी रूप में बनवाई गई हैं। पुस्तकालय में 51 पट्टिकाएं, पुस्तकालय के बाहर द्वितीय तल पर 13 पट्टिकाएं ओर अन्य तलों एवं नई बिल्डिंग में 23 पट्टिकाएँ हिंदी, अंग्रेजी एवं कुछ द्विभाषी में बनवाई गई हैं। साथ साथ विश्वविद्यालय की गृह पत्रिका में प्रकाशित किये जाने हेतु महाविद्यालय के तीन संकाय सदस्यों द्वारा स्वरचित एवं मौलिक रचनाएं दिल्ली विश्वविद्यालय, राजभाषा प्रकोष्ठ को भेजी गई। 20 जून, 2023 को महाविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन समिति के द्वारा G 20, विद्या विस्तार स्कीम एवं अभिव्यक्ति यूथ पार्लियामेंट के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय के सभी प्रधायपकों के लिए राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम संबंधी सम्पूर्ण जानकारी हेतु आभासी (ऑनलाइन) माध्यम से एक राजभाषा हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसका विषय था-"राजभाषा हिंदी का क्रियान्वयन" जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ प्रोफेसर पूरन चंद टंडन जी के महत्पूर्ण वक्तव्य से सभी प्राध्यापक लाभान्वित हुए।

इस राजभाषा हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम में 50 प्राध्यापकों ने भाग लिया। इस के साथ साथ भविष्य में भी समिति के निर्देशानुसार जहाँ जहाँ-द्विभाषा की आवश्यकता है, उनको भी जल्दी से जल्दी द्विभाषी रूप में सम्पन्न किया जाएगा।

WUS Cell

संयोजिका : डॉ. बीना मीना **छात्र प्रतिनिधि: प्रियांशु भारद्वाज**

WUS (World University Service) एक अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन है जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा, मानव अधिकार, विकास, सामाजिक न्याय जैसे क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षिक जगत में विद्यार्थियों की भागीदारी को बढ़ावा देना है। इसी क्रम में WUS Cell पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) के द्वारा समसामयिक मुद्दों पर विभिन्न जन-जागरूकता अभियानों व कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस सेल ने रेड रिबन क्लब, आईक्यूएसी, महिला विकास कमेटी, आज़ादी का अमृत महोत्सव और विद्या विस्तार योजना के संयुक्त रूप से 'विश्व स्तनपान सप्ताह' के अवसर पर एक वेबिनार का आयोजन किया। 6 अगस्त, 2022 को "स्तनपान की शिक्षा और समर्थन के लिए कदम बढ़ाए" विषय पर वेबिनार करवाया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में lactation विशेषज्ञ डॉ.साक्षी के.भारद्वाज (मनिपाल अस्पताल)उपस्थित रहीं। डॉ. साक्षी ने मां और बच्चे दोनों के लिए स्तनपान के लाभों के बारे में बहुत ही गहराई से बताया। WUS Cell, WDC और IIC ने लर्निंग लिंकस फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में कॉलेज में सात दिवसीय एक कार्यशाला का आयोजन किया। "स्किल डेवलपमेंट एंड डाटा एनालिटिक्स" विषय पर आयोजित यह कार्यशाला 12 सितम्बर से 19 सितम्बर 2022 तक चली। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को डाटा एनालिटिक्स क्षेत्र की जानकारी देना और उसके महत्व एवं आवश्यकता के प्रति जानकारी देना था। इस कार्यशाला में वक्ता के रूप में रवीना सिंह (LLF), श्री संजय यादव एवं श्रीमती गायत्री जी को आमंत्रित किया गया।

'अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023' के उपलक्ष्य में WUS प्रकोष्ठ ने शारीरिक शिक्षा विभाग व खेल विज्ञान, आईक्यूएसी, महिला विकास कमेटी व मेडिकल कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में 28, नवंबर 2022 को एक वेबीनार का आयोजन किया। इस वेबिनार का शीर्षक था-'मिलेट्स फॉर हेल्थ एंड स्पोर्ट्स'। वेबीनार में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ.सुनेहा गोस्वामी, सीनियर साइंटिस्ट बायो-केमिस्ट्री डिवीजन (ICAR-IARI) उपस्थित रहीं। उन्होंने बाजरा के महत्व और मानव स्वास्थ्य में बाजरे की भूमिका पर रोचक एवं तथ्यपरक जानकारी दी। मातृभाषा प्रकोष्ठ, डब्ल्यू. यू. एस., आंतरिक आश्वासन गुणवत्ता प्रकोष्ठ, युवा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में 'अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' के उपलक्ष्य पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। यह कार्यक्रम 25 फरवरी, 2023 को आयोजित किया गया जिसका विषय था-"भाषाई विविधता में एकता हमारी पहचान"। इस कार्यक्रम के आमंत्रित वक्ता डॉ. लोकेश गुप्ता (संयोजक-भारतीय भाषा मंच) उपस्थित रहे। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी-अपनी मातृभाषाओं में प्रस्तुतियाँ दी। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि वक्ता डॉ. लोकेश गुप्ता जी, प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र कुमार गुप्ता जी एवं शिक्षकों ने भी मातृभाषा पर अपने विचार रखे। लाइट, वाटर एंड सैनिटेशन समिति, डब्ल्यू यू एस प्रकोष्ठ, आंतरिक आश्वासन गुणवत्ता प्रकोष्ठ और सृष्टि के द्वारा संयुक्त रूप से 15 अप्रैल, 2023 को "बिजली बचाओ, 'जल बचाओ एवं स्वच्छता" विषय पर एक 'स्लोगन लेखन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम विजेता आदेश यादव और द्वितीय विजेता सीमा ढाका रही, जिन्हें पुरस्कृत किया गया।

कॉलेज और उद्योग के साथ-साथ कॉलेज और अन्य शोध संस्थानों के बीच सहजीवी संबंध विकसित करने के लिए, प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता के मार्गदर्शन में वर्ष 2018 में "उद्योग संस्थान इंटरेक्शन सेल" (III सेल) बनाया गया था। सेल का उद्देश्य उद्योग के दौरों, ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप और उद्योग परियोजनाओं के माध्यम से छात्र और संकाय के लिए उद्योग के पर्याप्त अवसर प्रदान करना है। उद्योग के पेशेवरों को पाठ्यक्रम डिजाइन, वितरण और मूल्यांकन में शामिल किया गया ताकि छात्र उद्योग को तैयार किया जा सके, जिससे उद्योग के पेशेवरों की मदद की जा सके। अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श के माध्यम से उद्योगों एवं उनकी समस्याओं को हल करने में मदद करने के लिए उच्च शिक्षा, सतत् शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से उनकी योग्यता, ज्ञान और कौशल का उन्नयन करना रहा। उपरोक्त उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए सेल ने 7 अक्टूबर, 2022 को वाणिज्य संघ, "फिनशाला द फाइनेंस क्लब", "बी.ए.(प्रोग्राम) समिति" और "विद्या विस्तार योजना" के सहयोग से "वित्तीय साक्षरता" पर एक वेबिनार का आयोजन किया। 10 जनवरी, 2023 को "IIT दिल्ली" के 'इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर' में एक यात्रा का भी आयोजन किया गया। यह छात्रों के लिए एक बहुत ही लाभदायक यात्रा थी क्योंकि उन्होंने "ट्वीक लैब्स" के सह-संस्थापक अनंत शर्मा और "SCRAP UNCLE" के संस्थापक मुकुल छाबड़ा के साथ बातचीत की। 1 फरवरी, 2023 को "IIT दिल्ली" के "इन्क्यूबेशन सेंटर" की यात्रा का आयोजन किया गया। छात्रों ने "सरफेस मोटो इलेक्ट्रिक वाहन स्टार्ट-अप" के संस्थापक सैयद शाहबाज़ के साथ बातचीत की, जिसका उद्देश्य ऐसे उत्पादों का निर्माण करना है जो लाखों लोगों को दुनिया भर में टिकाऊ यात्रा करने में मदद करें। कुल मिलाकर यह छात्रों के रोज़गार के लिए लाभदायक सेल है।

स्किल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल (SIEC)/ "इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल" / (NISP)

संयोजिका : श्रीमती सोनिया ढींगरा और डॉ. सोनिका नागपाल

कॉलेज में शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल के 'नेशनल इनोवेशन एंड स्टार्ट-अप पॉलिसी' के कार्यान्वयन के लिए गठित पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) की 'इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल' (IIC) ने साल भर कई कार्यक्रम किए। IIC द्वारा WDC, WUS, LLF के संयुक्त तत्वावधान में 12 से 19 सितंबर, 2022 तक "स्किल डेवलपमेंट एंड डेटा एनालिटिक्स" विषय पर एक सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को डेटा और एनालिटिक्स की उच्च मांग वाली प्रौद्योगिकी/एसटीईएम करियर पथ में अपनी रुचि, ज्ञान और विशेषज्ञता का निर्माण करने के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यशाला ऑनलाइन जूम प्लेटफॉर्म पर आयोजित की गई थी। भारतीय प्रदूषण नियंत्रण संघ (आईपीसीए) के प्लास्टिक रीसाइक्लिंग प्लांट, प्लॉट नंबर 66, इको टेक 12, ग्रेटर नोएडा (यू.पी.) का एक औद्योगिक दौरा 16 सितंबर, 2022 को IIC द्वारा कॉलेज की अन्य समितियों के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। इस यात्रा का उद्देश्य छात्रों को प्लास्टिक रीसाइक्लिंग और इसकी व्यावसायिक व आर्थिक व्यवहार्यता में शामिल करने की जानकारी देना था। 'करियर विकल्प के रूप में उद्यमिता और नवोन्मेष' पर एक वेबिनार 19 अक्टूबर, 2022 को आज़ादी का अमृत महोत्सव के संयुक्त तत्वावधान में IIC और ENACTUS द्वारा आयोजित किया गया। आमंत्रित वक्ता के रूप में डॉ. हर्षदा मुले, (HR and General Management Faculty from ITM Business School Navi Mumbai) उपस्थित रहे। SIEC, IIC और ENACTUS द्वारा 'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस' के उपलक्ष्य पर एक भाषण प्रतियोगिता का

आयोजन 26 नवंबर, 2022 को संयुक्त रूप से किया गया। इसका विषय था-"राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2022– उद्यमिता को बढ़ावा देना।"

28 जनवरी, 2023 को SIEC /IIC और 'Enactus' द्वारा 'सृष्टि' के सहयोग से 'जनजल वाटर ऑन व्हील्स' (WOW) के लिए एक फील्ड ट्रिप का आयोजन किया गया। यह एक उद्यम है जो आसपास के निवासियों और समुदायों को अत्याधिक रियायती दर पर सुरक्षित और पीने योग्य पानी उपलब्ध कराता है। 8 फरवरी, 2023 को "स्किल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल" (SIEC)/IIC और "Enactus" द्वारा "सृष्टि-द एनवायरनमेंट सोसाइटी" के सहयोग से एक 'फील्ड ट्रिप' का आयोजन किया गया। छात्रों के सामने सीवेज के पानी के उपचार में संयंत्र में शामिल चरणों का प्रदर्शन किया गया। "राष्ट्रीय विज्ञान दिवस" के उपलक्ष्य पर 24 फरवरी, 2023 को " SIEC/ IIC और SRISHTI के साथ 'ENACTUS' द्वारा निरंतर विकास के लिए नवाचार के महत्व पर एक वेबिनार आयोजित किया गया। "राष्ट्रीय उत्सव" मनाने के लिए 'युवा दिवस' और 'राष्ट्रीय स्टार्ट-अप दिवस', पर 14 जनवरी, 2023 को एक वेबिनार का आयोजन किया गया। पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ उत्पादों से संबंधित "यूगो-ए स्टार्ट-अप" की संस्थापक सुश्री वंदना सिंह इस वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं।

फ़िल्म निर्माण एवं फोटोग्राफी सेल (दृश्यम) **संयोजिका: डॉ.गरिमा भारद्वाज**

24 अगस्त, 2022 को दृश्यम ने रेड रिबन क्लब के सहयोग से महाविद्यालय में डॉक्यूमेंट्री प्रेजेंटेशन का आयोजन किया। इसके उपरांत 15सितम्बर, 2022 को उड़ान के फोटोग्राफी वर्टिकल के सहयोग से 'स्ट्रीट फोटोग्राफी ऑफ फेस ऑन द स्ट्रीट' विषय पर एक इंटर कॉलेज सेमिनार का आयोजन किया जिसमें श्री वंश सिंह संधू और श्री गगन गेरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। 19 सितंबर 2022 को फ़िल्म एप्रिसिएशन समिति के सहयोग से प्रकोष्ठ ने 'बेसिक्स ऑफ फ़िल्म मेकिंग' विषय पर सफलतापूर्वक एक इंटर कॉलेज कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय फिल्म निर्माता श्री दुष्यंत कपूर, श्री अंकित वत्स और सिनेमेटोग्राफर श्री आनंद बडोनिया ने फ़िल्म निर्माण की मूल बातों का वर्णन किया। इस कार्यशाला में 100 से भी अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 8 फरवरी 2023 को ' द आर्ट ऑफ स्टोरी टेलिंग विथ कैमरा' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में स्ट्रीट फोटोग्राफर सचिन चौहान जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रश्नोत्तरी सत्र के द्वारा सभी की जिज्ञासा और प्रश्नों का समाधान किया गया और अंत में दृश्यम की संयोजिका सुश्री गरिमा भारद्वाज ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया। सेल ने 21-22 मार्च, 2023 को कॉलेज के सांस्कृतिक वार्षिक उत्सव 'प्रवाह' के अवसर पर दो भव्य कार्यक्रम आयोजित किए। दृश्यम ने वार्षिक उत्सव के पहले दिन छायाचित्र भी आयोजित किया जो कि छात्रों के लिए एक "ऑन द स्पॉट" फोटॉग्राफी प्रतियोगिता थी, इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध सड़क फोटोग्राफर श्री सुखजीत सिंह जी उपस्थित रहे, इसके साथ-साथ गणित विभाग से लेफ्टिनेंट हरि प्रताप जी भी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि श्री सुखजीत सिंह जी ने स्ट्रीट फोटॉग्राफी पर अपने विचार रखे, और अंत में विजेताओं को का चयन किया गया। इसके साथ-साथ सेल ने जामा मस्जिद, हुमायूँ का मकबरा, कुतुब मीनार और यमुना घाट आदि स्थानों पर भी फोटोवाक का आयोजन किया। दृश्यम के अध्यक्ष आसिफ और सेल के एक अन्य सदस्य अर्जुन ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अनेक महाविद्यालयों में फोटॉग्राफी प्रतियोगिता में लगभग दस पुरस्कार जीतकर पूरे महाविद्यालय को गौरवान्वित किया।

इनेक्टस

संयोजिका : श्रीमती सोनिया ढींगरा

कॉलेज के 19 छात्रों की एक टीम ने "इनेक्टस इंडिया राष्ट्रीय प्रतियोगिता-22 **सकिज**" जो 24 जून, 2022 से 2 जुलाई 2022 तक चली, में थैला बनाने की परियोजना के रूप में हिस्सा लिया, जिसके लिए उन्हें भागीदारी के प्रमाणपत्र दिए गए। इनेक्टस समिति द्वारा कॉलेज की नवाचार परिषद (आईआईसी)/कौशल नवाचार और उद्यमिता प्रकोष्ठ (एसआईईसी) के साथ 9 जून, 2022 से 9 जुलाई, 2022 तक एक सफल व्यवसाय को समझने के लिए केस-स्टडी पर ऑनलाइन चर्चा आयोजित की गयी। इसी संदर्भ में आईआईसी/एसआईईसी के सहयोग से 19 अगस्त, 2022 को एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया गया। आईआईसी/एसआईईसी के सहयोग से 3 सितम्बर, 2022 को डिजिटल दुनिया में स्टार्ट अप आइडियाज पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता आईटीएम बिजनेस स्कूल नयी मुंबई की प्रोफेसर हर्षदा मुले थी, जिन्होंने विद्यार्थियों को महत्त्वपूर्ण जानकारी दी। आईआईसी/एसआईईसी और पर्यावरण सोसायटी 'सृष्टि' के सहयोग से 16 सितंबर, 2022 को आई पी सी ए प्लास्टिक रीसाइक्लिंग यूनिट (ग्रेटर नोएडा) का दौरा भी आयोजित किया गया। आईआईसी/एसआईईसी के सहयोग से 19 अक्टूबर, 2022 को करियर के रूप में "उद्यमिता और नवाचार" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आईटीएम बिजनेस स्कूल नयी मुंबई से प्रोफेसर हर्षदा मुले मुख्य वक्ता रहीं। आईआईसी/एसआईईसी के सहयोग से 26 नवम्बर, 2022 को "राष्ट्रीय शिक्षा नीति-उद्यमिता को बढ़ावा" विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आईआईसी/एसआईईसी और करियर गाइडेंस कमेटी के सहयोग से 14 जनवरी, 2023 को स्टार्ट-अप संस्थापक वक्ता सुश्री वंदना सिंह की प्रेरक कहानी पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। आईआईसी/एसआईईसी और सृष्टि के सहयोग से 28 जनवरी, 2023 को जनाजल, वाटर एटीएम (सेक्टर 45 नोएडा) की यात्रा का आयोजन किया गया। आईआईसी/एसआईईसी और सृष्टि के सहयोग से 8 फरवरी, 2023 को सीवेज जल शोधन संयंत्र (सेक्टर 34 नोएडा) का दौरा आयोजित किया गया। आईआईसी/एसआईईसी के सहयोग से 24 फरवरी, 2023 को सतत विकास के लिए नवाचार के महत्व पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता श्री अरविंद देशमुख थे जो देशमुख ग्लोबल मैनेजमेंट सॉल्यूशन्स के संस्थापक हैं। कॉलेज के आईआईसी/एसआईईसी के सहयोग से 25 अप्रैल, 2023 को बौद्धिक संपदा अधिकारों पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता सुश्री हेमैक्सी भट्ट (प्रमाणित पेटेंट विश्लेषक) और डॉ.अजय गर्ग (भारतीय विधि संस्थान से आईपीआर में प्रमाणित) थे। इसके अलावा, छात्रों ने 2 सितंबर, 2022, 9 सितंबर 2022 और 4नवम्बर, 2022 को अपने उत्पादों (पेंसिल पाउच, टोटे बैग, किराने के बैग, लंच बैग और मास्क) की बिक्री के लिए कॉलेज परिसर में स्टाल लगाए। उत्पादों को चल रही परियोजना 'वास्तु' के तहत कैनवास सामग्री और डेनिम में अधिशेष कपड़े से बनाया गया था। कुल मिलाकर पूरा वर्ष समिति विविध गतिविधियों में सक्रिय रही।

राष्ट्रीय युवा संसद योजना

संयोजिका : डॉ. करिश्मा सारस्वत

मई 2022 में पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) को भारत सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय के तहत "राष्ट्रीय युवा संसद योजना" में पंजीकृत कराया गया। कॉलेज ने छात्रों के बीच लोकतंत्र की भावना फैलाने के उद्देश्य से इस सेल का गठन किया। इस सेल का मुख्य उद्देश्य उन छात्रों को एक मंच प्रदान करना है जो नई-नई बातें सीखने में रुचि रखते हैं और अपने पारस्परिक बहस कौशल को विकसित करना चाहते हैं। सेल की गतिविधियों को

इस तरह से संचालित किया जाता है कि छात्रों के साथ-साथ छात्राओं की भागीदारी को बढ़ाया जा सके। उनको कार्यक्रमों के आयोजन और प्रबंधन में योगदान देने और प्रतिस्पर्धी इंट्रा-कॉलेज और इंटर कॉलेज कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। कॉलेज संसदीय कार्य मंत्रालय की राष्ट्रीय युवा संसद योजना के तहत युवा संसद बैठक के लिए पंजीकृत किये जाते हैं। पहली युवा संसद की बैठक 25 जुलाई, 2022 को "विधेयक एनईपी-2020 का परिचय और विचार" विषय पर आयोजित की गई थी। कॉलेज में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन में सेल सक्रिय रूप से शामिल है। एसआईईसी, आईआईसी और इनेक्टस के सहयोग से संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर, 2022 को तत्काल प्रतियोगिता आयोजित की गई। हिन्दी साहित्य सम्मेलन के सहयोग से सेल द्वारा 29 नवंबर, 2022 को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 21 फरवरी, 2023 को सम्प्रभु सोसाइटी के सहयोग से "भारत की G20 अध्यक्षता: बदलती दुनिया में नेतृत्व" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कॉलेज की ओर छात्रों को लोकसभा और राज्यसभा के ऐतिहासिक महत्व और वर्तमान कामकाज के बारे में जानकारी देने के लिए 31 मार्च, 2023 को संसद भवन में एक शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया गया था जिसमें 6 संकाय सदस्यों के साथ लगभग 35 छात्र भ्रमण के लिए गए। हमारे तीन छात्रों ने जनवरी'2023 में दिल्ली विधान सभा द्वारा आयोजित दूसरी 'दिल्ली युवा संसद 23' में भाग लिया। हमारे कुछ छात्र दिव्य प्रताप सिंह, शरण्यम सिंह, आर्यन माधव सावी, हर्ष पुरोहित, उमरा सिद्दीका ने दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कॉलेजों में विभिन्न युवा संसद प्रतियोगिताओं और एमयूएन में भाग लिया और पुरस्कार जीते। इस प्रकार कॉलेज में राष्ट्रीय युवा संसद योजना के तहत अनेक कार्यक्रमों और गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया जाता है।

अप्रैल 10 व 12 अप्रैल को "निबंध जी 20" में भारत की अध्यक्षता के उपलक्ष्य में निबंध लेखन प्रतियोगिता और क्विज का आयोजन किया गया जिसमें कॉलेज के छात्रों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। अप्रैल 17,2023 को "अभिव्यक्ति सोसाइटी" ने अंतर-कॉलेज मॉक अखिल भारतीय राजनैतिक दलों की मीटिंग का आयोजन किया जिसमें विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने अलग अलग दलों के नेताओं के रूप में अपनी बात रखी। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों ने इस बात को समझा कि संसद में जाने से पहले विभिन्न मुद्दों पर किस प्रकार से विचार विमर्श किया जाता है।सोसाइटी द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों में ये प्रयास किया जाता है कि छात्र हर बार कुछ नया सीखें ताकि उनके व्यक्तित्व का बहुमुखी विकास हो सके।

रोटारैक्ट क्लब

संयोजक : प्रो. कृष्ण मुरारी **अध्यक्ष : प्रत्यूष सिंह**

रोटारैक्ट क्लब मानवता की स्थिरता के लक्ष्य की दिशा में उत्साह और प्रेरणा के साथ कुशलतापूर्वक काम कर रहा है। हमारे क्लब को रोटरी इंटरनेशनल प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया है। क्लब को अपनी उत्कृष्टता और कड़ी मेहनत से वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त है। पूरे वर्ष के दौरान कॉलेज क्लब को दो बार सर्वश्रेष्ठ क्लब के रूप में सम्मानित किया गया और जिले में हमारे 5 सदस्य हैं। सर्वश्रेष्ठ कार्यकारिणी परिषद के सदस्यों के रूप में अब तक 5 बार सम्मानित किया जा चुका है। 'रोटारैक्ट क्लब' के छह सदस्यों ने विनोबापुरी में अग्रवाल स्वीट्स के पीछे पार्क में सफाई अभियान का आयोजन किया। 'रोटारैक्ट क्लब' लोधी गार्डन में 'रोटरैक्ट क्लब ऑफ दिल्ली फिलैंथ्रोपिस्ट' द्वारा आयोजित "प्रोजेक्ट क्रॉसरोड्स" में शामिल हुआ। इस परियोजना का उद्देश्य लेटरहेड एक्सचेंज करना, छोटे व्यवसायों और व्यावसायिक विचारों को बढ़ावा देना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करना था। हमारा 'रोटारैक्ट क्लब' 'PHF' के स्थापना समारोह का गवाह बना। 24 जुलाई, 2022 को

आर.टी.आर. के समारोह में सिद्धांत आर्य ने 'डी.आर.आर.' के जिला 3012 और उसकी टीम की सुविधाओं की जिम्मेदारी स्वीकार की। क्लब को प्रोजेक्ट H.O.P.E के दूसरे दिन के सर्वश्रेष्ठ प्रोजेक्ट के लिए भी पुरस्कृत किया गया। 'क्लब' ने दिल्ली पेगासस के 'रोटरैक्ट क्लब' के साथ उनकी परियोजना "प्रीको-टोपिया" के तहत सहयोग किया जो एक स्थायी पर्यावरण का समर्थन करता है। 'रोटारैक्ट क्लब' ने नए फ्लैगशिप प्रोजेक्ट "बेजुबान" के तहत एक ड्राइव का आयोजन किया। अपने आस-पास के स्थानों पर रोटरेक्टर्स ने कुत्तों और अन्य जानवरों को खाना खिलाया। "रोटारैक्ट क्लब" ने जिम्स वसंत कुंज के रोटारैक्ट क्लब के सहयोग से लेटर हेड एक्सचेंज में भाग लिया, जो कनॉट प्लेस, नई दिल्ली में हुआ। 1 जनवरी, 2023 को आर.टी.आर. के प्रेसीडेंट लव गुप्ता ने अपने मोहल्ले के मंदिर में भंडारा सेवा का आयोजन किया। नववर्ष के अवसर पर रोटारैक्ट क्लब ने डी.एस.पी.एस.आर. के रोटारैक्ट क्लब के मोटो नए साल का जश्न-जरूरतमंदों को उपहार" के साथ सहयोग किया। क्लब के सदस्यों ने अपने मोहल्ले के जरूरतमंद बच्चों को खिलौने भेंट किए और भोजन कराया। 'रोटारैक्ट क्लब' ने अपनी प्रमुख परियोजना "राही" के तहत 21 जनवरी, 2023 को "नाज़ फाउंडेशन" के सहयोग से 'LGBTQ' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। आमंत्रित वक्ताओं के रूप में श्री अतींद्र पराशर और श्रीमती किरण तिर्की शामिल हुए। वेबिनार का उद्देश्य छात्रों को (LGBTQIA+) के विषय से अवगत कराना था। "रोटारैक्ट क्लब" ने अपने प्रमुख प्रोजेक्ट "MISSCARA" के तहत 'ब्लूमिंग लाइव्स' एन.जी.ओ. के बच्चों के लिए पैड वितरण अभियान चलाया। 29 जनवरी, 2023 को 'रोटारैक्ट क्लब' पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) ने 'आर.ए.सी'. दिल्ली पेगासस के प्रोजेक्ट "अपस्किल्स" के तहत नेहरू पार्क में होने वाले "पीस ट्री" के आयोजन के लिए सहयोग किया। जिसमें योग प्रशिक्षकों ने विभिन्न आसन और साँस लेने के व्यायाम सिखाए। क्लब के द्वारा वस्त्र दान, अन्नदान, मासिक धर्म स्वच्छता, शिक्षा, व्यावसायिक विकास, रक्तदान शिविर और कई तरह की गतिविधियाँ शुरू की गई हैं। हम अपने प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता सर और कॉलेज प्रबंधन के आभारी हैं।

योग सभा (Yoga Club)

संयोजिका : डॉ. श्रुति विप

योग प्रशिक्षक : पुष्प **विद्यार्थी समन्वयक :मानसी वर्मा**

दैनिक जीवन में योग शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक रूप से यौगिक अभ्यासों को आत्मसात करने का एक प्रयास है। सामान्य योग प्रोटोकॉल, आयुष मंत्रालय पर आधारित योग अभ्यास सत्र जून, 2022 कॉलेज के योगा क्लब द्वारा ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में आयोजित किए गए और क्लब के नए सदस्यों को योग की मूल बातों से अवगत कराया गया। 21 जून 2022 को शाम 5 बजे कॉलेज प्रांगण में शिक्षण, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों की सक्रिय भागीदारी के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस बार 'योग' श्रेणी के अंतर्गत ECA 2022में प्रवेश के लिए कॉलेज को नोडल केंद्र बनाया गया। कॉलेज को 19 से 20 अक्टूबर तक दो दिनों के लिए सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक कॉलेज सेमिनार हॉल में ट्रायल आयोजित करने का अवसर मिला, जिसे योग क्लब के सदस्यों द्वारा अच्छी तरह से समन्वित किया गया। दो दिवसीय योग ट्रायल में 30 छात्रों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की और दो पारियों में आयोजित इस प्रवेश परीक्षा में अपने प्रभावशाली प्रदर्शन से निर्णायकों को मंत्रमुग्ध किया।विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति सजगता पैदा करने हेतु योग क्लब 'शाश्वत' द्वारा बी.कॉम. (ऑनर्स) के छात्र और एक अनुभवी योग प्रशिक्षक 'पुष्प' के मार्गदर्शन में जनवरी 2023 से योग कक्ष में व्यायाम सत्र आयोजित

करवाए गए। 21 नवंबर को सुश्री शिखा शुक्ला (योग प्रशिक्षक, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा 'लाइफ़ थ्रू योगा' नामक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें आसन, प्राणायाम का महत्त्व और सर्दी व प्रदूषण से बचाव के तरीके सुझाए गए। इस बार पी.जी.डी.ए.वी. (सांध्य) महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के ई.सी.ए. प्रवेश (योग) हेतु नोडल केंद्र रहा। नोडल अधिकारी डॉ. श्रुति विप के सफल निरीक्षण में द्विदिवसीय ट्रायल संपन्न हुए। योग क्लब 'शाश्वत' द्वारा नेहा सयाल जी के तत्त्वावधान में 'ध्यान और योगासन' कार्यशाला संपन्न हुई। योग क्लब के वार्षिक सांस्कृतिक समारोह 'प्रवाह' के अंतर्गत 'योगोत्सव' नामक अंतर्महाविद्यालयी प्रतिस्पर्धा आयोजित कराई गई जिसमें तमाम योग विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। डॉक्टर रमेश इस समारोह के मुख्य निर्णायक रहे। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (वि० सं० 2080) के पावन अवसर पर योग शिक्षार्थियों द्वारा योग की तारतम्यता पूर्ण प्रस्तुति ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। पूर्व छात्र मिलन समारोह में योग क्लब के छात्रों द्वारा शिव पंचाक्षर स्तोत्र पर की गई प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया। योग क्लब 'शाश्वत' द्वारा 19 अप्रैल को 'सहज योग ध्यान द्वारा व्यक्तित्व विकास व तनाव प्रबंधन' विषय पर कार्यशाला आयोजित कराई गई। अनीश कोहली द्वारा कार्यशाला का सुंदर व सुचारु रूप से संचालन किया गया।

मार्केटिंग और कंज्यूमर अवेयरनेस क्लब

संयोजिका : डॉ. अनीता बजाज

मार्केटिंग एंड कंज्यूमर अवेयरनेस क्लब का उद्देश्य विद्यार्थियों को सूचना प्रदान करना एवं Paradigm Research (प्रतिमान अनुसंधान) और समकालीन विषयों पर जानकारी प्रदान करना है। इस क्लब के द्वारा मार्केटिंग की विभिन्न अवधारणाओं को समझने के लिए सेमिनार और वेबिनार का आयोजन किया जाता है जिससे विद्यार्थियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने और अपने ज्ञान को बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान हो सके। इस क्लब का गठन वर्ष 2018 में किया गया था। क्लब के द्वारा विद्यार्थियों को डिजिटल मार्केटिंग, एक्सपेरिमेंटल मार्केटिंग, बज़ मार्केटिंग, रिलेशनशिप मार्केटिंग, ग्रीन / सस्टेनेबल मार्केटिंग, सी.आर.एम., रूरल मार्केटिंग, इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग, स्पोर्ट्स मार्केटिंग आदि से अवगत कराया जाता है। मार्केटिंग एंड कंज्यूमर अवेयरनेस क्लब ने इस वर्ष छात्रों के लिए प्लेसमेंट एंड इंटर्नशिप सेल एंड कॉमर्स एसोसिएशन के सहयोग से कॉलेज परिसर में कंपनी मनी माइलेज द्वारा 31/3/23 को "वित्तीय स्वतंत्रता की ओर पहला कदम" विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया। इसके बाद, कंपनी ने हमारे छात्रों को डिजिटल मार्केटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग और बिजनेस डेवलपमेंट के क्षेत्र में इंटर्नशिप का अवसर प्रदान किया। इस कंपनी में इंटर्नशिप के लिए चयनित होने के लिए छात्रों ने उत्साह से भाग लिया। समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार के दो गहन दौर के बाद हमारे कॉलेज से कुल पाँच छात्रों का चयन किया गया।

वित्तशाला (वित्त क्लब)

संयोजक : श्री रमेश कुमार

छात्र प्रतिनिधि : पारिजात

वित्त क्लब ने 7अक्टूबर, 2022 को commerce Association, विद्या विस्तार योजना एवं उद्योग अकादमी के साथ संयुक्त रूप से वित्तीय साक्षरता पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया जिसमें वक्ता प्रो.अतुल साठे जी ने स्टॉक एक्सचेंज पर विस्तार से चर्चा की। Commerce Association, सीडीएसएल और एनसीडीईएक्स के साथ संयुक्त रूप से commodity market पर दो दिन के वित्तीय साक्षरता वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में मुख्य वक्ता डॉ. शिखा गुप्ता और करिश्मा मक्कड़ जी रहीं। डॉ. शिखा गुप्ता को

शिक्षा के क्षेत्र में 14 साल का अनुभव है और SAVI, NCDEX, NCFI CDSL, ICAI और PFRDA द्वारा Trained trainee है। इनके द्वारा लगभग 10000 से भी ज्यादा different institutions में financial literacy program का आयोजन किया जा चुका है। डॉ. शिखा गुप्ता ने प्रतिभागियों को सीडीएसएल के बारे में जानकारी दी और बताया कि कैसे यह इलेक्ट्रॉनिक रूप में प्रतिभूतियों को रखने और लेनदेन करने की सुविधा प्रदान करता है। वर्कशॉप का दूसरा दिन "कमोडिटी एंड डेरिवेटिव मार्केट और एनसीडीईएक्स पर केंद्रित था। यह वेबिनार विद्यार्थियों के लिए जानकारियों से भरपूर व संवादात्मक रहा।

रेड रिबन क्लब (RRC) **संयोजिका : डॉ. मीनाक्षी यादव**

'रेड रिबन क्लब' भारत सरकार द्वारा स्कूलों और कॉलेजों में शुरू किया गया एक ऐसा आंदोलन है, जिसके माध्यम से छात्र एच.आई. वी./एड्स के बारे में जागरूकता फैलाएंगे। यह क्लब एड्स से पीड़ित लोगों के समर्थन में खड़ा है। यह छात्रों की स्वास्थ्यवर्धक जीवन शैली विकसित करने की दिशा में सहायता करने के लिए सभी छात्रों के बीच स्पष्ट विचारों की परिकल्पना करता है। शैक्षणिक संस्थानों में RRC की भूमिका यही है कि युवाओं को सही, संक्षिप्त और पर्याप्त जानकारी के साथ शिक्षित करना व एच.आई.वी./एड्स के बारे में जागरूकता के स्तर को बढ़ाना। आपकी जानकारी के लिए बताना चाहती हूँ कि दिल्ली स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी (डी.एस.ए.सी.एस.) के तहत सत्र 2021-22 में RRC कॉलेज का नवनिर्मित क्लब है, जिसने कई कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। रेड रिबन क्लब' ने 'रोटारैक्ट क्लब' और 'आई क्यू ए सी' के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों द्वारा समाज में जागरूकता अभियान के उद्देश्य से 13 अप्रैल 2022 को एच आई वी एड्स जैसी खतरनाक बीमारी से बचने के लिए जागरूकता अभियान चलाया व साथ-साथ एक रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया। क्लब द्वारा 19 जून, 2022 को रक्तदान दिवस के अवसर पर ऑनलाइन माध्यम द्वार एक शपथ समारोह भी आयोजित किया गया। इस क्लब द्वारा 6 अगस्त, 2022 को स्तनपान के महत्व एवं इससे संबंधित भ्रान्तियों का निवारण करने सम्बन्धी उपाय की दृष्टि से एक वेबिनार का आयोजन किया गया, मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में डॉ. साक्षी भारद्वाज जी ने इस विषय पर अनेक महत्वपूर्ण जानकारियों को साझा किया। 24 अगस्त, 2022 को "दृश्यम" के सहयोग से एक प्रतियोगिता और संपन्न हुई, जिसका उद्देश्य Aids जैसी भयावह बीमारी के लक्षण, कारण और इसे रोकने के लिए समाज को शिक्षित करना था। अंत में सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए गए। 21 जनवरी, 2023 को महाविद्यालय में "वृक्ष सजावट" आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य समाज को HIV जाँच के लिए प्रोत्साहित करना था, इससे कैसे बचा जाए और इसका उपचार कैसे किया जाए बताना था। 24 जनवरी, 2023 को HIV से जागरूक करने संबंधित एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में, यूथ अफेर्स की असिस्टेंट डायरेक्टर श्रीमती सुजीता गहलोत का सान्निध्य मिला। 21-22 मार्च, 2023 को सांस्कृतिक उत्सव प्रवाह के अवसर पर एक स्टॉल लगाई, जिसका उद्देश्य HIV से संबंधित जानकारी देना था। इस अवसर पर AIDS की जाँच कराने के लिए Delhi State AIDS Control Society द्वारा एक वैन की सुविधा भी दी गई। इस अवसर पर District Counselors ने सभी सदस्यों को AIDS से सम्बंधित अनेक महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

संयोजिका : लीगल अवेयरनेस

संयोजिका: प्रो. मीना शर्मा

औपचारिक पाठ्यक्रमों के अलावा, कॉलेज ने छात्रों की प्राकृतिक प्रतिभा और रचनात्मक कौशल को उजागर करने और उनके समग्र व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से कई पूरक पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। इसी विचार को आगे बढ़ाते हुए कॉलेज में वर्ष 2016 में 'कानूनी जागरूकता' पाठ्यक्रम का पहला बैच शुरू किया गया। तब से अब तक कुल 12 बैच पूरे हो चुके हैं। डॉ. मीना शर्मा के नेतृत्व में 12 फरवरी, 2022 को 50 छात्रों वाले 'कानूनी जागरूकता' का ग्यारहवाँ बैच शुरू हुआ। इसके उद्घाटन के अवसर पर, दक्षिण पूर्वी दिल्ली के जिला न्यायालय के न्यायाधीश को सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने प्रतिभागियों को कानून के बुनियादी पहलुओं और उनके महत्व से अवगत कराया। इस पाठ्यक्रम में कुल दस कक्षा-सत्रों का आयोजन किया गया। साथ ही कोर्ट परिसर में भ्रमण की व्यवस्था कर छात्रों को कोर्ट की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया गया. छात्रों को जेल में कैदियों की जीवन शैली और मानसिकता से अवगत कराने के उद्देश्य से तिहाड़ जेल का दौरा भी आयोजित किया गया। बाद में इन छात्रों को पैरा लीगल वालंटियर भी बनाया गया, जिसके तहत ये ओखला, श्रीनिवासपुरी, गोविंदपुरी, कालकाजी आदि झुग्गी बस्तियों में गए और वहां के निवासियों को मुफ्त कानूनी सलाह की जानकारी दी। 30 अगस्त 2022 को इस पाठ्यक्रम का बारहवां बैच प्रारंभ हुआ, जिसमें 50 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया। दिल्ली लीगल सर्विस अथॉरिटी (डीएलएसए) के मुख्य अध्यक्ष श्री संजय गर्ग-प्रथम, श्री भरत पराशर जी एवं श्री मति ईशा सिंह जी ने मुख्य अतिथि के रूप में छात्रों का मार्गदर्शन किया। इस बैच ने 14 दिसंबर 2022 को सफलतापूर्वक कोर्स पूरा किया।

कौशल विकास और डेटा विश्लेषिकी

संयोजिका : डॉ.सोनिका नागपाल

संस्थान की इनोवेशन काउंसिल (IIC), महिला विकास सेल (WDC) और वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सर्विस (WUS) के सहयोग से 12-19 सितंबर, 2022 तक कॉलेज में 'स्किल डेवलपमेंट एंड डेटा एनालिटिक्स' पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। लर्निंग लिंक्स फाउंडेशन (एलएलएफ) के साथ, एक गैर-लाभकारी संगठन जो सीखने के माध्यम से जीवन को समृद्ध बनाने के लिए समर्पित है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को डेटा और एनालिटिक्स की उच्च माँग वाली प्रौद्योगिकी/एसटीईएम करियर पथ में अपनी रुचि, ज्ञान और विशेषज्ञता का निर्माण करने के लिए प्रोत्साहित करना था। इसका उद्देश्य लाभार्थियों की नौकरी के लिए तत्परता कौशल को बढ़ाना और उन्हें कौरसेरा, उडेमी आदि जैसे ऑनलाइन कौशल विकास प्लेटफार्मों के माध्यम से विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाणन कार्यक्रमों में नामांकन का अवसर प्रदान करना है। यह कार्यशाला ऑनलाइन जूम प्लेटफॉर्म पर आयोजित की गई थी जिसकी अवधि 20 घंटे थी। उन्नत एमएस एक्सेल पर 15 घंटे तक चलने वाले पाठ्यक्रम प्रशिक्षण सहित 5 घंटे तक चलने वाले संचार कौशल निर्माण के सत्र आयोजित किये गये।

जल उद्यमिता सर्टिफिकेट कोर्स

संयोजक : डॉ. मयंक पाण्डेय

'जल उद्यमिता' विषय पर प्रथम सर्टिफिकेट कोर्स पर्यावरण समिति, एसआईईसी और एनआईएसपी ने सेफ वाटर नेटवर्क इंडिया और यूएसएआईडी के साथ संयुक्त रूप से 16 जनवरी से 9 फरवरी, 2023 तक 42 घंटे का आयोजित किया। 60 से अधिक छात्रों ने इसके लिए पंजीकरण कराया और पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा

किया। यह सर्टिफिकेट कोर्स निःशुल्क था और सेफ वाटर नेटवर्क इंडिया ने कोर्स के सभी खर्चों को पूरी तरह से प्रायोजित किया । पर्यावरण समिति, एसआईईसी और एनआईएसपी ने सेफ वाटर नेटवर्क इंडिया और यूएसएआईडी ने संयुक्त रूप से 'जल उद्यमिता' पर 3 अप्रैल से 17 अप्रैल, 2023 तक जल उद्यमिता पर 42 घंटे का द्वितीय सर्टिफिकेट कोर्स भी आयोजित किया, जिसमें 60 से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया और पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया। यह सर्टिफिकेट कोर्स निःशुल्क था और सेफ वाटर नेटवर्क इंडिया ने कोर्स के सभी खर्चों को पूरी तरह से प्रायोजित किया। इस सर्टिफिकेट कोर्स के दौरान प्रैक्टिकल सत्र/वर्कशॉप और दो फील्ड भ्रमण भी आयोजित किए गए।

विद्या विस्तार योजना समिति

संयोजिका : डॉ. कृष्णा शुक्ला **छात्र प्रतिनिधि : हर्ष मिश्रा**

दिल्ली विश्वविद्यालय की इस अत्यंत महत्त्वपूर्ण योजना में हमारा महाविद्यालय अहम भागीदार है। हमारे महाविद्यालय ने दो अति विकट व दुर्लभ स्थानों के महाविद्यालयों के साथ एम.ओ.यू. किया, जो कि हमारी इस योजना के अधीन है। पाकिस्तान के निकट राजस्थान की सीमा से जुड़े शिव नामक स्थान के राजकीय कॉलेज को अपना साथी बनाया। यह जलवायु व भौगोलिक दृष्टि से अति पिछड़ा इलाका है, जहाँ लोगों के पास मोबाइल फोन व इंटरनेट की सुविधा पर्याप्त नहीं है। महाविद्यालय में पर्याप्त प्राध्यापक भी नहीं है। भौगोलिक स्थिति भी अति विकट है। भयंकर गर्मी-सर्दी के अलावा वर्षा व पेयजल की अत्यंत कमी है। छात्र किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेने के बजाय अपने माता-पिता की मदद पेयजल जुटाने में करते रहते हैं। दूसरा भागीदार एस.एस.एन.जे. कॉलेज, वर्धा (महाराष्ट्र) है। जिस की स्थिति बाड़मेर महाविद्यालय की अपेक्षा थोड़ी ठीक है। हमारे महाविद्यालय की ओर से सभी ऑनलाइन वेबिनारों में दोनों साथी महाविद्यालयों को आमंत्रित किया गया है तथा उनकी सहभागिता भी रही है। इस सत्र में भी विद्या विस्तार योजना के तहत कॉलेज की विभिन्न समितियों व सेल के तत्वाधान में कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। विभिन्न विषयों पर ऑनलाइन आयोजित कार्यशालाओं में 'नो योर राइट्स', 'मार्केटिंग एवं फाइनेंस, इश्यूज ऑफ़ स्टार्टअप', 'रेन वाटर हार्वेस्टिंग', 'स्टेप अप फॉर ब्रेस्ट फीडिंग: एजुकेट एंड सपोर्ट', 'स्किल डेवलपमेंट एंड डाटा एनालिटिक्स, फाइनेंशियल लिटरेसी', 'मैनेजमेंट एप्टिट्यूड टेस्ट-गेटवे टू सक्सेसफुल करियर इन मैनेजमेंट', 'फंडामेंटल्स ऑफ़ जी.एस.टी. एंड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स' आदि विषय शामिल हैं। महाविद्यालय ने विभिन्न वेबिनारों के माध्यम से इन महाविद्यालयों के छात्रों का विभिन्न विषयों पर ज्ञानार्जन करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। आगे भी इन महाविद्यालयों को हमारा पूरा सहयोग मिलता रहेगा

शुभ आशीष योजना

संयोजक : डॉ. बिनीत कुमार सिन्हा

पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) के द्वारा वर्ष 2018 के अगस्त महीने में मानवीय संवेदनाओं पर आधारित 'शुभ आशीष' नामक विशेष अभियान का आरंभ किया गया था, जिसके अंतर्गत महाविद्यालय के सभी विभागों के विद्यार्थी प्रत्येक महीने में कम से कम एक बार या अधिकतम दो बार वृद्धाश्रम का दौरा करते हैं। 'शुभ आशीष' के संयोजक भी विद्यार्थियों के साथ वहाँ जाते हैं। कोविड संकट अभी समाप्त नहीं हुआ है और एक आपदा के रूप में यह हमारे समक्ष अभी भी खड़ा है। कोविड-19 की समस्या के कारण ही, एक लंबे अंतराल के बाद 'शुभ आशीष' के अंतर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों का वृद्धाश्रम जाना हो पाया। ऐसा इसलिए कि वृद्धाश्रम प्रबंधन समिति द्वारा वहाँ सेवा कार्य एवं सेवा दर्शन की अनुमति नहीं मिल पा रही थी। आग्रह के फलस्वरूप हमें अनुमति

मिली और अप्रैल माह के दिनांक 19 और 20 को हमारी विजिट बन पायी। विद्यार्थियों का उत्साह देखने वाला था। एक नई दुनिया से उनका परिचय होने वाला था। शुभ आशीष के अंतर्गत सेवा दर्शन एवं सेवा कार्य की शुरुआत सन् 2018 से हुई है। अभी तक लगभग 800 के आसपास विद्यार्थी हमारे साथ जुड़कर इस आवश्यक और संवेदनशील अभियान को पूरा कर चुके हैं। इस वर्ष के विजिट में 29 विद्यार्थी वृद्धाश्रम गए। इसके अतिरिक्त दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य महाविद्यालय के 9 विद्यार्थी भी हमारे साथ गए। दिनांक 20-04-2023 को हम दोबारा वहाँ विजिट करने गए जिसमें 19 विद्यार्थियों का जाना हुआ। वृद्धाश्रम विजिट का हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों में संवेदना, विनम्रता, गरिमा और सेवा भाव जगाने का संकल्प लेने के प्रति आग्रही बनाना है। शुभ आशीष के संयोजक होने के नाते हम कह सकते हैं कि हम अपने उद्देश्यों में क्रमशः सफलता की ओर बढ़ रहे हैं। अपने समस्त सहयोगियों और विद्यार्थियों के सहयोग से हम अपने इस कार्य को और अधिक विस्तृत कर पाऐगें, ऐसा हमें पूर्ण विश्वास है।

अरुंधति भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र **संयोजक: प्रो. हरीश अरोड़ा**

कॉलेज ने एक नया शिक्षा केंद्र खोला है जिसे अरुंधति भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र नाम दिया है। महाविद्यालय के 'अरुंधति भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र' एवं पं. मदनमोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन, महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के संयुक्त तत्वाधान में 23 जनवरी से 6 फरवरी, 2023 तक 'भारतीय ज्ञान परंपरा और विश्वगुरु भारत' विषय पर दो सप्ताह का सम्मिश्र पद्धति संकाय संवर्धन कार्यक्रम आयोजित किया गया। अरुंधति भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र और भारतीय भाषा समिति. शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वाधान में 10 और 11 फरवरी, 2023 को 'भारतीय भाषाएँ और भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

पुस्तकालय एवं वाचनालय **संयोजक: श्री पवन कुमार मैठानी**

शिक्षा संस्थान में पुस्तकालय रीढ़ की हड्डी के समान कार्य करता है और पुस्तकालय के बिना किसी शैक्षणिक परिवेश की पूर्णता की कल्पना करना संभव नहीं है। वस्तुतः पुस्तकालय कल्पवृक्ष की तरह होता है जिसके प्रभाव क्षेत्र के अधीन होकर ज्ञान का साधक मनोनुकूल फल प्राप्त करता है। अति प्राचीन सामग्री से लेकर एक दम आधुनिक शोधों/आविष्कारों के लिखित, अंकित एवं प्रकाशित दस्तावेजों को हम पुस्तकालय के माध्यम से बड़ी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षा संस्थान में विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारी सबके लिए पुस्तकों की जरुरत को पुस्तकालय ही पूरा करता है। निश्चित ही पुस्तकालय के सहयोग से ही हम शिक्षा के वास्तविक लक्ष्य को पूरा करते हैं। हमारे कॉलेज का पुस्तकालय इस दृष्टि से पूरी तरह सक्षम कहा जा सकता है।

31 मार्च, 2023 तक की गणना के अनुसार पुस्तकालय में इस समय विभिन्न विषयों से संबधित 57, 680 पुस्तकें हैं। 2022-23 के शैक्षणिक सत्र में कुल Rs. 2, 22, 510 (मूल्य) की 702 पुस्तकें खरीदी गई हैं। इस वर्ष पुस्तकालय में कुल व्यय 7, 75000 रुपए का अनुमान है। वाचनालय में संस्कृत, हिन्दी और अंग्रेजी भाषाओं के 50 दैनिक, साप्ताहिक एवं मासिक पत्र-पत्रिकाएँ नियमित रूप से उपलब्ध रहती है। पुस्तकालय के महत्त्व का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि 1 जुलाई, 2022 से 25 अप्रैल, 2023 तक प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों द्वारा 68, 440 बार पुस्तकें पढ़ने के लिए निकलवाई गई।

कॉलेज में पुस्तकालय संबंधी सेवाएं दोपहर 01: 30 से रात्रि 08.30 बजे तक उपलब्ध रहती है। लेकिन परीक्षाओं को ध्यान में रखकर विद्यार्थियों की अध्ययन-सुविधा के लिए परीक्षा आयोजित होने के एक माह पूर्व से पुस्तकालय सेवाओं को प्रातः 9: 00 बजे से शुरू कर दिया जाता है। जब पुस्तकालय प्रातः 9: 00 बजे खुलता है, तब कॉलेज द्वारा विशेष सुविधा के तहत जो विद्यार्थी सुबह किसी कारणवश नाश्ता करके नहीं आ पाते, उनको निःशुल्क नाश्ता/भोजन उपलब्ध कराया जाता है। पुस्तकालय को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बनाने के लिए कम्प्यूटर की सुविधा भी प्रदान की गई है। जिससे विद्यार्थी अपनी पुस्तक स्वयं सर्च कर सके। पुस्तकालय में अनुशासन व्यवस्था बनाये रखने के लिए 16 CCTV कैमरा तथा वातानुकूलित 10 AC लगे हैं। कॉलेज की गतिविधियों से विद्यार्थियों को लगातार अवगत कराने हेतु पुस्तकालय में 65 इंच कलर TV लगा हुआ है।

सत्रारंभ में पुस्तकालय में एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम भी किया जाता है, जिसमें भारी संख्या में विद्यार्थी भाग लेते हैं। विद्यार्थियों को E-Journals, E-Books, OPAC, Software KOHA के बारे में जानकारी दी जाती है। कॉलेज के सभी वर्गों के लिए नि: शुल्क N-LIST, Remote Access Facilities उपलब्ध करवाई जाती हैं।

कोहा (KOHA) लाईब्रेरी सॉफ्टवेयर : कॉलेज पुस्तकालय को स्वचालन (Automation) की दृष्टि से अधिक उपयोगी बनाने के उद्देश्य से 1अक्टूबर, 2021 से पुस्तकालय में क्लाउड बेस नया लाईब्रेरी सॉफ्टवेयर पर कार्य शुरू किया गऐ। यह सॉफ्टवेयर क्लाउड बेस होने के कारण विद्यार्थी व संकाय सदस्य घर बैठे अपने मोबाइल पर किसी भी पुस्तक को सर्च कर सकते हैं। पुस्तकालय कमेटी ने 16 मार्च, 2022 को कॉलेज की अन्य कमेटियों की सहभागिता से व Avior Technologies Pvt Ltd. के सहयोग से सकाय सदस्य, विद्यार्थियों एवम् कर्मचारियों के लिए प्रातः 11: 30 बजे से कोहा सॉफ्टवेयर पर एक वेबिनार आयोजित किया, जिसका विषय 'Library Automation using KOHA' था। कॉलेज के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों को ई-सेवा (ई-बुक्स-ई-जर्नल) का अधिक से अधिक निःशुल्क लाभ देने के उद्देश्य से कॉलेज पुस्तकालय ने सितंबर, 2017 से N-LIST (National Library and Information Services Infrastructure for Scholarly Content), INFLIBNET (Information and Library Network Centre, Gandhi Nagar, Gujarat), की संस्थागत सदस्यता ली है। N-LIST के माध्यम से उपयोगकर्ता कभी भी, कहीं से भी 6000 से अधिक ई-जर्नल्स एवं 1, 35, 000 से अधिक ई-पुस्तकों का लाभ ले सकता है।

उरकुंड सॉफ्टवेयर (URKUND Software) : संकाय के शोध कार्यों की गुणवत्ता जाँचने हेतु दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालय सिस्टम से कॉलेज पुस्तकालय को जून, 2021 से विशेष सुविधा के तहत उरकुंड सॉफ्टवेयर (URKUND Software) की सुविधा प्राप्त हुई, जिसका लाभ हमारे कॉलेज संकाय सदस्यों को प्रोफेसरशिप की पदोन्नति में मिला।

पुस्तक निधि : कॉलेज में पुस्तक निधि की स्थापना सन् 1975 ई. में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा Rs. 15000/-की सहायता राशि के साथ की गई थी। इस समय इस निधि में 1333 पुस्तकें हैं। इस निधि से पूरे साल कॉलेज के विद्यार्थियों को अध्ययन के लिये पुस्तकें प्रदान की जाती है। कॉलेज में विद्यार्थी सहायता कोष की स्थापना सन् 1958 ई. में की गई थी, जिसका मूल उद्देश्य निर्धन-मेधावी विद्यार्थियों को पूरे वर्ष के लिए पुस्तकें प्रदान करना है। इस समय इस कोष में 4449 पुस्तकें हैं।

दिव्यांग छात्रों को विशेष सुविधा : कॉलेज पुस्तकालय में दिव्यांग छात्रों को पढ़ाई में सहयोग देने के उद्देश्य से ANGEL PRO CLASSIC DEVICE (in built talking Daisy Player, E-Book Reader, Mp3

Player, Radio & amp; Voice Recorder) भी उपलब्ध है। यह सुविधा छात्र मनोज कुमार, रोल न. 2378 बी.ए. (प्रोग्राम) तृतीय वर्ष को निःशुल्क जारी की गयी है।

साउंड प्रूफ कक्ष : शिक्षा के बढ़ते आयाम व ऑनलाइन कक्षाओं को मद्देनजर रखते हुए मार्च, 2022 में कॉलेज पुस्तकालय में एक साउंड प्रूफ कक्ष बनाया गया, जिसमें कॉलेज संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों को वेबिनार व रिकोर्डिंग करने में आसानी होती है।

अभिलेखागार: कॉलेज पुस्तकालय द्वारा अभिलेखागार (Archive) संचालित किया जाता है। जिसमें कॉलेज स्थापना वर्ष 1958 से लेकर अब तक के सारे रिकॉर्ड / सूचनाएं / फोटोग्राफ्स / सी. डी. सुरक्षित हैं।

Twitter handle-@PGDAVEVE_DU

प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता के कुशल निर्देशन में तथा संयोजिका डॉ. श्रुति विप एवं डॉ. सोनिका नागपाल के मार्गदर्शन से महाविद्यालय में 24 मार्च, 2021 को ट्विटर एकाउंट खोला गया। इस ट्विटर एकाउंट को खोलने का मुख्य उद्देश्य सोशल मीडिया पर महाविद्यालय की उपस्थिति को सुदृढ़ करना था। जब से यह अकाउंट बनाया गया है तभी से महाविद्यालय की विभिन्न समितियों, प्रकोष्ठों तथा विभागों की महत्त्वपूर्ण गतिविधियों तथा विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपलब्धियों को निरंतर ट्विटर पर साझा किया जाता है। इसी शृंखला में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी आवश्यक सूचनाओं को भी ट्विटर द्वारा साझा किया जाता है।

इस वर्ष प्राध्यापक वर्ग से श्री डी.एन. कालिया सेवानिवृत हुए। मैं उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना करता हूँ।

अब मैं अपने कॉलेज के प्रशासकीय समिति के अध्यक्ष श्री टी.एन. चतुर्वेदी जी का ह्रदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके सार्थक निर्देशन एवं प्रेरणा से कॉलेज निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। साथ ही प्रशासकीय समिति के अन्य सभी कर्मठ सदस्यों के प्रति मैं कृतज्ञ हूँ जिनके अथक सहयोग से कॉलेज के प्रबंधन का संचालन निर्बाध गति से हो रहा है। कॉलेज के पूर्व प्राचार्य श्री मोहनलाल जी के लिए मेरे मन में अपार श्रद्धा का भाव है,क्योंकि उनका सानिध्य एवं परामर्श सदा कॉलेज के लिए हितकर सिद्ध हुए हैं। कॉलेज के कर्मठ आचार्यों ने शिक्षा के लिए रचनात्मक एवं सौहार्द्रपूर्ण वातावरण के निर्माण में सदैव भरपूर योगदान दिया है, इसलिए मैं उन सबके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। इसी प्रकार मैं प्रशासनिक, लेखा-विभाग, पुस्तकालय आदि में कार्यरत सभी कर्मचारियों को कॉलेज के प्रति उनकी सेवा के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूँ। मैं सभी विद्यार्थियों को भविष्य में होनेवाली परीक्षाओं में अच्छे परिणाम के लिए शुभकामनाएं देता हूँ और यह कामना करता हूँ कि वे जीवन के कर्म-क्षेत्र में अपने शुभ लक्ष्यों को प्राप्त करने में सदैव सफल हों। सम्माननीय महोदय, अंत में मैं कॉलेज परिवार की ओर से पुनः आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। यह हमारा परम सौभाग्य है कि आपने अपना बहुमूल्य समय इस कार्यक्रम के लिए प्रदान किया। अब मैं आपसे विनम्र निवेदन करता हूँ कि इस अवसर पर उपस्थित कॉलेज परिवार को संबोधित कर हम सबको अनुगृहीत करें और सम्मानित होनेवाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर उन्हें अपना आशीर्वाद प्रदान करें।

- डॉ. रवीन्द्र कुमार गुप्ता (प्राचार्य)

★ ★ ★ ★

कॉलेज के प्राध्यापक

अंग्रेजी विभाग

श्रीमती रेणुकाधर बज़ाज़
डॉ. (श्रीमती) मीता भटनागर
श्री जसपाल सिंह
श्रीमती प्रियंका चटर्जी
सुश्री संगीता शर्मा
श्री अनिल कुमार
डॉ. विपिन प्रताप सिंह
श्रीमती रुचिता मछल
श्रीमती पल्लवी दत्ता

हिन्दी विभाग

डॉ. (श्रीमती) राजकुमारी पाण्डेय
प्रो. (श्रीमती) आशा रानी
प्रो. ओंकार लाल मीणा
प्रो. हरीश अरोड़ा
प्रो. (श्रीमती) मीना शर्मा
डॉ. अनिरुद्ध कुमार
डॉ. (श्रीमती) डिम्पल गुप्ता
डॉ. पुनीत चाँदला
श्री बलवंत सिंह
श्रीमती बीना मीणा
डॉ.सुन्दरम शर्मा
डॉ. आनंद कुमार मिश्रा
श्री विकास शर्मा
डॉ. ललिता सिंह
डॉ. पवन कुमार

गणित विभाग

श्रीमती उदिता अग्रवाल
श्री हरि प्रताप
श्री आदित्य प्रताप सिंह
डॉ. दीपक कुमार पोरवाल
डॉ. (श्रीमती) कामिनी रावत
श्री आलोक कुमार
श्री रणकेश मीणा

इतिहास विभाग

प्रो. संजय कुमार
प्रो.(श्रीमती) मृदुला अरोड़ा
प्रो. नागेन्द्र शर्मा
डॉ. मतिउर रहमान खान (तदर्थ)
डॉ.(श्रीमती) श्रुति विप (तदर्थ)

राजनीति शास्त्र विभाग

प्रो. बासुकी नाथ चौधरी
डॉ. नीलोत्पल मृणाल
प्रो. शुभेन्दु रंजन राज
डॉ. ईशा वर्मा
डॉ.शमशेर सिंह
श्री परमीत सिंह
श्री मनोज कुमार
डॉ. संगिया राम
श्री जय गुप्ता
डॉ. राहुल रंजन

वाणिज्य विभाग

श्री अमित कुमार
प्रो. रवीन्द्र कुमार गुप्ता (प्राचार्य)
प्रो. (श्रीमती) अनीता बज़ाज़

डॉ. (श्रीमती) रुचिरा पाठक
श्री रमेश कुमार
डॉ. (श्रीमती) पलविन्दर कौर बक्शी
श्रीमती सोनिया ढींगरा
डॉ. (श्रीमती) कृष्णा शुक्ला
डॉ. जयशंकर शर्मा
डॉ. अजय कुमार गर्ग
डॉ.(श्रीमती) सोनिका नागपाल
डॉ.(श्रीमती)करिश्मा सारस्वत
डॉ.(श्रीमती) मीनाक्षी यादव
श्रीमती रिम्मी जैन
डॉ. श्री नितीश बागड़ी
सुश्री गरिमा भारद्वाज
डॉ. नीलम कपूर
श्री रजनीश शर्मा
डॉ. देवदत्त भारती
डॉ. अभिषेक कुमार सिंह
डॉ. सारिका शर्मा
श्रीमती जुलिका मधोरिया

अर्थशास्त्र विभाग

श्रीमती आशिमा भाटिया
श्रीमती गीता आहूजा
श्रीमती दीपिका शर्मा
सुश्री नैंसी

संस्कृत विभाग

डॉ.योगेश शर्मा
डॉ. तरुण कुमार दीप
डॉ. कुलदीप सिंह
पर्यावरण अध्ययन विभाग
डॉ.मयंक पाण्डेय
श्री जयपाल
शारीरिक शिक्षा विभाग
डॉ. प्रमोद कुमार सेठी

कार्यवाहक पुस्तकालयाध्यक्ष

श्री पवन कुमार मैठानी

कॉलेज के कर्मचारी गण

प्रशासनिक विभाग

श्री सुमित सुहाग (सेक्शन पदाधिकारी)
श्री अनिल कुमार जयसवाल (वरिष्ठ सहायक)
श्री संतोष कुमार (कनिष्ठ सहायक)
श्री विजयपाल यादव(कनिष्ठ सहायक)
श्री अमित दुरेजा(सहायक)
श्री दिलवर सिंह (सहायक)
श्री प्रदीप कुमार(कनिष्ठ सहायक)
श्री राम प्रकाश सिंह(कार्यालय सहायक)
श्री सीता राम(कार्यालय सहायक)
श्री गुलशन कुमार (कार्यालय सहायक)
श्री राम सिंह के सी (चौकीदार)
श्री दया राम(मल्टी टास्किंग स्टाफ)
श्री सोनू(मल्टी टास्किंग स्टाफ)
श्री राकेश कपूर(इलेक्ट्रीशियन)
श्री मंगला(वाटरमैन)
श्रीमती अनुपमा

लेखा विभाग

श्री रवि वाधवा(अनुभाग अधिकारी)
श्री नरेन्द्र कुमार(वरिष्ठ सहायक)
श्री अनीश कुमार(सहायक)

श्री अरुण यादव(कनिष्ठ सहायक)
श्री रंजन कुमार(कनिष्ठ सहायक)
श्री रमेश चंद शर्मा(कार्यालय अटेंडेंट)
श्री राम शरन(कार्यालय सहायक)

पुस्तकालय स्टाफ

श्री विक्रांत सिंह ठाकुर
श्री उमेश शर्मा
श्री दिनेश कुमार
श्री कुनाल कुमार
श्री विपिन कुमार
श्री जगमोहन

कंप्यूटर लैब

श्री राहुल राणा
श्री विनोद कुमार

सुरक्षाकर्मी

श्री संजय कुमार
श्री राकेश कुमार
श्री दिनेश कुमार
श्रीमती प्रेमल
श्री चमन लाल

सफाईकर्मी

श्री जितेन्द्र कुमार
श्रीमती निर्मला (जी सी आर अटेंडेंट)
श्री राजीव कुमार
श्री हृदय राम